राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 10, अंक- 249 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, शनिवार ,06 मार्च 2021, मूल्य रु. 1.50

एक नज़र...

एसएफडीआर मिसाइल का टेस्ट सफल

चांदीपुर, (एजेंसी)। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने शुक्रवार को एसएफडीआर मिसाइल का सफल परीक्षण किया। इस मिसाइल की मारक क्षमता 100-200 किमी है और भारत तथा रूस दोनों ने ही ने इस मिसाइल को तैयार किया है। ओडिशा के चांदीपुर में डीआरडीओ ने शुक्रवार को एकीकृत परीक्षण रेंज से सॉलिड फ्यूल डक्टेड रैमजेट मिसाइल का सफल परीक्षण किया। ये मिसाइल भारत और रूस द्वारा संयुक्त रूप से विकसित की गई है। डीआरडीओ अधिकारियों ने बताया कि ग्राउंड बूस्टर मोटर समेत सभी सब सिस्टम उम्मीदों पर खरे उतरे और उन्होंने बेहतर प्रदर्शन किया।

मुथूट ग्रुप के चेयरमैन जॉर्ज मुथूट नहीं रहे

नईदिल्ली, (एजेंसी)। मुथूट ग्रुप के चेयरमैन एमजी जॉर्ज मुथूट का शुक्रवार शाम को दिल्ली में निधन हो गया। वह 72 साल के थे। वह अपने घर पर सीढ़ियों से गिर गए थे जिसके बाद उन्हें दिल्ली के एस्कॉर्ट्स अस्पताल में भर्ती किया गया था। अस्पताल के अनुसार शाम 6.58 पर जब उन्हें अस्पताल लाया गया, तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। उनकी लीडरशिप में मुथूट ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी मुथूट फाइनेंस लिमिटेड नॉन बैंकिंग फाइनेंस कंपनियों में देश की सबसे बड़ी गोल्ड फाइनेंसिंग कंपनी बन गई। उनकी ही लीडरशिप के अंदरर मुथूट ग्रुप की 5500 शाखाएं हो गईं।

संस्कृत अकादमी का यू टयूब चैनल शुरू

चंडीगढ़, (एजेंसी)। हरियाणा सरकार ने संस्कृत भाषा पढ़ने वालों के लिए 'हरियाणा संस्कृत अकादमी' के नाम से यू-ट्यूब चैनल शुरू किया है जिसके माध्यम से संस्कृत भाषा को डिजिटल प्लेटफार्म पर लाया जाएगा। इस बारे में जानकारी देते हुए हरियाणा संस्कृत अकादमी के निदेशक डॉ. दिनेश शास्त्री ने बताया कि वेदभाषा संस्कृत के विकास को लेकर प्रदेश सरकार संजीदा है। शीघ्र ही संस्कृत अकादमी की 'एप्प' भी शुरू की जाएगी। उन्होंने कहा कि संस्कृत विश्व की भाषा है और यह वसुधैव कुटुम्बकम की भावना से काम करती है। इस भाषा में ज्ञान और विज्ञान है।

महिला निवेशकों के लिए 'ग्रो वुमंस वीक'

नई दिल्ली, (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर निवेश प्लेटफार्म ग्रो ने महिला निवेशकों के लिए 'ग्रो वूमंस वीक' शुरू करने की घोषणा की है जिसमें 8 से 15 मार्च तक महिला निवेशकों के लिए जीरो ब्रोकरेज शुल्क होगा। ग्रो ने हाल ही में भारतीय महिला निवेशकों की निवेश की आदतों को समझने के लिए एक सर्वेक्षण किया था। यह सर्वेक्षण 2.5 लाख से अधिक महिलाओं को भेजा गया और तीन दिन में 28,000 से अधिक महिलाओं ने सर्वेक्षण पर जवाब भेजे हैं। दिल्ली की महिला निवेशकों की हिस्सेदारी उत्तरदाताओं में 6.26 फीसदी रही। इस सर्वेक्षण का उद्देश्य महिलाओं की निवेश की आदतों को समझना है।

सीबीएसई बोर्ड परीक्षा की नई डेट शीट जारी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने 10वीं और 12वीं की परीक्षा की तारीखों में बदलाव किया है. सीबीएसई ने बोर्ड परीक्षाओं के लिए नया टाइम टेबल जारी कर दिया है। परीक्षाओं में शामिल होने वाले छात्र तुरंत ऑफिशियल वेबसाइट पर जाकर नया टाइमटेबल चेक कर ले। सीबीएसई की 12वीं के फिज़िक्स और अप्लाइड फिजिक्स जैसे एग्जाम जो पहले 13 मई को होने थे अब 8 जून को आयोजित किए जाएंगे। 10वीं के भी कई सब्जेक्ट्स के पेपर की तारीखें बदली गई हैं। 10वीं की गणित की परीक्षा जो पहले 21 मई को होनी थी अब उसकी तारीख बदलकर 2 जून कर दी गई है।

हवाला मामले में महबूबा को ईडी ने दिल्ली बुलाया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने हवाला कारोबार के मामले में जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती को शुक्रवार को समन जारी किया और पूछताछ के लिए 15 मार्च दिल्ली बुलाया है। केंद्रीय वित्तीय जांच एजेंसी की एक टीम शुक्रवार को समन लेकर पीडीपी प्रमुख महबूबा के श्रीनगर स्थित फेयरव्यू आवास पर पहुंची, जिसे उनके परिवार के सदस्यों ने नहीं लिया। पीडीपी के प्रवक्ता सुहैल बुखारी ने कहाकि लोग समन लेकर आए थे, लेकिन वे शहर में नहीं थीं, इसलिए किसी ने भी समन नहीं लिया। सुश्री महबूबा पार्टी की पुनः अध्यक्ष निर्वाचित होने के बाद प्रदेश के विभिन्न हिस्सों का दौरा कर रही हैं।

विनिर्माण क्षमता बढ़ाने के लिए सरकार कर रही कई सुधार : मोदी

नई दिल्ली, (संवाददाता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि निर्माण की बढ़ती क्षमताएं देश में रोजगार के निर्माण को बढ़ाती हैं, भारत इसी अप्रोच के साथ तेजी से काम करना चाहता है। उन्होंने कहा कि विनिर्माण क्षमता बढ़ने से रोजगार सृजन में वृद्धि होती है। भारत उसी दृष्टिकोण के साथ काम करना चाहता है। यही कारण है कि हमारी सरकार ने इस क्षेत्र में एक के बाद एक सुधार लाई है। पीएम मोदी ने प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव स्कीम पर आयोजित वेबिनार में बोलते हुए कहा कि इस सेक्टर में हमारी सरकार निर्माण को बढ़ावा देने के लिए एक के बाद एक सुधार कर रही है। देश का बजट और देश के लिए पालिसी मेकिंग सिर्फ सरकारी प्रक्रिया न रहे, देश के विकास से जुड़े हर स्टेक होल्डर्स का इसमें इफेक्टिव एंगेजमेंट हो। इसी क्रम में आज मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर, मेक इन इंडिया को ऊर्जा देने वाले आप सभी महत्वपूर्ण साथियों से चर्चा हो रही है। विनिर्माण अर्थव्यवस्था के हर पहलू को बदल देता है, एक पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करता है। विनिर्माण क्षमता बढ़ने से रोजगार सृजन में वृद्धि होती है। भारत उसी दृष्टिकोण के साथ काम करना चाहता है। यही कारण है कि हमारी सरकार ने इस क्षेत्र में एक के बाद एक सुधार लाई है।

मोदी ने कहा कि हमारे उत्पादन लागत, गुणवत्ता और उत्पादों की दक्षता को वैश्विक बाजार में एक छाप छोड़नी चाहिए और हमें इसे संभव बनाने के लिए मिलकर काम करना चाहिए। हमारे उत्पादों को उपयोगकर्ता के अनुकूल, सबसे आधुनिक, सस्ती और टिकाऊ होना चाहिए। हमारे सामने दुनियाभर से उदाहरण हैं जहां देशों ने अपनी मैन्युफैक्चरिंग क्षमता को बढ़ाकर, देश के विकास को गति दी है। बढ़ती हुई मैन्युफैक्चरिंग क्षमता देश में एम्प्योमेंट जनरेशन को भी उतना ही बढ़ाती हैं। हमारी सरकार मानती है कि हर चीज में सरकार का दखल समाधान के बजाय समस्याएं ज्यादा पैदा करता है। इसलिए हम सेल्फ-रेगूलेशन, सेल्फ-अटैस्टिंग, सेल्फ-सर्टीफिकेशन पर जोर दे रहे हैं।

मोदी ने कहा कि ये पीएलआई जिस सेक्टर के लिए है, उसको तो लाभ हो ही रहा है, इससे उस सेक्टर से जुड़े पूरे इकोसिस्टम को फायदा होगा। ऑटो और फार्मा में पीएलआई से, ऑटो पार्टस, मेडिकल इक्यूपमेंटस और दवाओं के रॉ मटीरियल से जुड़ी विदेशी निर्भरता बहुत कम होगी। एडवांस्ड सेल बैटरीज, सोलर पीवी मोडूल्स और स्पेसलिटी स्टील को मिलने वाली मदद से देश में एनर्जी सेक्टर आधुनिक होगा। इसी तरह टैक्सटाइल और फूड प्रोसेसिंग सेक्टर को मिलने वाली पीएलआई से हमारे पूरे एग्रीकल्चर सेक्टर को लाभ होगा। आपने कल ही देखा है कि भारत के प्रस्ताव के बाद, संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 2023 को इंटरनेशनल एयर ऑफ मिल्टस घोषित किया है। भारत के इस प्रस्ताव के समर्थन में 70 से ज्यादा देश आए थे। और फिर संयुक्त राष्ट्र महासभा में ये प्रस्ताव, सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया।

बिहार: गोपालगंज शराबकांड में नौ दोषियों को फांसी; चार महिलाओं को आजीवन कारावास

गोपालगंज। गोपालगंज के नगर थाना क्षेत्र स्थित खजुरबानी वार्ड संख्या 25 में जहरीली शराब की बरामदगी के मामले में अदालत ने शुक्रवार को नौ अभियुक्तों को दोषी करार देते हुए फांसी की सजा सुनाई। यहां 2016 में जहरीली शराब से 19 लोगों की मौत हो गई थी, तथा छह लोगों की आंखों की रोशनी चली गई थी। पुलिस ने घटना के बाद छापेमारी में भारी मात्रा में शराब बरामद की थी। द्वितीय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह विशेष न्यायाधीश (उत्पाद) लवकुश कुमार की अदालत ने इसी मामले में नौ अभियुक्तों को फांसी की सजा सुनाई। शराब पीने से 19 लोगों की मौत हो गई थी। इस मामले में 14 आरोपित थे। इनमें एक की ट्रायल के दौरान मौत हो गई। शेष 13 आरोपितों में नौ पुरुष और चार महिलाएं शामिल थीं, जिनके विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया। इनके विरुद्ध दोष सिद्ध होने के बाद अदालत ने सजा सुनाई। इनमें नौ पुरुषों को फांसी और चार महिलाओं को आजीवन कारावास की सजा दी गई है।

16 अगस्त, 2016 को जिला मुख्यालय गोपालगंज स्थित खजुरबानी मोहल्ले में जहरीली शराब पीने से 19 लोगों की मौत हो गई थी। छह लोगों की आंखों की रोशनी चली गई। इस घटना की जानकारी मिलते ही अधिकारियों में हड़कंप मच गया। वरीय अधिकारियों के निर्देश पर पुलिस ने 16 अगस्त की रात खजुरबानी मोहल्ले में छापेमारी की। इस दौरान भारी मात्रा में शराब बरामद की गई। घंटों चली छापेमारी में अवैध शराब के धंधेबाजों के घरों से लेकर आसपास के इलाके से शराब बरामद की गई। नगर थाना के तत्कालीन थानाध्यक्ष बीपी आलोक के बयान पर नगर थाने में मुकदमा दर्ज किया गया। इसमें अवैध शराब के कारोबार में संलिप्तता पाते हुए खजुरबानी वार्ड नंबर 25 निवासी छठू पासी, कन्हैया पासी, लालझरी देवी, कैलाशो देवी, नगीना पासी, लालबाबू पासी, राजेश पासी, सनोज पासी, रीता देवी, संजय चौधरी, रंजय चौधरी, मुन्ना चौधरी, इंदु देवी और ग्रहण पासी को नामजद अभियुक्त बनाया गया।

इस आपराधिक मामले में पुलिस की ओर से आरोप पत्र दाखिल होने के बाद सुनवाई प्रारंभ की गई। ट्रायल के दौरान ही एक अभियुक्त ग्रहण पासी की मौत हो गई। शेष 13 के विरुद्ध सुनवाई चल रही थी। अभियोजन पक्ष की ओर से प्रस्तुत किए गए साक्ष्य के आलोक में विशेष न्यायालय (उत्पाद) ने ट्रायल का सामना कर शेष सभी 13 अभियुक्तों को दोषी पाते हुए सजा दी। फैसला सुनाते हुए द्वितीय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह विशेष न्यायाधीश (उत्पाद) लवकुश कुमार की अदालत ने खजुरबानी वार्ड नंबर 25 निवासी छठू पासी, कन्हैया पासी, नगीना पासी, लालबाबू पासी, राजेश पासी, सनोज पासी, संजय चौधरी, रंजय चौधरी और मुन्ना चौधरी को फांसी की सजा सुनाई। इसी मामले में लालझरी देवी, कैलाशो देवी, रीता देवी तथा इंदु देवी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई।

शराब में पाई गई थी मिथाइल- खजुरबानी मोहल्ले से भारी मात्रा में शराब बरामद होने के बाद उसे फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा गया। जांच में यह पाया गया कि शराब में मिथाइल है। इसके बाद पुलिस ने इसी आधार पर अदालत में आरोप पत्र समर्पित किया था।

सात लोगों की हुई गवाही- विशेष लोक अभियोजक (उत्पाद) रविभूषण श्रीवास्तव ने बताया कि ट्रायल के दौरान अभियोजन पक्ष से कुल सात गवाह प्रस्तुत किए गए। तमाम गवाहों के साक्ष्य के आधार पर अदालत ने नौ को फांसी और चार दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

19 की मौत के बाद जागा प्रशासन- 15 अगस्त 2116 की रात खजुरबानी मोहल्ले में जहरीली शराब पीने के बाद अचानक लोगों की तबीयत खराब होने लगी। 16 अगस्त की सुबह तक इनमें कुछ की मौत हो गई। शाम होते-होते 19 लोगों की मौत हो चुकी थी। इस घटना में छह लोगों की आंखों की रोशनी चली गई। इस कांड के बाद प्रशासन चौकस हुआ और वरीय अधिकारियों की सक्रियता बढ़ने के बाद खजुरबानी मोहल्ले में छापेमारी की गई। इस छापेमारी में शराब बरामदगी के बाद इस बात की पुष्टि हो गई कि इसी मोहल्ले में शराब के सेवन से लोगों की मौत हुई। 19 लोगों की मौत के मामले में नगर थाना में सदर इंस्पेक्टर निगम कुमार वर्मा के बयान पर 14 लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई। इसमें भी वही 14 लोग शामिल थे, जिनके विरुद्ध अवैध शराब के कारोबार में संलिप्तता का मुकदमा दर्ज किया गया था। 19 लोगों की मौत के मामले में विशेष न्यायालय में ट्रायल चल रहा था। इस संबंध में आरोपित पक्ष की ओर से हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई थी, जिसके बाद ट्रायल पर रोक लगा दी गई। शराब बरामदगी और वही शराब पीने से लोगों की मौत के मामले में जो दूसरा मुकदमा दर्ज कराया गया था, उसका ट्रायल चल रहा था। सजा इसी मामले में सुनाई गई।

दर्शकों के लिए मंच का अनुभव बेहतर बनाने ओटीटी उद्योग मंत्रालय के साथ भागीदारी करेगा : जावड़ेकर

नई दिल्ली, (संवाददाता)। सूचना एवं प्रसारण मंत्री प्रकाश जावडेकर ने उद्योग के प्रतिनिधियों से मुलाकात की और कहा कि दर्शकों के लिए मंच का अनुभव बेहतर बनाने की खातिर ओटीटी उद्योग, मंत्रालय के साथ भागीदारी करेगा। साथ ही उन्होंने कहा कि डिजिटल मीडिया के लिये नए नियमों को लेकर कुछ ओवर द टॉप (ओटीटी) मंचों की चिंताओं के बीच दिशानिर्देश किसी तरह के सेंसरशिप के बजाए विषय वस्तु का स्व-वर्गीकरण करने पर केंद्रित है। नेटफ्लिक्स, ऐमेजॉन प्राइम, हॉटस्टार और अल्ट बालाजी जैसे ओटीटी मंचों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक के बाद जावडेकर ने कहा कि उन्होंने सरकार के नए दिशानिर्देशों का स्वागत किया है।

सरकार ने 25 फरवरी को ओटीटी मंचों एवं डिजिटल समाचार मीडिया के लिए नए नियमों एवं दिशानिर्देशों को अधिसूचित किया था, जिसके तहत उन्हें अपना ब्योरा सार्वजनिक करना होगा और शिकायत निवारण व्यवस्था बनानी होगी। जावडेकर ने ट्वीट किया, ओटीटी उद्योग के प्रतिनिधियों के साथ सार्थक बैठक हुई और उन्हें ओटीटी नियम के प्रावधानों के बारे में जानकारी दी। सभी प्रतिनिधियों ने नए दिशानिदेर्शों का स्वागत किया। मंत्रालय और उद्योग मिलकर ओटीटी के अनुभव को सभी दर्शकों के लिए बेहतर बनाएंगे। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने एक बयान जारी कर कहा कि मंत्री ने अल्ट बालाजी, हॉटस्टार, ऐमेजॉन प्राइम, नेटफ्लिक्स, जियो, जी5, वायकॉम18, शेमारू और मैक्सप्लेयर सहित विभिन्न ओटीटी मंचों के प्रतिनिधियों के साथ बातचीत की। बयान में कहा गया कि उद्योग के प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि सरकार पहले ओटीटी मंच के प्रतिनिधियों के साथ कई दौर की वार्ता कर चुकी है और उन्होंने स्वनियमन की आवश्यकता पर बल दिया।

प्रधानमंत्री की बांग्लादेश यात्रा यादगार होगी : जयशंकर

ढाका, (एजेंसी)। भारत-बांग्लादेश के बीच संबंधों को 360 डिग्री की साझेदारी बताते हुए विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इसी माह प्रस्तावित ढाका यात्रा बहुत यादगार रहेगी। जयशंकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बांग्लादेश यात्रा से पहले एक दिवसीय यात्रा पर यहां पहुंचे। प्रधानमंत्री इस माह बांग्लादेश की आजादी की 50वीं वर्षगांठ और बांग्लादेश-भारत के बीच कूटनीतिक संबंधों की स्थापना के 50 साल पूरे होने के अवसर पर ढाका आने वाले हैं। बांग्लादेश के विदेश मंत्री एके अब्दुल मोमेन के साथ विस्तृत चर्चा के बाद जयशंकर ने कहा कि भारत की पड़ोसी पहले नीति में बांग्लादेश का प्रमुख स्थान है और भारत की एक्ट ईस्ट पॉलिसी में भी वह प्रासंगिक है। मोमेन के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए जयशंकर ने कहा हम प्रधानमंत्री मोदी की तय यात्रा की तैयारियों पर काम कर रहे हैं। यह बेशक बेहद यागदार यात्रा होगी। अगर मैं सही हूं तो कोरोना वायरस महामारी की शुरूआत के बाद से यह पीएम मोदी की पहली विदेश यात्रा और प्रधानमंत्री के रूप में दूसरी बांग्लादेश यात्रा होगी। प्रधानमंत्री मोदी के 26 मार्च को दो दिवसीय यात्रा पर ढाका आने

और विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लेने की संभावना है। जयशंकर ने माना कि बांग्लादेश के लोगों के लिए यह बहुत खास साल है। दोनों देश बांग्लादेश की आजादी के 50 साल पूरे होने और बांग्लादेश-भारत के द्विपक्षीय संबंधों के 50 साल होने पर मुजीब बर्षो मना रहे हैं।

जयशंकर ने कहा हमारे सभी सपने सच हों और मैं आपको आश्वासन देता हूं कि भारत एक सच्चे दोस्त की तरह हमेशा आपके साथ रहेगा। दोनों देशों के लोगों के बीच आपसी संपर्क के महत्व के संदर्भ में विदेश मंत्री ने ट्वीट किया हमारा संबंध इतना विस्तृत और हमारी आपसी समझ इतनी गहरी है कि हमारे बीच कोई पहलू अनछुआ नहीं है। यह वाकई 360 डिग्री वाला संबंध है। जयशंकर ने कहा हमारा संबंध हमारी रणनीति साझेदारी से बढ़कर है और मेरा मानना है कि हमारा संबंध शांतिपूर्ण, समृद्ध और प्रगतिशील दक्षिण एशिया के सपने को पूरा करने का महत्वपूर्ण कारक है।

उन्होंने कहा कि इस सपने को पूरा करने के लिए दोनों पक्षों ने संबंधों में महत्वपूर्ण प्रगति की है, विशेष रूप से प्रधानमंत्री मोदी के मई, 2014 में पदभार संभालने के बाद से। जयशंकर ने कहा कि बांग्लादेश के साथ भारत के संबंधों का महत्व इससे स्पष्ट होता है कि वह भारत की पड़ोसी पहले नीति के लिए प्राथमिकता और पूरब की ओर स्थित देशों के साथ संबंधों को प्रगाढ़ करने वाली एक्ट ईस्ट पॉलिसी में प्रासंगिक है। उन्होंने कहा हम बांग्लादेश को महत्वपूर्ण पड़ोसी और न सिर्फ दक्षिण एशिया बल्कि हिन्द-प्रशांत क्षेत्र के सीमावर्ती इलाकों में मूल्यवान साझेदार के रूप में देखते हैं। हमारे संबंधों का प्रत्येक परिणाम और उपलब्धि इस क्षेत्र को प्रभावित करती है। यह कोई राज की बात नहीं है कि हम दूसरों को ऐसा करने के लिए उदाहरण पेश करते हैं।

मुकेश अंबानी के घर के बाहर मिली संदिग्ध कार के मालिक का मिला शव

मुंबई, (एजेंसी)। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी के घर एंटीलिया के बाहर संदिग्ध कार मिलने के मामले में शुक्रवार को एक बड़ा मोड़ आया है। दरअसल शुक्रवार सुबह करीब साढ़े दस बजे अधिकारियों ने कलवा क्रीक पर एक शव बरामद किया है। यह उस स्कॉर्पियो के मालिक का शव है, जो एंटीलिया के बाहर संदिग्ध हालात में मिली थी। अधिकारियों ने कहा कि शव मनसुख हीरन का है। वह मुंबई से सटे ठाणे शहर के नौपाड़ा इलाके में रहते थे. पेशे से वह व्यापारी थे और क्लासिक मोटर्स के मालिक थे. अधिकारियों को शक है कि उन्होंने सुसाइड किया है। हालांकि, अभी इस मामले में कोई आधिकारिक बयान नहीं जारी किया गया है। बताया गया है कि मनसुख ठाणे के व्यापारी और क्लासिक मोटर्स की फ्रेंचाइजी चलाते

थे। वे गुरुवार को लापता हो गए थे और शुक्रवार को उनका शव मिला है। उधर महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री और विधानसभ में विरोधी पक्ष नेता देवेंद्र फडणवीस ने इस पूरे मामले की जांच एनआईए से कराने की मांग की है। गौरतलब हो कि हाल ही में मुकेश अंबानी के घर एंटीलिया से करीब 200 मीटर दूर एक संदिग्ध एसयूवी से जिलेटिन की 20 छड़ें मिलीं थीं। एसयूवी पर फर्जी नंबर प्लेट लगी थी। सीसीटीवी फुटेज की जांच में सामने आया कि एंटीलिया के बाहर कार 24 फरवरी की रात करीब 1 बजे पार्क की गई थी। इससे पहले ये कार 12:30 बजे रात को हाजी अली जंक्शन पहुंची थी और यहां करीब 10 मिनट तक खड़ी रही। बरामद कार मुंबई के विक्रोली इलाके से चुराई गई थी। इसका चेसिस नंबर बिगाड़ दिया गया है, लेकिन पुलिस ने कार के असली मालिक की पहचान कर ली थी। क्राइम ब्रांच के एक अधिकारी के मुताबिक, कार के मालिक मनसुख हिरेन ने बताया था कि 17 फरवरी की शाम को वे ठाणे से घर जा रहे थे। रास्ते में गाड़ी बंद हो गई। उन्हें जल्दी थी, इसलिए गाड़ी ऐरोली ब्रिज के पास सड़क के किनारे खड़ी कर दी। अगले दिन वे कार लेने गए तो वह नहीं मिली। उन्होंने इसकी शिकायत पुलिस से भी की थी।

सुशांत सिंह ड्रग केस : एनसीबी ने दाखिल की चार्जशीट

नई दिल्ली, (संवाददाता)। सुशांत सिंह राजपूत मौत मामले में ड्रग्स एंगल की जांच कर रही एनसीबी यानी नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने शुक्रवार को स्पेशल एनडीपीएस कोर्ट में 12000 पन्नों की चार्जशीट दाखिल की है। इस चार्जशीट में अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती समेत 33 लोगों को आरोपी बनाया गया है। साथ ही 200 लोगों को गवाह बनाया गया है। हार्ड कॉपी में यह चार्जशीट 12000 पन्नों की है, वहीं डिजिटल फॉर्मेट में यह 50000 पेज की है। बता दें कि 14 जून को सुशांत सिंह राजपूत ने कथित तौर पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी, जिसकी जांच सीबीआई, एनसीबी और ईडी तीनों केंद्रीय एजेंसियां कर रही हैं। सितंबर में की गई पहली गिरफ्तारी के आधार पर चार्जशीट यानी आरोप पत्र दाखिल करने के लिए के पास छह महीने का समय था। सुशांत सिंह मौत मामले में ईडी यानी प्रवर्तन निदेशालय द्वारा की गई जांच में रिया चक्रवर्ती, उसके भाई शोविक चक्रवर्ती और सुशांत सिंह राजपूत के कुछ कर्मचारियों के बीच निजी व्हाट्सएप चैट में ड्रग्स की बातचीत सामने आने के एनसीबी ने अगस्त में मामला दर्ज किया गया था और

फिर इस मामले में ड्रग्स एंगल से जांच शुरू कर दी थी। सुशांत सिंह राजपूत के लिए ड्रग्स की खरीद और आपूर्ति करने का आरोप लगाया गया है। अपनी 6 महीने की जांच में एजेंसी ने महाराष्ट्र में कई ठिकानों पर छापेमारी की और शहर में और बॉलीवुड के भीतर चल रहे ड्रग्स रैकेट का पदार्फाश किया था। एनसीबी ने ड्रग्स केस की जांच में दीपिका पादुकोण, सारा अली खान, रकुल प्रीत सिंह, श्रद्धा कपूर और अर्जुन रामपाल समेत कई सितारों से पूछताछ की थी। चार्जशीट के माध्यम से एजेंसी द्वारा इन सभी बयानों और अन्य निष्कर्षों को अदालत में प्रस्तुत किया गया है, जिसे अब सत्यापित किया जाएगा और फिर आरोपी को अदालत के सामने पेश होने के लिए कहा जाएगा। सुशांत सिंह मौत मामले में एम्स का पैनल ही बता चुका है कि एक्टर की मौत आत्महत्या थी, हत्या नहीं। एम्स पैनल का नेतृत्व करने वाले डॉ सुधीर गुप्ता ने कहा था कि सुशांत सिंह राजपूत की हत्या नहीं की गई थी, बल्कि यह आत्महत्या का केस है। सुशांत सिंह राजपूत के पोस्टमार्टम रिपोर्ट की जांच करने के बाद एम्स की टीम इस नतीजे पर पहुंची थी।

म्यांमार में सेना और पुलिस का खूनी खेल, 38 और लोगों को उतारा मौत के घाट

नेपिता। म्यांमार में लोकतंत्र की बहाली के लिए देश भर में आंदोलनों का दौर जारी है। पिछले महीने से सैन्य तख्तापलट के खिलाफ हो रहे विरोध प्रदर्शनों का सबसे हिंसक दिन रहा। शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन कर रहे लोगों के खिलाफ सेना और पुलिस की हिंसक कार्रवाई में 38 और लोगों की मौत हो गई है। तख्तापलट के बाद से अब तक लगभग 60 लोगों की मौत हो चुकी है। इसके अलावा सैकड़ों आंदोलनकारियों को जेलों में डाला गया है। प्रत्यक्षदर्शियों ने कहा कि पुलिस और सेना के जवानों ने चेतावनी देने के बाद प्रदर्शनकारियों पर सीधी फायरिंग शुरू कर दी। उधर, एक वकील ने कहा है कि म्यांमार की सेना ने अंतरराष्ट्रीय मीडिया एजेंसी के एक पत्रकार समेत मीडिया से जुड़े पांच अन्य लोगों के खिलाफ कानून के उल्लंघन करने का आरोप लगाया है। अगर आरोप साबित हो जाता है तो इन्हें तीन वर्ष तक की कैद हो सकती है।

लोगों की उम्मीदों को हिंसा से नहीं दबाया जा सकता

पोप फ्रांसिस ने बुधवार को कहा कि म्यांमार के लोगों की उम्मीदों को हिंसा से दबाया नहीं जा सकता। उन्होंने सेना से राजनीतिक बंदियों को रिहा करने की भी अपील की। वर्ष 2017 में म्यांमार का दौरा करने वाले ईसाई धर्मगुरु ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से भी दखल देने की गुहार लगाई। उन्होंने कहा, 'म्यांमार के युवा बेहतर भविष्य के हकदार हैं। जहां पर नफरत और घृणा का कोई स्थान नहीं हो।' पहले भी पोप फ्रांसिस म्यांमार की सेना से राजनीतिक बंदियों को रिहा करने की अपील कर चुके हैं।

व्हाइट हाउस बोला- चीन नहीं, अमेरिका तय करेगा अंतर्राष्ट्रीय एजेंडा

वाशिंगटन। बाइडन प्रशासन ने कहा है कि अमेरिका की विश्वसनीयता को बहाल करने और आगे की ओर जाने वाले वैश्विक नेतृत्व को पुनः स्थापित करने से, यह सुनिश्चित करेगा कि अमेरिका अंतर्राष्ट्रीय एजेंडा तय करेगा न कि चीन। कहा गया कि भारत जैसे देशों के साथ मिलकर विश्व स्तर पर अपने मानदंडों और समझौतों को आकार देने के लिए काम किया जाएगा। अपने हितों को आगे बढ़ाएं जाने और अपने मूल्यों को प्रतिबिंबित करने का काम किया जा रहा है। जारी किए गए बाइडन प्रशासन के अंतरिम राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीतिक मार्गदर्शन में यह टिप्पणी की गई। व्हाइट हाउस ने अपने अंतरिम राष्ट्रीय सुरक्षा गाइडेंस में कहा कि यह एजेंडा इसके स्थायी लाभों को मजबूत करेगा, और इसे चीन या किसी अन्य राष्ट्र के साथ रणनीतिक प्रतिस्पर्धा में प्रबल होने देगा। कहा गया कि अमेरिका के लिए लंबे समय तक चीन का मुकाबला करना सबसे प्रभावी तरीका है हमारे लोगों, हमारी अर्थव्यवस्था और हमारे लोकतंत्र में निवेश किया जाए। अमेरिका की विश्वसनीयता को बहाल करने और आगे की ओर वैश्विक नेतृत्व को पुनः स्थापित करने से, हम यह सुनिश्चित करेंगे कि अमेरिका अंतर्राष्ट्रीय एजेंडा सेट करेगा, चीन नहीं। बताया गया कि सहयोगियों और साझेदारों के हमारे अनूठे नेटवर्क को टक्कर देने और बचाव करने और स्मार्ट रक्षा निवेश करने से, हम अपनी सामूहिक सुरक्षा, समृद्धि और जीवन के लोकतांत्रिक तरीके से चीनी आक्रामकता और काउंटर खतरों का पता लगा लेंगे। कहा गया कि अमेरिका दुनिया भर में अपने गठबंधनों और साझेदारियों को मजबूत और आधुनिक बनाएगा।

आगे कहा गया कि हम भारत के साथ अपनी साझेदारी को गहरा करेंगे और साझा उद्देश्यों को आगे बढ़ाने के लिए न्यूजीलैंड के साथ-साथ सिंगापुर, वियतनाम, और दक्षिण पूर्व एशियाई देशों (आसियान) के अन्य राज्यों के साथ काम करेंगे। इतिहास और बलिदान के संबंधों को पहचानते हुए, हम प्रशांत द्वीप राज्यों के साथ अपनी साझेदारी को मजबूत करेंगे।

नीरा को लेकर बैकफुट पर बाइडनः मुश्किल भरा हो सकता है उनका राष्ट्रपति कार्यकाल

वाशिंगटन। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति जो बाइडन को सीनेट में अपनी ही पार्टी ने एक बड़ा झटका दिया है। सीनेट में डेमोक्रेटिक पार्टी में एकता को दिखाने और पार्टी के अंदर आतंरिक कलह से बचने के लिए व्हाइट हाउस ने मंगलवार को नीरा टंडन का नाम बजट निर्देशक के पद से वापस ले लिया है। अमेरिका की राजनीति में इसके क्या निहितार्थ होंगे। बाइडन प्रशासन के लिए यह क्या संकेत हैं। बाइडन प्रशासन के समक्ष चार वर्षों में अमेरिका की राजनीति में इसका क्या असर पड़ेगा। व्हाइट हाउस के इस फैसले के बाद आखिर क्यों गदगद हुए चीन और पाकिस्तान।

प्रो. हर्ष पंत का कहना है कि नीरा टंडन का बजट निर्देशक पद से नाम वापस लेना बाइडन प्रशासन के लिए शुभ नहीं है। उन्होंने कहा पार्टी के आंतरिक कलह को छिपाने के लिए व्हाइट हाउस ने यह फैसला लिया है। खासकर तब जब राष्ट्रपति बाइडन सीनेट में और अपनी डेमोक्रेटिक पार्टी के सीनेटरों से नीरा टंडन की वकालत करते रहे। प्रो. पंत का कहना है कि इससे एक बात तो साफ हो गई है कि बाइडन की अपनी डेमोक्रेटिक पार्टी में पकड़ ढीली है। उन्होंने कहा कि मसला नीरा टंडन के नाम वापसी का नहीं है। अभी बाइडन को चार वर्षों तक व्हाइट हाउस में रहना है।

कश्मीर पर अमेरिका का बयानः अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने जम्मू कश्मीर के विकास के लिए उठाए गए फैसलों का स्वागत किया

कहा-हम हालात पर नजर रख रहे

न्यूयॉर्क। अमेरिका ने जम्मू कश्मीर के विकास के लिए हो रहे फैसलों पर भारत सरकार की तारीफ की है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता नेड प्राइस ने डेली प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'हम लगातार जम्मू कश्मीर में हो रहे बदलाव पर नजर रखे हुए हैं। हमारी नीतियां नहीं बदली हैं। भारत के लोकतांत्रिक मूल्यों के अनुरूप केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में आर्थिक और सियासी हालात को पूरी तरह से सामान्य करने के लिए उठाए गए कदमों का हम स्वागत करते हैं।'

क्वाड के जरिए भारत से बातचीत हुईः प्राइस ने कहा, 'भारत और अमेरिका के रिश्ते काफी अच्छे हैं। विदेश मंत्री एंटोनी ब्लिंकेन को अपने भारतीय समकक्ष के साथ द्विपक्षीय रूप से और क्वाड के जरिए बात करने के अवसर मिले हैं। हम लगातार भारत के

संपर्क में हैं।' क्वाड भारत, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान का ग्रुप है, जिसका मकसद हिंद-प्रशांत को मुक्त क्षेत्र सुनिश्चित करना है।

दोनों देशों से अच्छे संबंध

प्राइस ने कहा, 'अमेरिका का भारत और पाकिस्तान दोनों के साथ भी महत्वपूर्ण संबंध है। हमारे विचार से ये संबंध कायम हैं।

जब अमेरिका की विदेश नीति की बात आती है तो यह एक का लाभ और दूसरे की हानि का विषय नहीं होता है। हमारे बीच लाभकारी और रचनात्मक संबंध हैं और ऐसे संबंधों में एक के साथ हमारे संबंधों से दूसरे की अहमियत कम नहीं होती।

इसमें एक के साथ हमारे संबंध दूसरे की कीमत पर नहीं होते।

कश्मीर मुद्दे पर दोनों देश सीधे बात करें

प्राइस ने आगे कश्मीर के मुद्दे पर भारत-पाक को आपस में बातचीत करने की बात कही।

उन्होंने कहा, 'जब भारत की बात आती है तो हमारे बीच वैश्विक व्यापक रणनीतिक साझेदारी है। जब पाकिस्तान की बात आती है तो इस बारे में मैंने पहले कहा था कि क्षेत्र में हमारे महत्वपूर्ण साझा हित हैं और इन साझा हितों पर हम पाकिस्तानी अधिकारियों के साथ मिलकर काम करना जारी रखेंगे। प्राइस ने कहा कि अमेरिका कश्मीर और अन्य मुद्दों पर भारत और पाकिस्तान के बीच सीधी बातचीत का समर्थन करता है।

अफगानिस्तान में 3 महिला पत्रकारों की हत्या

अज्ञात हमलावर ने अंधाधुंध गोलियां बरसाई, भारतीय सीरियल्स की अफगानिस्तानी डबिंग करती थीं तीनो पत्रकार

न्यूयॉर्क। अफगानिस्तान में तीन महिला पत्रकारों की गोली मार कर हत्या कर दी गई है। तीनों की हत्या दो अलग-अलग हमलों में हुई। ये महिलाएं एनिकास टीवी के लिए काम करती थीं।

चैनल के निदेशक जलमई लतीफी ने बताया कि तीनों प्रसिद्ध भारतीय नाटकों और सीरियल्स को अफगानिस्तान की स्थानीय भाषाओं में ट्रांसलेट और डब किया करती थीं।

चश्मदीदों के मुताबिक पहली घटना जलालाबाद की है जब सादिया और शहनाज नाम की महिला मीडियाकर्मी घर के बाहर टहल रही थीं उसी वक्त अज्ञात हमलावर ने उनके ऊपर गोलियों की बरसात कर दी।

दोनों महिला मीडियाकर्मियों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं दूसरी घटना भी इसी शहर की है जहां मीडियाकर्मी मुरसल हबीबी को गोली मार दी गई। बता दें कि एक महिला एक्टिविस्ट मलालाई मैवाड़ की 10 दिसंबर 2020 को उनके ड्राइवर के साथ गोलीमारकर हत्या कर दी गई थी।

वियतनाम में अनोखा मामला

12वीं मंजिल से फिसली बच्ची, ड्राइवर की गोद में गिरी, सिर्फ हल्की चोट आई

वियतनाम। वियतनाम में एक 2 साल की बच्ची इमारत की 12वीं मंजिल से गिर गई। लेकिन उसे नीचे खड़े एक डिलीवरी ड्राइवर ने लपक लिया, जिससे बच्ची की जान बच गई। बच्ची को मामूली चोट आई है और फिलहाल वह अस्पताल में है। जानकारी के मुताबिक, घटना के वक्त ड्राइवर नगुयेन नगोक माह (31) अपने ट्रक में बैठा था, तभी उसने एक बच्ची को बालकनी के कोने पर लटके हुए देखा।

यह देख वह उसे पकड़ने के लिए गाड़ी से निकल आया। जैसे ही बच्ची का हाथ फिसला और वह नीचे की तरफ आई, तो ड्राइवर ने उसे लपक लिया। ड्राइवर ने बताया कि खुशकिस्मती से बच्ची मेरी गोद में आकर गिरी। मैं खुश हूं वो बच गई।

एलन मस्क की फ्लाइट में शामिल होने का मौका

8 यात्रियों को चांद पर फ्री में ले जाएंगे जापानी अरबपति युसाकू मेजावा

टोक्यो। एलन मस्क की 2023 में चांद पर जानी वाली स्पेसएक्स फ्लाइट के लिए जापान के अरबपति युसाकू मेजावा ने आम लोगों से नाम मांगे हैं। बकौल युसाकू, उन्होंने फ्लाइट की 8 सीटें खरीद लीं हैं, जिसमें वह चुने हुए लोगों को साथ ले जाना चाहते हैं। जापान के फैशन टायकून युसाकू ने सोशल मीडिया पर एक लिंक भी शेयर किया है, जिसमें आवेदन की तमाम जानकारियां हैं। उन्होंने कहा है- 'मैं चाहता हूं कि सभी प्रकार के बैकग्राउंड से लोग इस ट्रिप का हिस्सा बनें।' युसाकू ने कहा है कि वे सभी लोगों की यात्रा के लिए भुगतान करेंगे। युसाकू के मुताबिक, 'आवेदकों को दो मानदंड पूरे करने होंगे। वे जिस काम में भी हैं, उसे इस तरह आगे बढ़ाना होगा जिससे समाज और दूसरे लोगों की मदद हो सके।

साथ ही उन्हें अन्य सदस्यों का भी समर्थन करना होगा, जो समान आकांक्षाओं को रखते हैं।' बता दें 2018 में युसाकू ने घोषणा की थी कि वे टिकट खरीदने वाले पहले प्राइवेट पैसेंजर हैं। हालांकि उन्होंने कितना भुगतान किया, ये नहीं बताया।

हवाई सेनाओं का भविष्य

ऑस्ट्रेलिया में बिना क्रू वाले फाइटर जेट की सफल टेस्टिंग, बोइंग ने बनाया है 'लॉयल विंगमैन'

वाशिंगटन। रॉयल ऑस्ट्रेलियन एयर फोर्स के साथ मिलकर बोइंग ने बिना क्रू वाले लड़ाकू विमान 'लॉयल विंगमैन' की पहली टेस्ट फ्लाइट सफलतापूर्वक पूरी कर ली है। इसे विमान को ऐसी लड़ाई के लिए डिजाइन किया गया है जिसमें वह दूसरे पायलट वाले विमानों के साथ मिलकर लड़ सकें।

परीक्षण के दौरान एक ग्राउंड कंट्रोल स्टेशन से एक पायलट ने उड़ान की निगरानी की और विमान को अलग अलग गति और ऊंचाई पर उड़ाया। परीक्षण इसलिए भी खास है क्योंकि बीते लगभग 50 सालों में यह ऑस्ट्रेलिया में डिजाइन और निर्मित पहला सैन्य विमान है।

इस सफल परीक्षण से बोइंग ने इस साल ऐसे विमानों के और परीक्षण करने तय किया है। इसमें लगे सेंसर और कई तरह के बम-मिसाइलों का परीक्षण अभी किया जाना है। बोइंग डिफेंस के प्रेसिडेंट लीन कैरेट ने एक बयान में कहा कि ऑस्ट्रेलियन एयरफोर्स के साथ मिलकर बोइंग ने पूरी तरह से स्वचालित विमान का सफल परीक्षण किया है।

इस विमान के सफल परीक्षण के बाद माना जा रहा है कि आने वाले समय में लड़ाकू विमानों का बाजार बदलेगा। साथ ही दूसरे

देशों की वायुसेनाएं भी भविष्य को ध्यान में रखकर लड़ाकू विमान चुनेंगी।

इमरान सरकार को झटकाः पाक वित्त मंत्री अब्दुल हफीज सीनेट चुनाव में पूर्व पीएम गिलानी से हारे; इमरान ने खुद हफीज के लिए वोट मांगे थे

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की इमरान सरकार को सीनेट इलेक्शन में करारा झटका लगा है। उनके वित्त मंत्री अब्दुल हफीज शेख को पूर्व प्रधानमंत्री युसुफ रजा गिलानी के हाथों शिकस्त झेलनी पड़ी। शेख के लिए खुद प्रधानमंत्री इमरान खान ने वोट मांगे थे। हालांकि पाकिस्तान की सत्ताधारी पार्टी तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी ने दावा किया था कि उसे 182 सदस्यों का समर्थन मिला, जबकि सीनेटर का चुनाव करने के लिए 172 वोटों की जरूरत थी।

पाकिस्तान के चुनाव आयोग ने बताया कि युसुफ रजा गिलानी को 169 वोट मिले, जबकि शेख को 164 वोट से संतोष करना पड़ा। 7 वोट अयोग्य घोषित कर दिए गए। कुल वोटों की संख्या 340 थी।

गिलानी को पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेंट का समर्थन मिला हुआ था। पीडीएम पाकिस्तान की 11 विपक्षी पार्टियों का गठबंधन है, जिसमें पाकिस्तान मुस्लिम लीग (नवाज) और पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी भी शामिल है। दिलचस्प बात यह भी है कि शेख 2008 से 2012 तक प्रधानमंत्री गिलानी सरकार में कैबिनेट मिनिस्टर भी रह चुके हैं।

सरकार के प्रवक्ता शाहबाज गिल ने बताया कि विपक्ष सिर्फ 5 वोटों से जीतने में कामयाब हो सका। ऐसा इसलिए संभव हुआ क्योंकि 7 वोटों को अयोग्य करार दे दिया गया। उन्होंने चुनाव को चैलेंज करने का ऐलान किया। रूलिंग पार्टी की एक अन्य उम्मीदवार फोजिया अरशद 174 वोटों के साथ सीनेट इलेक्शन जीतने में कामयाब हुईं। उन्होंने पीडीएम सपोर्टेड उम्मीदवार फरजाना कौसर (161) को हराया। 5 वोट रिजेक्ट कर दिए गए। पाकिस्तान में बुधवार को देश की संसद के अपर हाउस के 37 सीटों के लिए सीनेट चुनाव कराए गए। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, सिंध, खैबर पख्तूनख्वा, बलूचिस्तान और इस्लामाबाद की 37 सीनेट सीटों के लिए 78 उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा।

कोरोना दुनिया मेंः अमेरिका से भी ज्यादा मरीज अब ब्राजील में मिल रहे; स्पेन में मरने वालों का आंकड़ा 70 हजार के पार

ब्राजील। दुनिया में कोरोना मरीजों का आंकड़ा 11.57 करोड़ से ज्यादा हो गया। 9 करोड़ 14 लाख से ज्यादा लोग ठीक हो चुके हैं। अब तक 25 लाख 70 हजार से ज्यादा लोग जान गंवा चुके हैं। ये आंकड़े www.worldometers.info/coronavirus के मुताबिक हैं।

इस बीच, नए आंकड़े हैरान करने वाले हैं। अमेरिका के बाद अब ब्राजील में दुनिया के सबसे ज्यादा कोरोना मरीज मिल रहे हैं। यहां हर दिन करीब 70 से 80 हजार संक्रमितों की पहचान हो रही है। अमेरिका के आंकड़ों में जबरदस्त गिरावट हुई है। यहां अब हर दिन औसतन 60 से 80 हजार संक्रमित मिल रहे हैं। जनवरी तक यह आंकड़ा एक लाख से ज्यादा हुआ करता था।

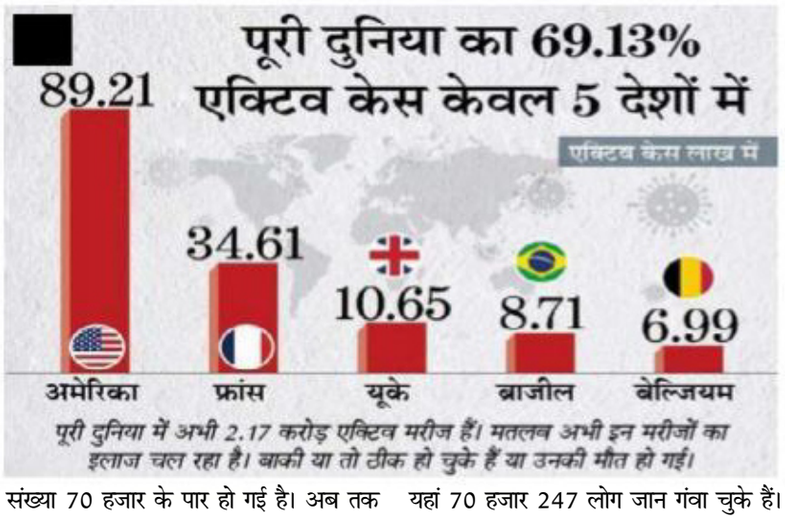

स्पेन में संक्रमण से जान गंवाने वालों की संख्या 70 हजार के पार हो गई है। अब तक यहां 70 हजार 247 लोग जान गंवा चुके हैं। स्पेन दुनिया का 10वां देश है, जहां सबसे ज्यादा मौतें हुई हैं।

दुनिया में अब तक 12 वैक्सीन, 90 के चल रहे ट्रायल

दुनिया में अब तक 12 वैक्सीन को इमरजेंसी यूज के लिए मंजूरी मिल चुकी है। इनमें भारत बायोटेक की कोवैक्सिन और सीरम इंस्टीट्यूट की कोवीशील्ड भी शामिल है। इसके अलावा 90 वैक्सीन ऐसी हैं, जिनका ट्रायल चल रहा है। इनमें 28 वैक्सीन फेज-1, 40 फेज-2 और 3 वैक्सीन ऐसी हैं जो फेज-3 के ट्रायल में हैं। पूरी दुनिया में अब तक 26.86 करोड़ से ज्यादा लोगों को कोरोना का टीका लगाया जा चुका है।

UN ने अफ्रीका को 10 लाख डोज वैक्सीन भेजी

यूनाइटेड नेशंस ने अफ्रीका को कोवैक्स की 10 लाख डोज मदद के तौर पर भेजी है। ह ने बताया कि गरीब देशों की मदद के लिए हर किसी को आगे आना पड़ेगा, तभी इस बीमारी को दूर भगाया जा सकता है। वहीं, कनाडा सरकार ने 5 लाख डोज की मदद मिलने प भारत सरकार को शुक्रिया कहा है। कनाडा सरकार ने सूचना जारी कर बताया कि भारत की तरफ से उन्हें कोरोना वैक्सीन का 5 लाख डोज मिल गया है।

फ्रांस में फिर से कोरोना की रफ्तार तेज हो गई है। पिछले 24 घंटे में यहां 26 हजार 788 नए मरीजों की पहचान हुई।अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा है कि मई तक देश में इतनी वैक्सीन मौजूद होंगी कि हर वयस्क को वैक्सीनेट किया जा सकेगा। बाइडेन का यह बयान इस लिहाज से खास हो जाता है कि कुछ दिन पहले हेल्थ मिनिस्ट्री ने इसके लिए अगस्त तक का वक्त तय किया था। सीडीसी ने भी माना था कि अगस्त के पहले तक सभी वयस्कों को वैक्सीनेट कर पाना मुश्किल होगा।

ऑस्ट्रिया के चांसलर सेबेस्टियन कुर्ज ने साफ कर दिया है कि यूरोपीय देशों में वैक्सीनेशन की रफ्तार काफी धीमी है और इसकी वजह से खतरा बढ़ रहा है। अब इस समस्या से निपटने के लिए डेमार्क और ऑस्ट्रिया ने इजराइल की मदद लेने का फैसला किया है। यूरोप में अब तक सिर्फ 7.5त्न आबादी को वैक्सीनेट किया जा सका है। इजराइल में यह आंकड़ा 52त्न जबकि ब्रिटेन में 31त्न है। यही वजह है कि यूरोप के कुछ देश इजराइल का मॉडल अपनाने पर फोकस कर रहे हैं। इजराइल सरकार ने भी भरोसा दिलाया है कि वो इन देशों की हर मुमकिन मदद करेगी।

ऑनलाइन पैथ लैब नियंत्रित करने को लेकर उठाएं कदम, नहीं होगी अवमानना की कार्रवाई : हाई कोर्ट

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में अवैध तरीके से संचालित हो रहे ऑनलाइन पैथोलॉजी लैब को लेकर दिल्ली हाई कोर्ट ने दिल्ली सरकार को आड़े हाथ लिया। एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति नज्मी वजीरी की पीठ ने दो टूक कहा कि या तो ऑनलाइन पैथ लैब को नियंत्रित करने को लेकर न्यायिक आदेशों का अनुपालन सुनिश्चित करें या फिर अवमानना की कार्रवाई के लिए तैयार रहें। पीठ ने सुनवाई के दौरान अहम सवाल उठाते हुए पूछा कि प्रक्रिया में कुछ तो मौलिक रूप से गलत है। पीठ ने यह भी पूछा कि क्या सरकारी की सभी लैब नेशनल एक्रिडेशन बोर्ड फार टेस्टिंग एंड कैलिब्रेशन लैब्रोटरीज (एनएबीएल) से मान्यता प्राप्त है या नहीं। पीठ ने कहा कि यह एक मौलिक सवाल है। अधिवक्ता शशांक देव सुधी के माध्यम से याचिकाकर्ता रोहित जैन ने याचिका दायर कर कहा कि बिना मान्यता के लिए ऑनलाइन पैथ लैब चल रही है और कोविड-19 की जांच कर रही हैं। उन्होंने इस संबंध में दिल्ली हाई कोर्ट के छह अगस्त 2020 के आदेश का अनुपालन नहीं करने का याचिका में आरोप लगाते हुए यह जानकारी मांगी है कि क्या पैथ लैब और अस्पताल एनएबीएल से मान्यता प्राप्त हैं या नहीं। सुनवाई के दौरान दिल्ली सरकार की तरफ से पेश हुए स्टैंडिंग काउंसल संजय घोष ने पीठ को बताया कि सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश का अनुपालन करने के संबंध में सभी लैब को नोटिस जारी किया है। सुप्रीम कोर्ट ने आठ अप्रैल 2020 को कोविड-19 की जांच एनएबीएल द्वारा मान्यता प्राप्त पैथ लैब या फिर विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) या भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आइसीएमआर) से स्वीकृत एजेंसी द्वारा ही किया जाना चाहिए। पीठ ने सुनवाई के बाद दिल्ली सरकार के अधिवक्ता को इस बाबत निर्देश लेने का समय देते हुए सुनवाई 12 मार्च तक के लिए स्थगित कर दी।

नहीं रुक रहा कांग्रेस का पतन, तेजी से घट रहा जनाधार

सिर्फ चौहान बांगर में ही 9,715 वोट ज्यादा मिले हैं। इससे यह कहा जा सकता है कि अभी भी दिल्ली की जमीन पर कांग्रेस बिखरी हुई है। कांग्रेस का यह दावा भी गलत है कि उसने अल्पसंख्यकों का दिल जीत लिया है।

नई दिल्ली (एजेंसी)।

दिल्ली नगर निगम के पांच वार्ड के उपचुनाव में सिर्फ एक सीट पर जीत दर्ज कर भले ही दिल्ली कांग्रेस खुशी जाहिर कर रही हो, लेकिन सच्चाई तो यही है कि कांग्रेस का जनाधार लगातार सिमट रहा है। चुनाव दर चुनाव तेजी से कांग्रेस को मिलने वाले कुल मत फीसद में कमी आ रही है। आलम यह है कि चौहान बांगर वार्ड की जिस जीत को पार्टी अपना बता रही है, वह भी उसकी नहीं, बल्कि वहां के पूर्व विधायक मतीन अहमद की मेहनत तथा स्थानीय समीकरणों की उपज है। राजनीतिक जानकारों की मानें तो मुस्लिम बहुल इस वार्ड के मतदाता उसी पार्टी के साथ खड़े हुए दिखाई देते हैं, जो भाजपा को हराने की क्षमता रखती हो। वोट भी इसी के अनुसार करते हैं। 2019 के लोकसभा चुनाव में यह क्षमता उन्हें कांग्रेस में दिखी तो एकतरफा कांग्रेस के साथ चले गए, जबकि विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी के साथ खड़े नजर आए। इस बार फिर मतदाता कांग्रेस के साथ आ गए। पीछे मुड़कर देखें तो 2016 में 13 वार्डों के उपचुनाव में कांग्रेस को 28.47 फीसद वोट मिले थे, जबकि इस उपचुनाव में कांग्रेस को करीब 22 फीसद वोट मिले हैं। यानी करीब छह फीसद कम वोट मिले हैं। ऐसे में तुलनात्मक रूप से देखें तो कांग्रेस का नुकसान ही हुआ है। यही नहीं, 2017 के निगम चुनाव से इन पांचों वार्डों की ही तुलना करें, तो शालीमार बाग में कांग्रेस को 911 वोट कम मिले, रोहिणी सी में 397 वोट कम मिले, त्रिलोकपुरी में 1,482 वोट और कल्याणपुरी में 2,682 वोट कम मिले। सिर्फ चौहान बांगर में ही 9,715 वोट ज्यादा मिले हैं। इससे यह कहा जा सकता है कि अभी भी दिल्ली की जमीन पर कांग्रेस बिखरी हुई है। कांग्रेस का यह दावा भी गलत है कि उसने अल्पसंख्यकों का दिल जीत लिया है। एक साल पहले ही हुए विधानसभा चुनाव में दिल्ली के ज्यादातर मुस्लिम मतदाता कांग्रेस को नकार कर आम आदमी पार्टी के साथ खड़े हो गए थे। विडंबना यह कि केवल अल्पसंख्यकों के साथ खड़े दिखने की चाहत में कांग्रेस ने बहुसंख्यक मतदाताओं को भी दूर कर लिया है।

लव की मौत, कुश के बदले मांगे पौने दो लाख रुपये; अदालत नाराज

नई दिल्ली। लव-कुश नाम के गोल्डन रिट्रीवर नस्ल के दो पालतु कुत्तों के साथ क्रूरता का आरोप लगाते हुए गैर सरकारी संगठन पीपुल फार एनिमल्स (पीएफए) के कर्मियों द्वारा जबरन उन्हें अपने साथ ले जाने के मामले में शुक्रवार को पटियाला हाउस कोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान केस के जांच अधिकारी ने अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश अनिल अंतिल को बताया कि जब कुत्तों को लेने गए तो पता चला कि एक कुत्ते (लव) की मौत हो गई है। जबकि दूसरे को वापस करने के बदले पीएफए कर्मी एक लाख 76 हजार रुपये मांग रहे हैं। इस पर अदालत ने बेहद नाराजगी जताते हुए कहा कि यह ठीक नहीं है।

अदालत ने आदेश दिया कि पुलिस बल मौके पर जाए और दूसरे कुत्ते को लेकर आए। दोपहर बाद फिर से इस मामले में सुनवाई हुई। इस दौरान अदालत ने आदेश दिया कि मृतक कुत्ते का पोस्टमार्टम कराया जाए। साथ ही दूसरे कुत्ते की मेडिकल जांच कराकर उसके मालिक के सुपुर्द किया जाए। इसके साथ ही पुलिस को आदेश दिया कि 8 मार्च को इस मामले की स्थिति रिपोर्ट अदालत में दाखिल करें।

अदालत ने 25 फरवरी को आदेश दिया था कि लव-कुश को वापस उनके घर पहुंचाया जाए और उनका किस तरह से ध्यान रखा जा रहा है, इसकी रिपोर्ट केस खत्म होने तक माह में दो बार अदालत में दाखिल करें। लेकिन पीएफए ने इस आदेश को मानने से इन्कार कर दिया और इसके कारण लव-कुश अपने घर नहीं पहुंच सके। इसके बाद तीन मार्च को इस मामले में अवमानना याचिका दायर की गई। जिस पर चार मार्च को हुई सुनवाई में डीसीपी सेंट्रल को आदेश हुआ कि शुक्रवार तक जवाब दाखिल करें कि आखिर अदालत के आदेशों का पालन क्यों नहीं कराया गया। फिरोजशाह रोड निवासी कारोबारी आनंद कुमार ने अधिवक्ता तरुण राणा और रोहिन ओजा के मार्फत पटियाला हाउस कोर्ट में पीएफए के खिलाफ केस दायर किया था।

पीएफए कर्मी 30 जनवरी को लव और कुश को अपने साथ ले गए थे। उनका आरोप था कि दोनों का ध्यान नहीं रखा जा रहा है। पालतु एक वायरस से पीड़ित हैं और यह जानवरों के डॉक्टर की रिपोर्ट से पता चला है। जबकि आनंद कुमार का कहना था कि वे लव-कुश को बेहद प्यार से रखते हैं। उनके लिए 400 वर्ग फुट का एक कमरा अलग से है और देखभाल के लिए एक नौकर भी है। पुलिस ने भी अदालत में दायर अपनी रिपोर्ट में कहा था कि आनंद कुमार कानूनी तौर पर लव-कुश के मालिक हैं। इन सब पहलुओं को ध्यान में रखते हुए अदालत ने कुमार को लव-कुश सौंपने के लिए कहा था। अदालत के आदेश लागू करवाने के लिए बाराखंभा थाना पुलिस जब 26 फरवरी को राजा गार्डन स्थित पीएफए के संजय गांधी एनिमल केयर सेंटर से लव-कुश को लाने के लिए गई, तो वहां के कर्मचारियों ने आदेश मानने से इन्कार कर दिया।

किसान आंदोलन के समर्थन में एक भाजपा सांसद देने वाला है इस्तीफा सामने आया राकेश टिकैत का चौंकाने वाला बयान

नई दिल्ली। भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत के एक बयान ने भारतीय राजनीति में हलचल मचा दी है, खासकर भारतीय जनता पार्टी में। राकेश टिकैत ने अपने ताजा बयान में कहा है कि जल्द ही भारतीय जनता पार्टी के एक सांसद इस्तीफा देने वाले हैं। गाजीपुर बॉर्डर पर किसानों के धरना-प्रदर्शन में शामिल राकेश टिकैत ने कहा है कि किसानों के धरने के समर्थन में और किसानों की समस्या के मद्देनजर जल्द ही भारतीय जनता पार्टी के एक सांसद इस्तीफा देने वाले हैं। उन्होंने यह भी कहा है कि भाजपा सांसद जल्द ही इस्तीफा देकर यूपी गेट आएंगे और हमारे साथ धरना-प्रदर्शन में शिरकत करेंगे। इसके साथ ही गाजीपुर बॉर्डर पर धरने पर जुटे लोगों का किसान नेता राकेश टिकैत ने धन्यवाद भी किया और कहा कि धरने ने सभी को प्रोत्साहित किया है। इस मौके पर किसानों को संबोधित करते हुए राकेश टिकैत ने कहा है कि सबसे बड़ी मंडी संसद है। सभी कानून यहीं

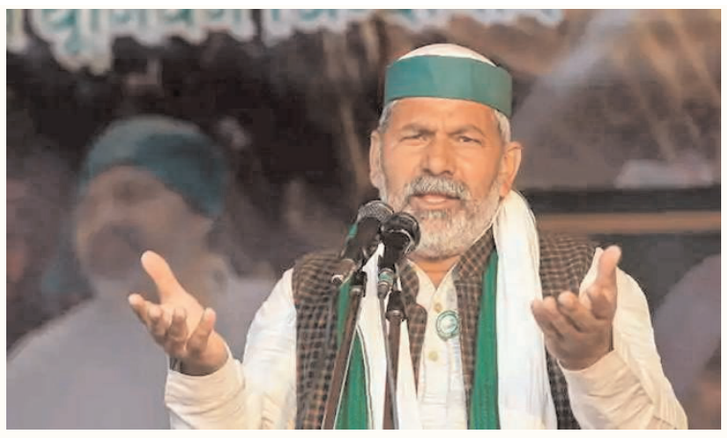

बनते हैं। इसलिए प्रदर्शनकारियों को संसद ही जाना होगा। बता दें कि तीनों केंद्रीय कृषि कानूनों को रद करने की मांग को लेकर पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश समेत कई राज्यों के किसानों का आंदोलन 100 दिन से अधिक पूरे कर चुका है। इस बीच दिल्ली-एनसीआर के चारों बॉर्डर (सिंघु, टीकरी, गाजीपुर और शाहजहांपुर) पर किसानों का धरना प्रदर्शन शुक्रवार को भी जारी है। यहां पर हजारों की संख्या में किसान धरना दे रहे हैं। वहीं, कृषि कानून विरोधी आंदोलन के समर्थन में बृहस्पतिवार दोपहर जेएनयू के 25-30 वामपंथी छात्र-छात्राएं अचानक मुनिरका गांव पहुंच गए। वे ढपली बजाकर पर्चे बांटते व नारे लगाते हुए लोगों को कृषि कानून विरोधी आंदोलन का समर्थन करने की अपील करने लगे जिसका गांव के लोगों व अन्य भाजपा नेताओं ने विरोध किया। भाजपा के आरके पुरम विधानसभा क्षेत्र प्रभारी आनंद सिंह, भाजपा कार्यकर्ता विकास मुद्गल आदि ने छात्रों से प्रदर्शन संबंधी पुलिस का अनुमति पत्र मांगा तो वे लोग नहीं दिखा पाए। ग्रामीण उन्हें जेएनयू के गेट तक छोड़कर आए। उधर, केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र तोमर ने एक बार फिर नए कृषि कानूनों के समर्थन में अपनी बात रखी है। उन्होंने कहा है कि इन कानूनों से किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। उन्होंने यह भी कहा कि कृषि, देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। इसे और मजबूती देने के लिए किसानों की आमदनी बढ़ाना जरूरी है।

प्रतिभा निखारने को दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रों को देगा मातृभाषा में अध्ययन की सुविधा

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) से स्नातक और स्नातकोत्तर की शिक्षा ग्रहण कर रहे छात्रों को अब मातृभाषा में अध्ययन करने की सुविधा मिलेगी। भाषा का बैरियर तोड़ने के लिए विश्वविद्यालय ने सभी पाठ्य पुस्तकों का अनुवाद क्षेत्रीय भाषा में कराने का निर्णय लिया है। इस योजना को अमलीजामा पहनाने के लिए डीयू ने एक उच्च स्तरीय कमेटी गठित की है। डीन आफ कालेज प्रो बलराम पाणि ने बताया कि स्नातक, स्नातकोत्तर के भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, गणित, जीव विज्ञान समेत अन्य पाठ्यक्रमों की किताबों का हिंदी, बंगाली, तमिल सहित अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में अनुवाद होगा। सभी विभागाध्यक्षों को पाठ्यक्रमों की 10 उत्कृष्ट किताबों के नाम की सूची तैयार करने के लिए कहा गया है। एक बार सूची प्राप्त होने के बाद शोधकर्ताओं, अनुवादकों के जरिये अनुवाद कराने की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी।

विश्वविद्यालयों में दाखिले की राह आसान कर रहे छात्र, जरूरतमंद छात्रों को नि : शुल्क दे रहे शिक्षा

नई दिल्ली। कौन कहता है कि आसमां में सुराख नहीं हो सकता...एक पत्थर से तबियत से उछालो यारों...। इस कहावत को चरितार्थ किया है जामिया मिल्लिया इस्लामिया के विधि संकाय के छात्र रागिब नौशाद ने। जिन्होंने अपने सहयोगी छात्रों के साथ मिलकर कोरोना काल में एक ऐसी शुरूआत कर दी जो जरूरतमंद छात्रों की जिंदगी को रोशन कर रही है। रागिब व उनके सहपाठी जरूरतमंद छात्रों को जामिया मिल्लिया इस्लामिया व अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में विधि संकाय में प्रवेश परीक्षा की तैयारी करवा रहे हैं। उनकी इस तरह की मदद से ऐसे छात्रों को काफी सहायता मिल रही है। जो छात्र इन जगहों पर एडमिशन लेना चाहते हैं उनको रागिब और उनके सहयोगी तैयारी करने में पूरी मदद कर रहे हैं। उनको प्रवेश परीक्षा पास करने की टिप्स दी जा रही है।

इसके अलावा अन्य चीजों के बारे में भी विस्तार से बताया जा रहा है जिससे उनको किसी तरह की समस्या न होने पाएं। रागिब नौशाद जामिया विवि से कानून की पढ़ाई कर रहे हैं। बताते हैं कि मौलाना आजाद फ्री एजुकेशनल सेंटर की शुरुआत वर्ष 2020 में की गई थी। जिससे लॉ प्रवेश परीक्षा की तैयारी कर रहे आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों की मदद की जा सके। पहले वर्ष में ही 2020 के बैच के 28 छात्रों को बीए एलएलबी के पांच वर्षीय कानूनी पाठ्यक्रम में चयन हुआ था। इसमें रैंक 2, 4, 11 और 12 पर रहे टॉप विद्यार्थी इसी संस्थान से थे।

वहीं, जामिया मिलिया इस्लामिया में 70 से अधिक छात्रों को विभिन्न अन्य पाठ्यक्रमों में चुना गया था। बकौल रागिब मौलाना आजाद में निश्शुल्क कोचिंग सुविधा दी जाती है। यदि कोई जरूरतमंद छात्र प्रवेश परीक्षा की तैयारी के लिए कोचिंग करना चाहता है तो वो संस्थान की वेबसाइट पर जाकर आवेदन कर सकता है। आवेदन के पश्चात एक परीक्षा देनी होगी, जिसके बाद कोचिंग पढ़ाया जाएगा। बकौल रागिब जामिया विधि संकाय के कई छात्र इस मुहिम का हिस्सा है।

अधूरे प्रोजेक्ट पूरे करने में हुडको ने भी दिखाई रुचि, सुप्रीम कोर्ट में होगी सुनवाई

नई दिल्ली। आम्रपाली मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट को बताया गया कि आम्रपाली के छह अधूरे पड़े प्रोजेक्ट के लिए एसबीआइ कैपिटल फंड 625 करोड़ रुपये की रकम जारी करने जा रहा है। इससे आम्रपाली प्रोजेक्ट के ग्राहकों को अपने घर का सपना पूरा उम्मीद फिर जगी है। जस्टिस यूयू ललित की अध्यक्षता वाली पीठ आम्रपाली मामले की सुनवाई कर रही है। नोएडा और ग्रेटर नोएडा में के इन प्रोजेक्ट में ग्राहकों को जब समय पर घर नहीं मिले तो उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की। बृहस्पतिवार को इस मामले में सुनवाई के दौरान कोर्ट को बताया गया कि हुडको ने भी आम्रपाली प्रोजेक्ट में फंडिंग के लिए इच्छा जताई है। कोर्ट ने ग्राहकों के वकील एमएल लाहोटी और नोएडा, ग्रेटर नोएडा के अधिकारियों से इस मामले में शुक्रवार सुबह तक जवाब मांगा है। इसके साथ पीठ ने आर्थिक अपराध शाखा द्वारा आम्रपाली मामले

इस मामले में शुक्रवार को भी कोर्ट में सुनवाई होगी। इससे पूर्व सुनवाई के दौरान लाहोटी ने पीठ को बताया कि सुप्रीम कोर्ट ने एक सितंबर के आदेश में चार हफ्ते में रकम मुहैया कराने को कहा था।

से जुड़ी सभी एफआइआर दिल्ली पुलिस को सौंपने के लिए दायर अर्जी खारिज कर दी। कोर्ट ने स्ष्ट किया कि वसूली से संबंधित अन्य मामले इसी अदालत में चलेंगे। इस मामले में शुक्रवार को भी कोर्ट में सुनवाई होगी। इससे पूर्व सुनवाई के दौरान लाहोटी ने पीठ को बताया कि सुप्रीम कोर्ट ने एक सितंबर के आदेश में चार हफ्ते में रकम मुहैया कराने को कहा था। लेकिन अभी तक न तो रकम मुहैया कराई गई और न ही उस बारे में कोई जानकारी दी गई। इस पर कोर्ट के रिसीवर ने पीठ को बताया कि एसबीआई कैपिटल फंड ने 625 करोड़ रुपये जारी करने के मामले में औपचारिकताएं पूरी कर ली हैं। अगले हफ्ते तक यह रकम जारी हो जाएगी। हुडको ने भी आम्रपाली प्रोजेक्ट के लिए वित्तीय सहायता देने पर सहमति दिखाई है लेकिन कुछ स्पष्टीकरण मांग रही है। लाहोटी ने एनबीसीसी की फ्लैट डिलिवरी की टाइमलाइन के बारे में भी सवाल उठाया और कहा कि जो तयशुदा टाइमलाइन थी उसके तहत जनवरी 2021 में एनबीसीसी को 145 फ्लैट तैयार कर सौंपने थे। इसी तरह फरवरी में 121 और फ्लैट तैयार करने थे। सात सितंबर 2020 के आदेश के मुताबिक एनबीसीसी ने 230 फ्लैट तैयार किए थे। ऐसे में कोर्ट रिसीवर को निर्देश दिया जाए कि वे बताएं कि ग्राहकों के कितने पैसे आए और कितने फ्लैट सौंपे गए।

नहीं रुक रहा है पालीथिन का इस्तेमाल, छावनी परिषद को लक्ष्य पूरा करने में नहीं मिल रही सफलता

पश्चिमी दिल्ली। वर्ष 2022 तक दिल्ली छावनी परिषद को सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त बनाने के लक्ष्य की दिशा में फिलहाल कोई खास सफलता नहीं मिली है। चाहे सब्जी मंडी हो या खाद्य सामग्री व घरेलू सामान से जुड़ी अन्य दुकानें, रेहड़ी यानी हर जगह सिंगल यूज प्लास्टिक का धड़ल्ले से इस्तेमाल हो रहा है। सदर बाजार सब्जी मंडी में विक्रेताओं ने बताया कि लाकडाउन से पहले पालीथिन के प्रयोग पर दिल्ली छावनी परिषद ने काफी सख्ती दिखाई थी। कई विक्रेताओं के पांच-पांच हजार रुपये का चालान भी हुए थे और लोगों में भी धीरे-धीरे घरों से कपड़े व जूट का थैला लाने की आदत विकसित हो रही थी, पर अब पालीथिन के इस्तेमाल पर कोई मनाही नहीं है। हालांकि 51 माइक्रोन की पालीथिन का प्रयोग कर सकते है, लेकिन उनका दाम अधिक होने के कारण सभी उसके प्रयोग से बचते है। जमीनी स्थिति छावनी परिषद के तमाम दावों का मखौल उड़ाती हुई नजर आती है। ज्ञात हो कि सब्जी मंडी में पालीथिन के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने के

लिए छावनी परिषद ने घर-घर से पुराने कपड़े एकत्रित करने का अभियान शुरू किया था। उन कपड़ों से थैले बनाकर सब्जी मंडी में खरीदारों को पांच व दस रुपये में उपलब्ध कराने की बात कहीं गई थी। कुछ एकाध दिन तो कपड़े के बैग मंडी में नजर आए, लेकिन अब ऐसा कुछ नहीं है। हालांकि सिंगल यूज प्लास्टिक युक्त डिस्पोजल बर्तन जैसे गिलास, स्ट्रो (पाइप), प्लेट का प्रयोग काफी सीमित हो गया है, जो सराहनीय कदम है, पर कोरोना महामारी के कारण एक वर्ष से पालीथिन के प्रयोग पर रोकथाम के लिए छावनी परिषद की ओर से न कोई चालान या कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है और न ही दुकानदारों को जागरूक किया गया है।

मृत युवक की एक्स-रे व पोस्टमार्टम रिपोर्ट पेश करे उप्र सरकार - हाई कोर्ट

नई दिल्ली। गणतंत्र दिवस पर ट्रैक्टर पलटने से हुई नवरीत सिंह की मौत के मामले में दिल्ली हाई कोर्ट ने उत्तर प्रदेश पुलिस को नवरीत की एक्स-रे व पोस्टमार्टम रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया है। न्यायमूर्ति योगेश खन्ना की पीठ ने उत्तर प्रदेश पुलिस को निर्देश दिया कि दोनों ही दस्तावेज पांच मार्च को दोपहर दो बजे तक दिल्ली पुलिस अधिकारियों को दें और मामले के जांच अधिकारी से अपनी सुरक्षित कस्टडी में रखें। नवरीत के दादा हरदीप सिंह ने याचिका दायर कर दावा किया कि उनके पोते की मौत सिर में गोली लगने से हुई थी और उसका पोस्टमार्टम रामपुर जिला अस्पताल में किया गया था। सुनवाई के दौरान दिल्ली सरकार की तरफ से पेश हुए स्थायी अधिवक्ता राहुल मेहरा ने उत्तर प्रदेश पुलिस से एक्स-रे और पोस्टमार्टम वीडियो उपलब्ध कराने का अनुरोध किया था, लेकिन रामपुर जिला अस्पताल और पुलिस ने इन्कार कर दिया था। पीठ ने उक्त निर्देशों के साथ याचिका पर सुनवाई 17 मार्च तक के लिए स्थगित कर दी।

उत्तर प्रदेश पुलिस व रामपुर जिला अस्पताल की तरफ से पेश हुई अधिवक्ता गरिमा प्रसाद ने कहा कि उनके पास एक्स-रे रिपोर्ट नहीं है, उनके पास सिर्फ एक्स-रे प्लेट है। उन्होंने कहा कि जहां तक पोस्टमार्टम रिपोर्ट का सवाल है वे अदालत द्वारा निर्धारित दिन व समय पर दिल्ली पुलिस को उपलब्ध कराने के लिए तैयार हैं। याचिकाकर्ता की तरफ से पेश हुई अधिवक्ता वृंदा ग्रोवर ने एक्स-रे व पोस्टमार्टम रिपोर्ट उपलब्ध कराने की मांग की। इस पर राहुल मेहरा ने कहा कि उन्हें दस्तावेज याचिकाकर्ता को उपलब्ध कराने में आपत्ति नहीं है। वहीं, पिछली सुनवाई पर उत्तर प्रदेश पुलिस व दिल्ली पुलिस ने अदालत में कहा था कि 25 वर्षीय नवरीत के शरीर पर गोली के घाव नहीं थे। पोस्टमार्टम और एक्स-रे रिपोर्ट के अनुसार भी मृतक के शरीर पर गोली के घाव नहीं मिले हैं। दिल्ली पुलिस ने कहा कि नवरीत के शरीर पर निशान दुर्घटना के कारण आए थे। वहीं, याचिकाकर्ता हरदीप ने कोर्ट की निगरानी में विशेष जांच दल गठित कर मामले की जांच कराने की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया है कि गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद पुलिस ने नवरीत को तत्काल चिकित्सा सुविधा नहीं उपलब्ध कराई। इतना ही नहीं, नवरीत का शव अन्य लोगों ने उसके स्वजन को सौंपा था, जो उसे लेकर उत्तर प्रदेश के रामपुर गए थे। नवरीत का पोस्टमार्टम भी घटना के अगले दिन रामपुर में किया गया, लेकिन वीडियो और एक्स-रे रिपोर्ट परिवार से नहीं साझा की गई।

सेखों विहार में जर्जर सड़क की समस्या का होगा जल्द निदान

नई दिल्ली। छावनी परिषद के अंदर जर्जर सड़क की समस्या से लोग खासा परेशान हैं। सेखों विहार में सड़क की हालत जहां बेहद खराब है तो वहीं सदर बाजार में केंद्रीय विद्यालय नंबर-1 के सामने की सड़क भी लंबे समय से खराब पड़ी है। इस समस्या को कई बार अधिकारियों के समक्ष रखा गया है, लेकिन कोई खासा सुधार बीते एक वर्ष में देखने को नहीं मिला है। आलम यह है कि सड़क की हालत दिन-प्रतिदिन और खराब होती जा रही है। पतझड़ के इस मौसम में चलने वाली हवा के साथ जर्जर सड़क से उड़ने वाली धूल लोगों के लिए परेशानी बन गई है। आंखों में जाकर ये धूल के कण उन्हें काफी नुकसान पहुंचा रहे हैं। पालम रेलवे फाटक पार करते ही दिल्ली छावनी परिषद की सीमा शुरू हो जाती है और इस इलाके को सेखों विहार के नाम से जाना जाता है। सड़क के दोनों तरफ भारतीय वायु सेना अलग-अलग विभाग के कार्यालय व रिहाइशी इलाका है, जहां वायु सेना के अधिकारियों का परिवार रहता हैं। इसके अलावा देश-विदेश के कई महत्वपूर्ण हस्तियों का यहां आना लगा रहता है। यहीं सड़क के किनारे भारत का एकमात्र वायु सेना संग्रहालय भी स्थित है, जिसे देखने के लिए देश-विदेश से लोग आते हैं। पर यहां सड़क की हालत काफी खस्ता है। जर्जर सड़क के कारण वाहन चालक हिचकोले खाने को मजबूर हैं और इस कारण यातायात काफी प्रभावित होता है। जर्जर सड़क के कारण कई बार दो पहिया चालक सड़क दुर्घटना के शिकार भी हो चुके है। रात के समय सड़क पर रोशनी के भी पर्याप्त इंतजाम देखने को नहीं मिलते है। दुर्दशा के साथ-साथ सड़क पर साफ-सफाई की दिशा में भी लापरवाही नजर आती है। लोगों का कहना हैं कि पालम के निवासियों के लिए ये सड़क लाइफ लाइन है, क्योंकि रोजाना बड़ी तदाद में लोग इस सड़क का प्रयोग करते है। दिल्ली विकास प्राधिकरण ने अपने फ्लैटों की जो स्कीम निकाली थी अब वो उसका ड्रा करने जा रहा है।

दिल्ली के आसपास के रेलवे स्टेशनों पर प्लेटफार्म टिकट के लिए लोग चुका रहे 3 गुना कीमत

नई दिल्ली। कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में कमी आने के बाद दिल्ली-एनसीआर समेत देशभर में ट्रेनों का संचालन सामान्य होने लगा है। स्पेशल ट्रेनों के बाद अब लोकल ट्रेनों भी दिल्ली-एनसीआर में चलनी शुरू हो गई हैं, वहीं लोगों को महंगाई का झटका भी लगा है।

उत्तर रेलवे ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर प्लेटफॉर्म टिकट की बिक्री करीब एक साल बाद दोबारा शुरू करने की इजाजत दे दी है।

इसके बाद लोगों को प्लेटफॉर्म टिकट (के लिए 3 गुना कीमत चुकानी पड़ रही है। प्लेटफॉर्म की टिकटों में इजाफा करने के पीछे रेलवे का तर्क है कि स्टेशन पर लोगों की की भीड़ न बढ़े, इसलिए ऐसा किया गया है। वहीं, रेलवे का यह भी कहना है कि कोरोना काल में सोशल डिस्टेंसिंग और अन्य मानकों का पालन कराया

जाना जरूरी है।

रेलवे द्वारा प्लेटफॉर्म की टिकटों में इजाफा करने के बाद लोग सोचसमझकर ही स्टेशन पर अपने परिचितों और रिश्तेदारों को छोड़ने आएंगे। जानकारी के मुताबिक, नई दिल्ली रेलवे स्टेशन समेत दिल्ली के आसपास के 19 रेलवे स्टेशनों पर प्लेटफॉर्म टिकट की कीमत 10 रुपये से बढ़ाकर 30 रुपये कर दी गई है। बता दें कि बृहस्पतिवार रात 12 बजे से नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर प्लेटफॉर्म टिकट मिलने लगा है। इसके साथ ही 19 स्टेशनों पर ये प्लेटफॉर्म टिकट मिलने लगेंगे। बता दें कि जो प्लेटफॉर्म टिकट 10 रुपये का था, वह अब 30 रुपये का हो गया है। वहीं, मध्य रेलवे ने भी कोरोना वायरस संक्रमण के चलते प्लेटफॉर्म पर अधिक भीड़ न हो इसलिए मुंबई मेट्रोपोलिटन क्षेत्र (एमएमआर) के कुछ अहम स्टेशनों पर प्लेटफॉर्म टिकट की इजाफा कर दिया है।

मध्य रेलवे (सीआर) के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शिवाजी सुतार के मुताबिक, मुंबई में छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस, दादर और लोकमान्य तिलक टर्मिनस तथा पास के ठाणे, कल्याण, पनवेल और भिवंडी में अब प्लेटफॉर्म टिकट 10 रुपये के बजाय 50 रुपये में मिलेगा। कुलमिलाकर प्लेटफॉर्म के टिकट में 5 गुना इजाफा किया गया है। संबंधित अधिकारी की मानें तो नई दर एक मार्च से प्रभाव में आ गई और यह इस साल 15 जून तक प्रभावी रहेगी। वहीं, पैसेंजर ट्रेनों का संचालन भी टिकट के बढ़े दामों के साथ किया जा रहा है।

संपादकीय

बस पेट्रोल-डीजल भरोसे देश

पेट्रोल और डीजल की बढ़ती कीमतों के बीच यह खबर राहत की तरह अखबारों में परोसी गई। एक सरकारी विज्ञप्ति में बताया गया कि अब दिल्ली-जयपुर और दिल्ली-चंडीगढ़ के बीच बसें पेट्रोल या डीजल के बजाय हाइड्रोजन गैस से चलेंगी। खबर पढ़कर लगता है कि अब जल्द ही देश को महंगे पेट्रोल से मुक्ति मिलने वाली है। जिसके भाव हर सुबह बढ़ जाते हों और फिर जरूरत की हर चीज को महंगा कर मुंह चिढ़ाते हों, उससे भला कौन मुक्ति नहीं चाहेगा। इसलिए सुनकर पहली नजर में अच्छा लगता है कि ठोस समस्या वाले तरल के मुकाबले एक गैस को लाया जा रहा है। वह भी एक ऐसी गैस को, जिसके चर्चे और गुणगान इन दिनों पूरी दुनिया में तकरीबन हर जगह ही हैं। हाइड्रोजन को भविष्य का ईंधन माना जाता है और आने वाले समय के लिए प्रदूषण से मुक्ति का आश्वासन भी इसी में देखा जा रहा है। रसायनशास्त्र हमें बताता है कि यह गैस जब जलती है, तो सिर्फ शुद्ध पानी बनता है, यानी प्रदूषण शून्य होता है और इसका कार्बन फुटप्रिंट भी ज्यादा नहीं होता। ये बातें सही भी हैं, लेकिन इन सब बातों का संदर्भ दूसरा है और फिलहाल यह हाइड्रोजन हमारे सामने महंगे पेट्रोल के विकल्प के रूप में पेश की जा रही है। कुछ बयानों में यह भी कहा गया कि समस्या इसलिए भी है कि देश ने इतने साल महंगे पेट्रोल का विकल्प नहीं खोजा और अब इसे खोजने का समय आ गया है। इसलिए हाइड्रोजन से पहले पेट्रोल के रूप की चर्चा जरूरी है।

जब हम किसी पेट्रोल पंप पर जाकर अपने स्कूटर, अपनी बाइक, कार, बस, ट्रैक्टर वगैरह में पेट्रोल या डीजल भरवाते हैं, तब उससे हम अपनी गाड़ी ही नहीं चलाते, प्रदेश और देश की सरकारों को भी चलाते हैं। पेट्रोलियम पदार्थ सरकारी राजस्व की ऐसी दुधारू गाय है, जहां पहुंचते-पहुंचते कराधान की नैतिकता, कर सुधार और उदारीकरण के सारे तर्क अपने हथियार डाल देते हैं। यह इस या उस सरकार, इस या उस राजनीतिक पार्टी का मामला नहीं है, यह हमेशा से ही होता रहा है और फिलहाल यह कुछ ज्यादा ही हो रहा है। साल 2021 तक आते-आते भारत में बिकने वाला पेट्रोल शायद दुनिया की अकेली ऐसी चीज बन गया है, जिसे सिर्फ टैक्स थोपकर तीन गुना दाम पर बेचा जाता है। जिसे हम उदारीकरण का दौर कहते हैं, वह मूल रूप से कर सुधारों का दौर ही रहा है, लेकिन हमारे यहां इन कर सुधारों को हमेशा ही पेट्रोल की ज्वलनशीलता से दूर रखा गया। बाकी जगह भले ही करों को तर्कसंगत बनाए जाने की बात की जाती रही हो, लेकिन ये तर्क कभी संगति करने के लिए किसी पेट्रोल पंप पर नहीं गए। जब सेल्स टैक्स हटाकर वैट लागू किया गया, तो पेट्रोल को इससे दूर रखा गया। जब जीएसटी आया, तो पेट्रोल को वहां फटकने भी नहीं दिया गया। और जीएसटी ने जब बाकी सभी चीजों के मामले में कर व्यवस्था के हाथ बांध दिए हैं, तब केंद्र और राज्य सरकारों के लिए राजस्व बढ़ाने की सबसे बड़ी गुंजाइश इसी पेट्रोल में दिख रही है। महामारी के कारण अर्थव्यवस्था में आई गिरावट भी अब इसी पेट्रोल के सहारे की मोहताज है। दुनिया भर में पेट्रोल भले ही सस्ता होता रहे, लेकिन लगता है कि अब हमारे पास पेट्रोल को महंगा करने का कोई और विकल्प नहीं है। भले ही यह महंगाई मध्य वर्ग और पूरी अर्थव्यवस्था की कमर तोड़ रही हो। पेट्रोल में अपने आप में भी बहुत सारी समस्याएं हैं। यह प्रदूषण फैलाने वाला दुनिया का सबसे बड़ा जीवाश्म ईंधन है। सिर्फ कोयला ही उससे ज्यादा प्रदूषण फैलाता है, लेकिन कोयले का कुल जमा इस्तेमाल उतना नहीं है, जितना पेट्रोलियम पदार्थों का है। कोयला ज्यादा प्रदूषण फैलाता है, लेकिन पेट्रोलियम पदार्थों का कार्बन फुटप्रिंट कोयले से कहीं ज्यादा बड़ा है। फिर यह भी कहा जाता है कि धरती के भीतर इसका सीमित भंडार ही है, जिसे देर-सबेर कभी तो खत्म होना ही है। हमारे लिए एक दूसरी समस्या यह भी है कि हमें पेट्रोलियम का बड़े पैमाने पर आयात करना पड़ता है। हमारे विदेशी मुद्रा भंडार में सबसे बड़ी सेंध इसी वजह से लगती है। इन वजहों से हमारे लिए यह हमेशा जरूरी रहा है कि हम इसका विकल्प खोजें। विकल्प खोजना कभी आसान भी नहीं रहा। दुनिया भर में भविष्य के ईंधन की बातें जरूर हो रही हैं, प्रयास भी हो रहे हैं, लेकिन किसी भी देश के पास वर्तमान में इसका कोई पक्का विकल्प नहीं है। कभी अमेरिका में बॉयो-डीजल की बात जोर-शोर से चली थी, आज जितनी हाईड्रोजन की बात चलती है, उससे भी ज्यादा, लेकिन फिर इसकी समस्याएं पता लगीं, तो यह रास्ता छोड़ दिया गया। लेकिन पेट्रोल जिस तरह से हमारे देश के लोगों को कष्ट देता है, उसके सबसे बड़े कारण इन सबमें नहीं हैं। महंगे पेट्रोल का सबसे बड़ा और प्रमुख कारण आर्थिक नीतियों में है। हमारी सरकारों ने राजस्व के लिए पेट्रोल पर अपनी निर्भरता इस हद तक बढ़ा ली है कि अगर रातों-रात किसी जादू की छड़ी से पेट्रोल को पूरी तरह गायब कर दिया जाए, तो दुनिया में सबसे बड़ा संकट शायद भारत में ही खड़ा होगा। ऐसे में, सरकारों को अपना कामकाज ठीक से चलाना है, तो उन्हें वैकल्पिक ईंधन पर भी देर-सबेर इतने सारे कर लगाने ही होंगे। वह वैकल्पिक ईंधन हाइड्रोजन हो या कोई और, वह पर्यावरण को प्रदूषित करता हो या साफ। जो मौजूदा आर्थिक नीति है, उसमें हमारी गाड़ियों को चलाने के मुख्य ईंधन को सरकार चलाने का मुख्य ईंधन भी बनना ही होगा। महंगे पेट्रोल की समस्या से मुक्ति का एक ही रास्ता है, पेट्रोलियम पदार्थों को व्यापक कर सुधार के एजेंडे में शामिल किया जाए। गाड़ियों के लिए वैकल्पिक ईंधन खोजना कई कारणों से पर्यावरण के साथ ही अर्थव्यवस्था की एक बहुत बड़ी जरूरत है। लेकिन अर्थव्यवस्था की उससे कहीं बड़ी जरूरत यह है कि सरकार राजस्व के नए विकल्प खोजे और उस पेट्रोल को बख्श दे, जिससे फिलहाल तो हमारी दुनिया चलनी ही है।

प्रवीण कुमार सिंह

अपने परिसरों में धार्मिक स्थलों से परेशान रेलवे, 821 हेक्टेयर से अधिक भूमि पर अवैध कब्जा

उच्च न्यायालयों समेत उच्चतम न्यायालय ने रेलवे और सड़कों पर अवैध कब्जों को लेकर सख्ती दिखाई जिससे कई जगह तस्वीर बदली भी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 2013 में सार्वजनिक जमीनों पर अवैध रूप से बने धर्मस्थलों को हटाने का निर्देश दिया तो पता चला कि राज्य में ऐसे 45,152 अवैध धार्मिक निर्माण हैं। सबसे अधिक सुभीते की जगह सड़क किनारे की सरकारी भूमि होती है जिस पर निर्माण जितना सरल होता है, प्रशासन के लिए उसे हटा पाना उतना ही कठिन

भारतीय रेलवे की जमीन पर अतिक्रमण कोई नई बात नहीं है। खासकर धार्मिक स्थलों के निर्माण के जरिये यह पहले से होता आ रहा है। गाजियाबाद का मामला भले प्रशासन के नए आदेश से चर्चा में आ गया हो, पर ऐसे बहुत से मामले हैं। गाजियाबाद में ही रेलवे की भूमि पर इस मजार के अलावा माल गोदाम के पास भी एक मजार है। वहां जाने पर रोक नहीं है। अधिकारियों का कहना है कि वहां जाने के बहाने कुछ असामाजिक लोग आ जाते थे। अब आरक्षित टिकट वाले यात्री ही प्लेटफॉर्म पर जाएंगे। कोरोना काल के दौरान ही सितंबर 2020 में उत्तर प्रदेश में बरेली के पास बहेड़ी रेलवे स्टेशन के करीब एक धार्मिक स्थल पर अवैध निर्माण रोकने में पुलिस और प्रशासन को सफलता मिली। स्टेशन मास्टर की शिकायत पर पुलिस ने निर्माण कार्य रुकवाया। सामान्य स्थिति होती तो हो सकता है कि इन मुद्दों पर राजनीति होती और काफी हल्ला होता। लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। रेलवे ने कोरोना संकट के दौरान पुलों से लेकर यार्ड रिमॉडलिंग तक के ऐसे कई कार्यो को साकार किया जो भीड़-भाड़ के नाते पहले संभव नहीं हो पा रहे थे। अनेक रेलमार्गो पर सुरक्षा और संरक्षा की कई परियोजनाएं साकार हुईं। संचालन की राह में कई बाधाएं भी हटीं। लेकिन चंद मामलों को छोड़ दें तो अवैध निर्माणों के मामले में कोई ठोस पहल हुई ऐसा लगता नहीं, क्योंकि सामान्य प्रशासन की तरह रेल प्रशासन भी अपनी भूमि पर बने धर्मस्थलों को हटाने के प्रति यथास्थिति बनाए रखने वाला ही रहा है। इसी नाते कई व्यस्त रेलवे स्टेशन परिसर में मंदिर, मस्जिद, मजारें और दूसरे धर्मस्थल कायम हैं, जो कई बार सामान्य रेल संचालन की राह में चुनौती भी पैदा करते हैं। चूंकि इन जगहों पर खास मौकों पर भारी भीड़

जुटती है जिससे यात्रियों को कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। भारतीय रेल देश के सबसे बड़े जमींदारों में है। इसके पास करीब 4.78 लाख हेक्टेयर भूमि है जिसमें से करीब 821 हेक्टेयर अवैध कब्जे में है। जितनी जमीन से रेलवे कब्जा हटाता है, नया कब्जा बढ़ जाता है। सबसे अधिक समस्या रेलवे को खाली पड़ी जमीनों पर आती है। प्रशासन की मदद से ही बहुत सी जमीनों पर अवैध कब्जे हो गए। पिछली सदी के आठवें दशक में अधिक अन्न उपजाओ योजना में रेलवे ने जो जमीन पट्टे पर दी, उनमें कहीं रेस्टोरेंट चल रहे हैं तो कहीं कुछ और काम। दिलचस्प यह है कि रेलवे के पास अपनी कुल जमीनों के दस्तावेज तक नहीं थे। पहले रेलवे की 4.2 लाख हेक्टेयर जमीन आंकी गई थी। जमीनों का रिकार्ड अपडेट हुआ तो पता चला कि 4.31 लाख हेक्टेयर जमीन है जिसमें से 45 हजार हेक्टेयर खाली थी। पहले निजी रेल कंपनियों या रियासतों ने भूमि अधिग्रहण अधिनियम 1894 के लागू होने के पहले जो जमीनें ली थीं, वह दौर अलग था। आजादी के बाद रेल प्रणालियों का एकीकरण हुआ तो रेलवे ने जमीनों का रिकार्ड जुटाना आरंभ किया, लेकिन सर्वेक्षण, भूमि सीमांकन जैसे जटिल काम के लिए रेलवे ने भूमि प्रबंध निदेशालय 1982 में जाकर स्थापित किया। वर्ष 1992 में भी रेलवे के पास विधिवत राजस्व अधिकारियों से प्रमाणित 80 फीसद जमीनों के अभिलेख हासिल हो सके थे। सितंबर 1990 के बाद रेल मंत्रालय ने क्षेत्रीय रेलों को सभी प्रकार के अतिक्रमणों का विवरण जुटाने का आदेश दिया। मार्च 1991 में पता चला कि 1.7 लाख अतिक्रमण के मामले थे, जिसमें से 26,664 मामलों में कब्जेदार अदालत चले गए थे। रेलवे संबंधी संसदीय समिति ने जमीनों की सुरक्षा के लिए चारदीवारी और कंटीले तार लगवाने को कहा। स्टेशन अधीक्षकों और रेलवे सुरक्षा बल के निरीक्षकों को अतिक्रमण के मामले में जवाबदेही दी गई। फिर भी काफी जमीनों पर अतिक्रमण है। वैसे रेल मंत्रलय दावा करता है कि अतिक्रमण महज 0.18 फीसद जमीनों पर ही है। पिछले तीन वर्षो में रेल प्रशासन ने करीब 70 हेक्टेयर भूमि दोबारा हासिल की है। लेकिन दिलचस्प बात यह है कि सबसे अधिक 205 हेक्टेयर जमीन पर उत्तर रेलवे में अतिक्रमण है। वर्ष 2015 में दिल्ली के शकूरबस्ती में रेलवे की जमीन पर झुग्गियों को हटाने में रेलवे को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा था।भारतीय रेल के पास आठ हजार से अधिक स्टेशन हैं। इनको आमदनी के लिहाज से कई श्रेणियों में बांटा गया है। लेकिन सबसे निचले 4,274 स्टेशनों की स्थिति एकदम अलग है। इनके आसपास बहुत से अतिक्रमण धर्मस्थलों के हैं। बड़े स्टेशनों की अलग चुनौती है और वहां रेल प्रशासन के लिए भीड़ नियंत्रित करना ही बहुत मुश्किल होता है। रेलवे के 195 स्टेशन बेहद संवेदनशील हैं, जहां समेकित सुरक्षा प्रणाली के तहत भारी धन व्यय करना पड़ता है। सीसीटीवी कैमरा नेटवर्क से लेकर स्कैनिंग प्रणाली और बम डिटेक्शन से लेकर कई दूसरी प्रणालियों पर खर्च करना पड़ता है। रेल परिसरों, पटरियों और रेलगाड़ियों में विस्फोट की कई घटनाएं हुई हैं जिसमें मुंबई में 2006 की घटनाओं ने देश को हिला दिया था। कई इलाकों में उग्रवादियों, आतंकवादियों और नक्सलियों की चुनौती भी रेल प्रशासन के समक्ष रहती है। ऐसे में अतिक्रमण से निपटना आसान काम नहीं। तमाम महत्वपूर्ण मौकों जैसे गरमी की छुट्टियां, होली, दीवाली, ईद और कई दूसरे त्योहारों और मेलों में विशेष रेलगाड़ियां चलती हैं।

भारतीय रेल का शुभारंभ वर्ष 1853 में हुआ जब भारत की पहली रेलगाड़ी चली। वर्ष 1869 तक निजी रेल कंपनियों और बाद में सरकारी संस्थाओं, देशी रियासतों और जिला बोर्डो ने रेल लाइनें बिछाई और स्टेशन बनाए। वर्ष 1900 तक भारत में 23,672 किमी रेल लाइनें बिछीं। आरंभिक रेलों का निर्माण ब्रिटिश पूंजी से हुआ। सरकार ने उनको जरूरत के अनुकूल भूमि दी जिन पर धार्मिक स्थल भी छोटे हिस्से में बने जिनका बाद में विस्तार होता गया।

उच्च न्यायालयों समेत उच्चतम न्यायालय ने रेलवे और सड़कों पर अवैध कब्जों को लेकर सख्ती दिखाई जिससे कई जगह तस्वीर बदली भी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 2013 में सार्वजनिक जमीनों पर अवैध रूप से बने धर्मस्थलों को हटाने का निर्देश दिया तो पता चला कि राज्य में ऐसे 45,152 अवैध धार्मिक निर्माण हैं। सबसे अधिक सुभीते की जगह सड़क किनारे की सरकारी भूमि होती है जिस पर निर्माण जितना सरल होता है, प्रशासन के लिए उसे हटा पाना उतना ही कठिन। स्थानीय राजनीति और सांप्रदायिक सौहार्द का मुद्दा अलग होता है। लेकिन प्रशासन चाहे तो नए निर्माण को होने से रोक सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने 2009 में अवैध धार्मिक स्थलों को हटाने को लेकर एक सख्त आदेश दिया तो ऐसे स्थलों को चिन्हित किया गया। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने तो राजमार्गो, रेलमार्गो एवं अन्य रास्तों के किनारों पर अनाधिकृत रूप से बने धार्मिक स्थलों पर काफी सख्ती दिखाई थी। आदेश पर अमल जरूर हुआ, लेकिन सीमित। बहुत पुराना संगठन होने के नाते रेलवे परिसर में ऐसे स्थल कई जगहों पर हैं और रेल संचालन को दिक्कत भी पैदा करते हैं। पहले जब भीड़-भाड़ कम थी तो दौर अलग था।

उद्यमशीलता को प्रोत्साहन देने की जरूरत है तब राहुल उद्योगपतियों की ऐसी-तैसी करने में लगे हैं

एक समय था जब हिंदी फिल्मों के नायक मजदूर, कारखाना कामगार, कुली आदि के रूप में भी होते थे और खलनायक कोई दुष्ट उद्योगपति होता था। उसे निर्दयी और मजदूरों का शोषण करने वाला दिखाया जाता था। तब ''मजदूर का पसीना सूखने के पहले उसकी मजदूरी मिल जानी चाहिए जनाब'' टाइप के डायलॉग दर्शकों की तालियां पाते थे। ऐसी फिल्मों के अंत में शोषक उद्योगपति या तो सुधर जाता था या जेल जाता था या फिर उसकी फैक्ट्री में ताला लग जाता था, लेकिन आम तौर पर उसकी बेटी नायक संग ही ब्याह रचाती थी। अब वैसी फिल्में नहीं बनतीं, लेकिन इन दिनों राजनीति के पर्दे पर यह कमी राहुल गांधी पूरी करने की कोशिश कर रहे हैं। वह उद्योगपतियों के पीछे हाथ धोकर पड़े हैं। वैसे तो अंबानी-अदाणी खास तौर पर उनके निशाने पर हैं, लेकिन वह अक्सर यह भी कहते हैं कि मोदी सरकार केवल 5-10 उद्योगपतियों के लिए काम कर रही है।

राहुल गांधी हर मसले पर उद्योगपतियों को निशाना बनाने में जुट जाते हैं। पता नहीं उनके भाषण और ट्वीट कौन लिखता है, लेकिन राफेल सौदे को तूल देते वक्त वह यहां तक कह जाते थे कि खुद मोदी ने जवानों की जेब से पैसे निकालकर अमुक उद्योगपति को दे दिए। तीन नए कृषि कानूनों का विरोध करने के लिए उन्होंने इन कानूनों का नाम ही अंबानी-अदाणी कृषि कानून कर दिया है। यह दुष्प्रचार केवल वही नहीं कर रहे कि इन कानूनों का सारा लाभ अंबानी-अदाणी को मिलने वाला है, किसानों को बरगलाने में जुटे तथाकथित किसान नेता भी इसी झूठ का सहारा ले रहे हैं और इसीलिए पंजाब में जियो के टावर तोड़े गए। पेट्रोल-डीजल के दाम चाहे बढ़ें या घटे, राहुल इसी नतीजे पर पहुंचते हैं कि मोदी अपने मित्र उद्योगपतियों को लाभ पहुंचाते हैं। मई 2018 में बीदर, कर्नाटक की एक रैली में उनका कहना था कि नरेंद्र मोदी पेट्रोल-डीजल से बच रहा पूरा पैसा अपने 5-10 उद्योगपति मित्रों को दे रहे हैं। हाल में उन्होंने ट्वीट किया, ''पेट्रोल सौ रुपये लीटर है। आपकी जेब खाली करके मित्रों को देने का महान काम मोदी सरकार मुफ्त में कर रही है।'' इसके पहले संसद में उन्होंने हम दो हमारे दो का जुमला सिर्फ यही बताने के लिए उछाला था कि नरेंद्र मोदी और अमित शाह तो केवल अंबानी-अदाणी के लिए काम कर रहे हैं। कारोबारियों को लांछित करने और उन्हें खलनायक के तौर पर पेश करने के लिए राहुल गांधी वह भाषा बोल रहे हैं जो घनघोर वामपंथियों-नक्सलियों की भाषा है। वह ऐसी भाषा इसके बाद भी बोल रहे हैं कि खुद उनके जीजा भी कथित तौर पर एक कारोबारी ही हैं। क्या वह देश के समस्त कारोबारियों को वैसा ही समझते हैं जैसे रॉबर्ट वाड्रा हैं? पता नहीं, लेकिन कोई राजनीति में है तो इसका यह मतलब नहीं कि उसे किसी की भी इज्जत से खेलने का अधिकार मिल जाता है। यह जाहिर है कि अंबानी-अदाणी या अन्य कोई कारोबारी राहुल गांधी के अनर्गल आरोपों का जवाब उन्हीं की भाषा में नहीं दे सकता। कारोबारियों और खासकर अंबानी-अदाणी से राहुल गांधी की चिढ़ के पीछे चाहे जो कारण हो, इन दोनों ने अपना कारोबार मई 2014 के बाद नहीं खड़ा किया। ये तो तब भी अपने कारोबार को विस्तार दे रहे थे जब मनमोहन सिंह सत्ता में थे। इतना ही नहीं उन्हें तमाम ठेके कांग्रेस के नेतृत्व वाली संप्रग सरकार के दौरान ही मिले।

राहुल गांधी उन पर निशाना साधकर किस तरह लोगों को उल्लू बना रहे हैं, इसका सबसे बड़ा प्रमाण यह है कि ठीक उस समय जब वह अंबानी-अदाणी को लांछित कर रहे थे, तब अदाणी समूह की ओर से यह घोषणा की जा रही थी कि उसने 705 करोड़ रुपये में महाराष्ट्र स्थित दिघी बंदरगाह का अधिग्रहण पूरा कर लिया है। क्या यह मान लिया जाए कि राहुल गांधी के विरोध के बाद भी महाराष्ट्र की ठाकरे सरकार ने उनकी एक नहीं सुनी? एक क्षण के लिए ऐसा ही मान लेते हैं, लेकिन आखिर इस खबर का क्या करें, जो यह कहती है कि अदाणी समूह राजस्थान में 9700 मेगावॉट के सोलर हाईब्रिड और विंड एनर्जी पार्क का निर्माण करने जा रही है? राजस्थान सरकार तो पूरी तौर पर कांग्रेस की सरकार है। क्या यह संभव है कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत इससे परिचित न हों कि राहुल किस तरह अंबानी संग अदाणी के पीछे पड़े हैं? साफ है कि राहुल लोगों को मूर्ख बनाने और मोदी सरकार पर राजनीतिक हमला करने के लिए अंबानी-अदाणी को लांछित कर रहे हैं। आखिर यह कितना उचित है कि देश के बड़े कारोबारियों को बदनाम किया जाए?

यदि अंबानी-अदाणी ने कुछ गलत किया है तो प्रमाण पेश किए जाएं, पुलिस में शिकायत दर्ज कराई जाए, सीबीआइ-ईडी से जांच की मांग की जाए, अदालत का दरवाजा खटखटाया जाए। यदि यह सब करने में आलस आड़े आ रहा हो तो फिर राहुल गांधी यह तो सुनिश्चित कर ही सकते हैं कि कांग्रेस शासित राज्यों में अंबानी-अदाणी को बंदरगाह, सोलर पार्क वगैरह बनाने की इजाजत न दी जाए।

कांग्रेस में बगावत

जम्मू में ग्लोबल गांधी फैमिली नाम के एक एनजीओ के बैनर तले असंतुष्ट कांग्रेसी नेताओं के आयोजन ने तिनके की वह आड़ भी खत्म कर दी, जो अब तक उनकी गतिविधियों को ढके हुए थी। अब इस बात में संदेह की कोई गुंजाइश नहीं रह गई है कि कांग्रेस के इन वरिष्ठ असंतुष्ट नेताओं के निशाने पर पार्टी का मौजूदा नेतृत्व, या ज्यादा सटीकता के साथ कहा जाए तो गांधी परिवार है। तमाम नेताओं ने जितने खुले अंदाज में अपनी बात रखी, उससे साफ हो जाता है कि वे पार्टी नेतृत्व के साथ मिल-बैठकर कोई सर्वमान्य फॉर्म्युला निकालने की गुंजाइश अब न तो देख रहे हैं और न ऐसी कोई इच्छा रखते हैं। बात अब पार्टी नेतृत्व को समझाने-बुझाने, उसे कन्विंस करने से कहीं आगे निकल गई है। ताजा प्रयास उस पर दबाव बनाने और उसे अपनी बात मानने को मजबूर करने का लगता है। आसान भाषा में इसे खुली बगावत कहा जाए तो गलत नहीं होगा।

अब सवाल एक ही रह गया है कि पार्टी नेतृत्व इस बगावत को किस रूप में लेता है। वह इसे पार्टी के अंदर का मसला बताते हुए इन नेताओं के आगे सरेंडर करने का रास्ता अपनाता है, या परिधि पर खड़े नेताओं को वापस आने का मौका देते हुए असंतोष के केंद्र को कुचलने की कोशिश करता है। अब तक के संकेतों से यही लगता है कि पार्टी नेतृत्व देर-सबेर पहला ही रास्ता अपनाने के मूड में है। बल्कि कहा जाए, वह इस रास्ते पर चलना शुरू कर चुका है। अगर ऐसा न होता तो इन असंतुष्ट नेताओं की यह शिकायत नहीं होती कि गुलाम नबी आजाद को राज्यसभा से रिटायर होने के बाद हाशिये पर पहुंचाने की व्यवस्था कर दी गई है। सोनिया गांधी के नाम पत्र लिखकर चर्चा में आए जी-23 समूह के रूप में पहचाने जा रहे इन सभी नेताओं को आशंका है कि पार्टी में देर-सबेर उनकी भी वही नियति होगी, जो गुलाम नबी आजाद की हो रही है।

इसलिए स्वाभाविक रूप से समय रहते वे सब इकट्ठा होकर आवाज बुलंद करने की जरूरत महसूस कर रहे हैं। लेकिन उनके इस प्रयास से आमने-सामने की जो स्थिति बन गई है, उसमें उनकी मांगें मानने का मतलब होगा कि गांधी परिवार अपनी अप्रासंगिकता स्वीकार कर रहा है। गांधी परिवार ही नहीं, पूरी कांग्रेस भी इसे स्वीकार कर पाएगी या नहीं और कर लिया, तो बनी रह पाएगी या नहीं, इस बारे में कुछ कहना मुश्किल है।

वजह यह है कि अपने मौजूदा स्वरूप में कांग्रेस जो भी है, जैसी भी है, वह गांधी परिवार के सहारे ही है। जाहिर है, दोनों पक्षों की ओर से जोर आजमाइश के बगैर इस प्रकरण का अंत नहीं दिख रहा। सवाल बस यह है कि इस जोर आजमाइश के चक्कर में पार्टी टूटेगी या इसका कोई एक छोटा सा धड़ा अलग होगा, और यह भी कि इस क्रम में विपक्ष की इस सबसे बड़ी पार्टी की और कितनी दुर्गति होनी बाकी है।

सरकार को कृषि सुधारों के साथ ही कृषि उत्पादों पर निर्यात कर लगाने पर विचार करना चाहिए

भूमि अथवा आय की निर्धारित सीमा के तहत आयकर वसूल करना चाहिए, जिससे सामाजिक न्याय और आर्थिक विकास हासिल हो और खाद्य सुरक्षा पर कोई प्रभाव नहीं पड़े। सब्सिडी को निरस्त करने के साथ-साथ आम आदमी की क्रय शक्ति को बढ़ाना चाहिए, जिससे सब्सिडी हटाने से सामाजिक न्याय पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव को निष्प्रभावी कर दिया जाए। इस प्रकार सब्सिडी को निरस्त करने से देश को खाद्य सुरक्षा और आर्थिक विकास, दोनों हासिल होंगे। वर्तमान में किसानों के साथ गतिरोध को हल करने के लिए सरकार को स्पष्ट रूप से इन तीन बातों को किसानों को बताना चाहिए और इन्हें लागू करना चाहिए।

संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम ने चार विकासशील देशों केन्या, कैमरून, पाकिस्तान और घाना में कृषि पर लागू करों का अध्ययन किया। इसमें सामने आया कि पहले केन्या में कृषि से होने वाली छह लाख रुपये सालाना की आमदनी पर आयकर देना पड़ता था। वर्ष 2018 में इस सीमा को घटाकर एक लाख रुपये वार्षिक कर दिया गया। कैमरून में भी कृषि पर आयकर का प्रस्ताव है। यद्यपि अभी इसे लागू नहीं किया गया है। पाकिस्तान में 1997 में कृषि आयकर कानून पारित किया गया, जिसे वसूलने का अधिकार राज्यों को दिया गया। पाकिस्तानी पंजाब में 12.5 एकड़ से अधिक भूमि पर आयकर देना होता है। उपरोक्त चार देशों में केवल घाना में भारत के समान कृषि आयकर लागू नहीं है। अपने देश में इस छूट का दुरुपयोग हो रहा है। 2013-14 में कावेरी सीड्स नामक कंपनी ने 186 करोड़ रुपये की कृषि से अर्जित आय पर, मोनसेंटो इंडिया ने 94 करोड़ रुपये आय पर, मैक्लिओड रसेल ने 73 करोड़ आय पर, मध्य प्रदेश राज्य वन विकास निगम ने 62 करोड़ रुपये आय पर आयकर नहीं दिया। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक फाइनेंस एंड पॉलिसी के अनुसार कृषि आयकर से सरकार को करीब 3 लाख करोड़ रुपये सालाना मिल सकते हैं, जो मौजूदा राजस्व का लगभग 10 प्रतिशत है। कृषि को आयकर से मुक्त रखने का कोई आधार नहीं है। कृषि पर आयकर से सामाजिक न्याय सुनिश्चित होता है, क्योंकि अमीर से राजस्व वसूल करके आम आदमी के लिए

खर्च किया जाता है। कृषि पर आयकर से खाद्य सुरक्षा भी बाधित नहीं होती, क्योंकि फसल उत्पादन के बाद आयकर लिया जाता है। कृषि पर आयकर से देश के आर्थिक विकास में भी गति आएगी, क्योंकि उससे मिले राजस्व का उपयोग आर्थिक गतिविधियों में किया जा सकता है।

संयुक्त राष्ट्र के अनुसार घाना में कोको, जिससे चाकलेट बनती है, पर घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दाम के बीच के अंतर के अनुसार निर्यात कर वसूला जाता है। इससे सरकार को राजस्व मिलता है और निर्यात भी प्रभावित नहीं होता, क्योंकि घरेलू दाम कम होते हैं और वैश्विक दाम अधिक। उनके अंतर का एक हिस्सा ही निर्यात कर के रूप में वसूल किया जाता है। संयुक्त राष्ट्र की मानें तो सभी विकासशील देश कृषि उत्पादों के निर्यात पर निर्यात टैक्स वसूल करने की तरफ बढ़ रहे हैं।

निर्यात टैक्स हर प्रकार से लाभप्रद दिखता है। इससे सामजिक न्याय हासिल होता है। निर्यात टैक्स के कारण निर्यात कम होते हैं और उतनी फसल देश के नागरिकों को कम दाम पर मिलती है। अपने देश में बासमती चावल का दाम 60 रुपये प्रति किलो है और विश्व बाजार में 100 रुपये प्रति किलो। इस स्थिति में यदि सरकार 50 रुपये प्रति किलो का निर्यात टैक्स लगा दे तो निर्यातित बासमती चावल का विश्व बाजार में दाम 110 रुपये प्रति किलो हो जाएगा। बासमती चावल का निर्यात कम होगा और देश के नागरिकों को बासमती चावल उपलब्ध हो जाएगा। इस प्रकार निर्यात टैक्स से सामाजिक न्याय और खाद्य सुरक्षा स्थापित होगी, क्योंकि हम बासमती चावल का निर्यात कम करेंगे तो घरेलू खपत के लिए चावल की उपलब्धता बढ़ जाएगी। यह ध्यान रहे कि कृषि उत्पादों के निर्यात में हम अपने बहुमूल्य प्राकृतिक संसाधनों को भी वस्तु रूप में पैक करके विदेश भेज देते हैं। बासमती चावल के निर्यात में हम अपने जल को चावल के रूप में पैक करके विदेश भेज देते हैं। अत~ निर्यात कर लगाकर कृषि उत्पादों का निर्यात कम करने से हम अपनी भूमि और पानी का दोहन कम करेंगे और हमारा पर्यावरण सुरक्षित होगा, जो अंतत~ हमारी खाद्य सुरक्षा को भी स्थापित करेगा। आर्थिक विकास की दृष्टि से भी निर्यात कर लगाने में नुकसान नहीं है। इससे सरकार को राजस्व मिलेगा। यद्यपि विदेशी मुद्रा कम अर्जित होने से नुकसान भी होगा। इन दोनों प्रभावों के सम्मिलित परिणाम को हम शून्यप्राय~ मान सकते हैं।

संयुक्त राष्ट्र ने बताया है कि केन्या में कृषि सब्सिडी खत्म की जा रही है। कई अन्य देश भी इसी दिशा में बढ़ रहे हैं। अपने देश में जीडीपी का लगभग दो प्रतिशत यानी करीब छह लाख करोड़ रुपये की भारी-भरकम रकम हम उर्वरक, पानी और बिजली जैसी सुविधाओं के रूप में कृषि सब्सिडी पर खर्च करते हैं। इसे खत्म करने से किसान की उत्पादन लागत बढ़ जाती है। खाद्यान्नों का बाजार मूल्य भी बढ़ जाता है। जैसे यदि किसान को बाजार मूल्य पर पानी, उर्वरक और बिजली का मूल्य अदा करना पड़े तो गेहूं की अनुमानित उत्पादन लागत मौजूदा 20 रुपये से बढ़कर 24 रुपये प्रति किलो हो सकती है। ऐसे में देश के 80 प्रतिशत लोगों को, जो बाजार से खरीदकर अनाज का उपभोग करते हैं, अधिक रकम खर्च करनी पड़ेगी। सब्सिडी हटाने से देश की खाद्य सुरक्षा भी बाधित होती है, क्योंकि किसान के लिए खाद्यान्न का उत्पादन करना नुकसानदेह हो जाएगा।

इसके उलट सब्सिडी हटाने के पक्ष में तर्क यह है कि उसके कारण किसान हमारे प्राकृतिक संसाधनों का भारी दुरुपयोग करते हैं। बिजली मुफ्त होने से ट्यूबवेल का जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल किया जाता है। प्रकृति प्रदत्त भूमि और जल जैसे बहुमूल्य संसाधनों का अति दोहन भविष्य में हमारे हितों पर आघात करेगा। सब्सिडी आर्थिक बोझ भी है। इससे बचाई रकम को संभावनाशील क्षेत्रों में निवेश करने से समग्र उत्पादकता बढ़ाई जा सकती है। कुल मिलाकर सरकार को कृषि सुधारों के साथ ही कृषि पर टैक्स को लेकर भी विचार करना चाहिए। सर्वप्रथम कृषि उत्पादों पर निर्यात कर लगाना चाहिए, जिससे सामाजिक न्याय और खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित हो और आर्थिक विकास पर कोई प्रतिकूल प्रभाव भी नहीं पड़े। भूमि अथवा आय की निर्धारित सीमा के तहत आयकर वसूल करना चाहिए, जिससे सामाजिक न्याय और आर्थिक विकास हासिल हो और खाद्य सुरक्षा पर कोई प्रभाव नहीं पड़े। सब्सिडी को निरस्त करने के साथ-साथ आम आदमी की क्रय शक्ति को बढ़ाना चाहिए, जिससे सब्सिडी हटाने से सामाजिक न्याय पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव को निष्प्रभावी कर दिया जाए। इस प्रकार सब्सिडी को निरस्त करने से देश को खाद्य सुरक्षा और आर्थिक विकास, दोनों हासिल होंगे। वर्तमान में किसानों के साथ गतिरोध को हल करने के लिए सरकार को स्पष्ट रूप से इन तीन बातों को किसानों को बताना चाहिए और इन्हें लागू करना चाहिए।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के विधायकों ने बिहार विधानसभा के बाहर, राज्य के बजट सत्र के दौरान, पटना में विरोध प्रदर्शन करते हुए ।

प्रमुख सचिव समाज कल्याण बीएल मीणा की अभद्रता से अधिकारी व कर्मी आक्रोशित, ऑफिस में जड़ा ताला

लखनऊ । प्रमुख सचिव समाज कल्याण बीएल मीणा के खराब व्यवहार तथा अधिकारियों व कर्मचारियों के साथ लगातार अभद्रता का मामला अब तूल पकड़ रहा है। समाज कल्याण निदेशालय में तो गुरुवार से ही अधिकारियों के साथ कर्मचारियों ने काम ठप कर दिया था, शुक्रवार को निदेशालय के मुख्य प्रवेश द्वार पर इन लोगों ने ताला बंद कर दिया है। इनकी मांग प्रमुख सचिव बीएल मीणा के खिलाफ कार्रवाई की है।

प्रमुख सचिव बीएल मीणा के अभद्र व्यवहार के कारण समाज कल्याण विभाग के निदेशक बाल कृष्ण त्रिपाठी की गुरुवार को तबीयत खराब हो गई। उनको लखनऊ में गोमती नगर के एक प्राइवेट अस्तपाल में भर्ती कराया गया है। निदेशक की तबीयत खराब होने की सूचना पर समाज कल्याण निदेशालय के अधिकारी व कर्मचारी नाराज हो गए। इन लोगों ने काफी देर तक काम ठप रखा। शुक्रवार को सुबह से ही समाज कल्याण निदेशालय में तालाबंदी हो गई।

समाज कल्याण निदेशालय के सभी कर्मचारी तथा अधिकारी हड़ताल पर हैं। इन सभी ने प्रमुख सचिव समाज कल्याण बीएल मीणा पर गंभीर आरोप लगाया है। इनका आरोप है कि प्रमुख

सचिव मीणा सबसे बदसलूकी करते हैं। प्रमुख सचिव के खिलाफ समाज कल्याण विभाग में बगावत हो गई है। विभाग के कर्मचारियों का आरोप है कि लगातार विवादों में रहने वाले प्रमुख सचिव मीणा मातहतों से गाली-गलौज तथा बदतमीजी करते हैं। इनके अभद्र व्यवहार के कारण विभाग के कई विशेष सचिव तथा निदेशक काम करने से मना कर चुके हैं।

प्रमुख सचिव समाज कल्याण बीएल मीणा ने आइएएस अफसर तथा विभाग के निदेशक बीके त्रिपाठी को मीटिंग में जमूरा कहा था। इसके साथ ही वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में उन्होंने कहा कि सरकार ने चिडियाघर से बुलाकर निदेशक को बैठा दिया हैं। उत्तर प्रदेश समाज कल्याण निदेशालय के अधिकारियों ने बताया कि दो दिन पहले प्रमुख सचिव ने स्कॉलरशिप की ऑनलाइन मीटिंग में निदेशक को अपशब्द कहे थे। मीटिंग में 75 जिलों के अधिकारी व कर्मचारी जुड़े थे। मीटिंग में प्रमुख सचिव बीएल मीणा ने निदेशक बीके त्रिपाठी को जमूरा तक कह दिया था। प्रमुख सचिव बोले कि सरकार ने एक बेवकूफ आदमी बैठा दिया है। इसको कुछ आता-जाता नहीं है। पता नहीं कहां से चिडियाघर से बुलाकर डायरेक्टर को बैठा दिया है। ऑनलाइन मीटिंग में प्रमुख सचिव ने निदेशक त्रिपाठी पर पर एससी-एसटी एक्ट में एफआईआर कराने तक की धमकी भी दी।

संक्षिप्त खबर

बिहार में मंत्री मुकेश सहनी ने भाई से कराया योजना का उद्घाटन, विधानमंडल में जमकर हुआ हंगामा

पटना । किसी भी सरकारी योजना के उद्घाटन का आम तौर पर स्वागत ही किया जाता है, मगर इस बार उल्टा हुआ। हाजीपुर में पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग की योजना का उद्घाटन विभागीय मंत्री मुकेश सहनी के बदले उनके भाई ने कर दिया। इस दौरान उन्हें सरकारी प्रोटोकॉल भी मिला। इस मामले को लेकर बिहार विधानमंडल के बजट सत्र के दोनों सदनों में भारी हंगामा हुआ। विधान परिषद में विपक्ष ने गुरुवार को सरकार को जब कठघरे में खड़ा किया तो सत्ता पक्ष की भारी फजीहत हो गई। हंगामे के बीच मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को हस्तक्षेप करना पड़ा। उन्होंने इसे गंभीरता से लिया और विपक्ष को कार्रवाई का भरोसा भी दिया। आगे की कार्रवाई के लिए अधिकारियों से रिपोर्ट मांगी गई है।

विधानसभा के दोनों सदनों में उठा मामला- विधानमंडल के दोनों सदनों में राजद के सदस्यों ने पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग की योजना के उद्घाटन का मामला गुरुवार को उठाया गया। यह योजना है मछुआरों को 90 फीसद अनुदान पर वाहन एवं आइस बॉक्स देने की। विधानसभा में राजद के सदस्य इसलिए आक्रोश में थे कि योजना के उद्घाटन में विभाग के मंत्री ने खुद नहीं जाकर, अपने भाई को भेज दिया। विभाग के अधिकारियों ने मंत्री के भाई संतोष सहनी को भी वही प्रोटोकॉल दिया, जो कैबिनेट मंत्री को दिया जाता है। विपक्ष के हंगामे के बीच मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को हस्तक्षेप करना पड़ा। खुद खड़े होकर उन्होंने सदन को कार्रवाई का आश्वासन दिया। उन्होंने भी हैरानी जताई और कहा कि यह मामला बेहद गंभीर है। आखिर ऐसा कैसे हो सकता है कि मंत्री का भाई किसी सरकारी कार्यक्रम का उद्घाटन कर सकता है। नीतीश ने कहा कि हालांकि, उन्हें लगता है कि यह काम किसी मंत्री का नहीं है, मगर जो कोई भी शामिल है, उसकी रिपोर्ट मंगाई जा रही है।

वैशाली जिले में दो दिन पहले आयोजित हुआ था कार्यक्रम- हाजीपुर में दो दिन पहले यह कार्यक्रम आयोजित हुआ था। विभाग की ओर से चयनित 23 अभ्यर्थियों को अनुदान पर फोर व्हीलर, थ्री व्हीलर एवं आइस बॉक्स देना था। मंत्री को मुख्य अतिथि बनाया गया था। विधानसभा के बजट सत्र में व्यस्त होने के चलते मंत्री खुद नहीं जा पाए। प्रतिनिधि के तौर पर अपने भाई संतोष सहनी को भेज दिया। सरकारी गाड़ी से पहुंचे संतोष सहनी ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। प्रतिभागियों के बीच पुरस्कार भी बांटे। अधिकारियों ने मंत्री के भाई को भी वही प्रोटोकॉल दिया, जो एक कैबिनेट मंत्री को दिया जाता है। मीडिया में खबर छपी तो विधान परिषद में राजद ने मामला उठा दिया। काफी देर तक हंगामा होता रहा। मंत्री को जवाब देते नहीं बना। विपक्ष का सवाल था कि आखिर कोई मंत्री अपने परिवार के सदस्यों को सरकारी कार्यक्रम में कैसे भेज सकता है।

लालू ने भी किया था उद्घाटन- सत्ता पक्ष पर हमलावर राजद की ओर से भी ऐसा वाकया हो चुका है। 2016 में तत्कालीन स्वास्थ्य मंत्री तेजप्रताप यादव को डॉक्टरों के कार्यक्रम का उद्घाटन करना था, लेकिन पटना में रहते हुए भी वह नहीं गए तो राजद प्रमुख लालू प्रसाद ने खुद मोर्चा संभाल लिया। वह कार्यक्रम में गए और बेटे के बदले खुद उद्घाटन किया। संबोधन भी किया। तब भाजपा नेता और पूर्व उप मुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी ने लालू परिवार पर जमकर हमला किया था।

आनंद अखाड़े की पेशवाई में दिखा नागा संन्यासियों का अवधूती वैभव

हरिद्वार। धर्मनगरी हरिद्वार में आनंद अखाड़े की पेशवाई में नागा संन्यासियों का अवधूती वैभव नजर आया। मध्य हरिद्वार स्थित एसएम जैन डिग्री कॉलेज से सुबह करीब 11 बजे पेशवाई शुरू हुई। पेशवाई ने पुराना रानीपुर मोड़, चंद्राचार्य चौक, खन्ना नगर, योगी विहार शंकर आश्रम सिंहद्वार होते हुए कनखल में प्रवेश किया। पेशवाई में परंपरा अनुसार, सबसे आगे अखाड़े की ध्वजा चल रही थी। उसके पीछे हाथी और अखाड़े

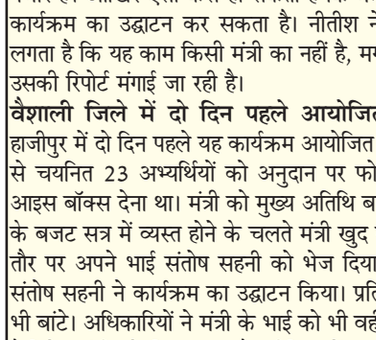

अखाड़े के देवता और अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी बालकानंद गिरि का रथ विराजमान था। आनंद अखाड़े को निरंजनी अखाड़े का छोटा भाई भी कहा जाता है।

आनंद अखाड़ा शाही स्नान में निरंजनी अखाड़े के साथ ही स्नान करता है। इसलिए अखाड़े की पेशवाई में निरंजनी अखाड़े के श्रीमहंत और अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमहंत नरेंद्र गिरि, निरंजनी अखाड़े के सचिव और मनसा देवी मंदिर के अध्यक्ष श्रीमहंत रवींद्र पुरी, निरंजनी अखाड़े के सचिव श्रीमान राम रतन गिरि का रथ इन के बाद चल रहा था। स्वामी बालकानंद गिरि के ठीक पीछे नागा संन्यासियों की पूरी जमात कतारबद्ध होकर चल रही थी। नागा संन्यासी घोड़े और ऊंट पर भी सवार थे। पेशवाई में सैकड़ों की संख्या में शामिल नागा संन्यासी अपनी अवधूती आभा बिखेर रहे थे और अखाड़े के परंपरागत हथियारों और वाद्य यंत्रों का प्रदर्शन कर रहे थे।

पेशवाई पर हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा की गई और सड़क के दोनों तरफ श्रद्धालुओं और स्थानीय निवासियों की भारी भीड़ दिव्य पुरुषों के दर्शन कर निहाल हो रही थी। उन पर पुष्प वर्षा भी की गई। स्थानीय गणमान्य नागरिकों ने जगह-जगह स्टॉल लगाकर पेशवाई का फूल माला से स्वागत किया और पेशवाई में शामिल साधु-संन्यासी वह सुरक्षा में चल रहे पुलिस कर्मियों और अन्य व्यवस्था कर्मियों को जलपान करा रहे थे। पेशवाई में 16 बैंड चल रहे थे, जो अपने भक्ति संगीत से माहौल को भक्तिमय बनाए हुए थे। पेशवाई में हाथी-घोड़े और ऊंट की पूरी जमात शामिल थी।

बाहुबली पूर्व सांसद धनंजय सिंह ने प्रयागराज एमपी/एमएलए कोर्ट में किया सरेंडर, भेजा गया जेल

प्रयागराज । मऊ के ब्लाक प्रमुख रहे अजीत सिंह की लखनऊ में छह जनवरी को हत्या की साजिश रचने वाले पूर्व सांसद बाहुबली धनंजय सिंह को प्रयागराज में एमपी/एमएलए कोर्ट ने जेल भेज दिया है। लखनऊ की कोर्ट से गैरजमानती वारंट जारी होने के बाद लखनऊ पुलिस ने धनंजय सिंह पर 25 हजार का इनाम भी रखा था। इसके बाद जब उसकी संपत्ति कुर्क करने की तैयारी की गई तो माफिया ने शुक्रवार को यहां पर एमपी/एमएलए कोर्ट में सरेंडर कर दिया।

एमपी/एमएलए कोर्ट ने धनंजय सिंह को जेल भेजने के आदेश दिया। अब इस मामले में एक अप्रैल को अगली सुनवाई होगी। लखनऊ में अजीत सिंह की हत्या की साजिश रचने के आरोपित पूर्व सांसद बाहुबली धनंजय सिंह ने प्रयागराज में आत्मसमर्पण कर दिया। धनंजय सिंह ने प्रयागराज की एमपी/एलएलए कोर्ट में शुक्रवार को दिन में करीब 12 बजे आत्मसमर्पण किया है।

जौनपुर में बसपा से सांसद रहे बाहुबली धनंजय सिंह के खिलाफ अजीत सिंह की हत्या के मामले में लखनऊ के विभूति खंड थाना में केस दर्ज है। धनंजय की गिरफ्तारी को लेकर लखनऊ में कोर्ट ने गैरजमानती वारंट जारी किया था। इसके बाद लखनऊ पुलिस ने धनंजय सिंह पर 25 हजार रुपए का इनाम रखने के साथ ही इनकी सारी अवैध संपत्तियों को कुर्क करने की तैयारी कर ली थी।

लखनऊ में पूर्व ब्लाक प्रमुख अजीत सिंह की हुई सनसनीखेज हत्या के षड्यंत्रकारी के रूप में चिह्नित फरार जौनपुर के पूर्व सांसद धनंजय सिंह पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित होते ही शुक्रवार को दोपहर में एमपी-एमएलए कोर्ट में सरेंडर कर दिया। यूपी एसटीएफ की टीमें लखनऊ, हैदराबाद के अलावा

गृह जनपद जौनपुर में भी उनकी तलाश में जुटी थी। अन्य जिलों की पुलिस भी संभावित स्थानों पर ताबड़तोड़ दबिश दे रही थी। इसके साथ ही उनकी चल-अचल संपत्ति कुर्क किए जाने की भी प्रक्रिया शुरू की जा रही थी।

दो वाहनों से चार लोगों के साथ समर्पण करने आया था धनंजय- बाहुबली और पूर्व सांसद धनंजय सिंह शुक्रवार को एमपी, एमएलए कोर्ट में आत्मसमर्पण करने चार पहिया दो वाहनों से पहुंचा था। विकास भवन के पास वाहन से उतरा और चुपचाप अपने तीन साथियों के साथ कचहरी में दाखिल हो गया। सभी लोग गमछे से सिर ढंके हुए थे। ये सभी कचहरी में सीधे एमपी/एमएलए कोर्ट के बाहर पहुंचे। यहां आपस में बातचीत की और फिर अपने अधिवक्ता के साथ धनंजय सिंह ने कोर्ट में आत्मसमर्पण कर दिया। धनंजय सिंह पर दो दिन पहले ही लखनऊ पुलिस ने 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। धनंजय सिंह अजीत सिंह हत्याकांड में आरोपित है।

वह इस मामले में फरार था, लेकिन कोर्ट में उसने इस मामले में आत्मसमर्पण नहीं किया, बल्कि जौनपुर के एक पुराने मामले में उसके जमानतदार ने अपनी जमानत वापस ले ली, जिस पर पूर्व सांसद ने कोर्ट में समर्पण कर दिया।

धनंजय सिंह ने हाईकोर्ट में खुद ही पेश की अपनी हिस्ट्रीशीट- इसके पूर्व लाकडाउन के दौरान जिले में रंगदारी के लिए नमामि गंगे परियोजना के प्रोजेक्ट मैनेजर अभिनव सिंघल के अपहरण के मामले में धनंजय सिंह को गिरफ्तार किया गया था। हाईकोर्ट के सशर्त जमानत मंजूर किए जाने पर पिछले साल 27 अगस्त को धनंजय सिंह जेल से रिहा हुए थे। लखनऊ में पुलिस मुठभेड़ में मारे गए शूटर गिरधारी विश्वकर्मा उर्फ डाक्टर के रिमांड के दौरान दिए गए बयान और अन्य साक्ष्यों के आधार पर धनंजय सिंह को अजीत सिंह हत्याकांड में मुख्य षड्यंत्रकारी बनाया गया है। जमानत अर्जी के साथ धनंजय सिंह ने हाईकोर्ट में खुद ही अपनी हिस्ट्रीशीट पेश की थी। हाईकोर्ट में दिए गए हलफनामा में धनंजय ने हवाला दिया कि उनके विरुद्ध कुल 38 केस दर्ज हैं। इनमें से 24 में वह अदालत से बरी हो चुके हैं। एक मुकदमे में वह डिस्चार्ज हैं। चार मुकदमों में फाइनल रिपोर्ट लग चुकी है। तीन केस सरकार की तरफ से वापस हो चुके हैं। धनंजय सिंह रारी से 2002 व 2007 में दो बार विधायक व जौनपुर से बसपा से 2009 में सांसद भी थे।

इस बच्ची को लगेगा 22 करोड़ का इंजेक्शन, पीएम मोदी से लगाई गुहार

गोरखपुर । गंभीर बीमारी स्पाइनल मस्कुलर एट्राफी (एसएमए) टाइप वन से जूझ रही मासूम परी का मामला प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री तक पहुंच गया है। अब उसका इलाज होने की उम्मीद बढ़ गई है। सदर सांसद रवि किशन ने परी की बीमारी के बारे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर जानकारी दी है।

पीएम राहत कोष से मदद की गुहार

सांसद के प्रतिनिधि समरेंद्र विक्रम सिंह शाहपुर के घोसीपुरवा स्थित मुक्तिनाथ के घर पहुंचे। उनकी साढ़े छह साल की बेटी गरिमा उर्फ परी इस बीमारी से जूझ रही है। उन्होंने परी के स्वजन से बात कर सांसद को पूरी जानकारी दी। प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में सांसद ने कहा है कि मुंबई की तीरा कामत की तरह परी को भी मदद की दरकार है। परी के इलाज में लगने वाला इंजेक्शन उन्होंने इस रकम को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से दिलाने की मांग की है।

सीएम को भी लिखा पत्र- मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में सांसद ने मुख्यमंत्री विवेकाधीन राहत कोष से आर्थिक मदद करने की अपील की है। समरेंद्र विक्रम सिंह ने बताया कि जल्द ही परी के इलाज के कागजात को लेकर सांसद प्रधानमंत्री से व्यक्तिगत तौर पर मिलेंगे। स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी एक लाख में एक बच्चे को होती है। इस बीमारी का इलाज बेहद महंगा है।

इसमें जीन थेरेपी होती है। विश्व के चंद अस्पतालों में इसका इलाज होता है। इस बीमारी के इलाज में ही 16 करोड़ का जोल्जनसमा इंजेक्शन लगता है। आयात टैक्स लेकर इसकी कीमत लगभग 22 करोड़ रुपये हो जाती है। इसे स्विट्जरलैंड की नोवार्टिस कंपनी बनाती है। मुंबई के एसआरसीसी अस्पताल में भर्ती तीरा कामत को यह इंजेक्शन लगना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इंजेक्शन पर लगे टैक्स को माफ कर दिया है।

बिहार में खुद अपराधियों का एनकाउंटर कर सकते हैं नीतीश के ये विधायक, विवादित बयान पर गरमाई सियासत

पटना । बिहार में कानून-व्यवस्था की स्थिति में सुधार को लेकर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में शामिल भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने यहां उत्तर प्रदेश के योगी आदित्यनाथ मॉडल को लागू कराने पर बल दिया। इस मामले में जेडीयू के विधायक गोपाल मंडल ने बिहार में नीतीश मॉडल को ठीक बताया है। साथ ही विवादास्पद बयान देकर नया बखेड़ा खड़ा कर दिया है। उन्होंने कहा कि उनके पास भी लाइसेंसी हथियार है, अगर जरूरत पड़ी तो वे खुद चढ़कर गोली मार देंगे। जो होगा देखा जाएगा। जब वे विधायक नहीं थे, तब अपराधियों का एसटीएफ से एनकाउंटर करवा देते थे। उनके इस विवादित बयान पर बिहार की सियासत गरमा गई है।

जरूरत पड़ने पर अपराधियों पर चलाते हैं गोली- बिहार में अपराध नियंत्रण को लेकर जेडीयू नेता व बिहपुर से चौथी बार के विधायक गोपाल मंडल ने कहा है कि कोई कुछ भी बोले, बिहार में कानून का राज है। जब जरूरत पड़ती है वे खुद चढ़ कर गोली चलाते हैं। इसमें वे कभी देरी नहीं करेंगे। आगे जो होगा देखा जाएगा। वे 10 नाल राइफल लेकर चलते हैं।

बिहार में कोई मलखान सिंह व फूलन देवी नहीं- विधायक गोपाल मंडल ने कहा कि बिहार में योगी आदित्यनाथ मॉडल की जरूरत नहीं है। यहां कोई डाकू मलखान सिंह व फूलन देवी आदि नहीं हैं। आज बिहार में एसटीए सोया हुआ है। इसे मुख्यमंत्री नीतीया कुमार जगा देंगे।

एसटीएफ बुलवाकर करा देते थे एनकाउंटर- गोपाल मंडल ने यह भी कहा कि विधायक बनने के पहले जब उन्हें किसी अपराधी की जानकारी मिलती थी, एसटीएफ को बुलवाकर उसका एनकाउंटर करवा देते थे। आज भी किसी दुर्दांत अपराधी की जानकारी मिलती है तो एसटीएफ की मदद से एनकाउंटर करवाते हैं। किसी दुर्दांत अपराधी को मरवा देना अपराध नही है। इसी कारण उनके विधानसभा क्षेत्र में अपराध की घटनाएं कम हुई हैं। उन्होंने आगे कहा कि उन्हें जनता ने विधायक बनाया है और अपने इलाके को अपराध-मुक्त बनाना उनका कर्तव्य है।

विवादित बयान पर कांग्रेस ने मांगा नीतीश से जवाब- जेडीयू विधायक गोपाल मंडल के विवादित बयान पर बिहार में राजनीति गरमाती दिख रही है। कांग्रेस विधायक दल के नेता अजित शर्मा ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से जवाब मांगा है। उन्होंने कहा है कि जब नीतीश के विधायक ही खुद एनकाउंटर करवाने की बात कर रहे हैं तो वे कैसे कानून का राज होने की बात करते हैं ऐसे विधायक पर तो कार्रवाई होनी चाहिए।

अप्रैल में होगा दीक्षा समारोह, कुलाधिपति से कुलपति ने की मुलाकात, मांगी गई संभावित तिथि

भागलपुर। तिलकामांझी भागलपुर विश्वविद्यालय (टीएमबीयू) का दीक्षा समारोह ऑफलाइन मोड में होगा। इसकी संभावित तिथि जल्द ही जारी होगी, यह तय हो गया है कि समारोह अप्रैल में होगा। टीमएबीयू की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता को कुलाधिपति फागु चौहान ने इसके लिए अनुमति दे दी है। कुलपति ने कहा कि उन्होंने कुलाधिपति से चर्चा के दौरान कोविड के प्रभाव को कम होने की बात कह दीक्षांत समारोह की अनुमति मांगी। इस बात पर उन्होंने इसकी अनुमति दे दी है।

कुलपति ने बताया कि अप्रैल माह में तीन संभावित तिथियां मांगी गई है। जिसमें एक पर विचार कर समारोह की अनुमति दी जाए। इस समारोह में कुलाधिपति भी हिस्सा लेंगे। इसके अलावा कुलपति ने कुलाधिपति से कानपुर में चल रहे कुछ प्रोजेक्ट को टीएमबीयू में भी चलाने की चर्चा की। इस पर भी कुलपति को उनकी अनुमति मिल गई है। जल्द ही इस पर टीएमबीयू में कार्य शुरू कर दिया जाएगा।

बता दें कि पूर्व में दीक्षा समारोह की संभावित तिथि जनवरी में तय की गई थी, लेकिन इसे ऑनलाइन कराने की तैयारी चल रही थी। कोविड-19 का प्रभाव खत्म होने के बाद ऑफलाइन मोड में भी इसके लिए प्राक्कलन तैयार किया था। ऐसे में ऑफलाइन मोड में दीक्षा समारोह की अनुमति मिलने पर अब तैयारी एकाग्रता के साथ हो सकेगी। अब तक विश्वविद्यालय में छह हजार छात्र-छात्राओं ने दीक्षा समारोह में हिस्सा लेने के लिए आवेदन किया है। जिसमें करीब पांच हजार से ज्यादा डिग्रियां तैयार कर ली गई है। इस लेकर मंगलवार को कुलपति ने अपने अधिकारियों के साथ बैठक भी की थी। इसके अलावा कुलपति ने मुख्य समारोह स्थल के अलावा गेस्ट हाउस की भी व्यवस्था देखी थी। जहां अतिथियों को ठहरना है। टीएमबीयू के पूर्व एफए पद्माकान्त झा ने टीएनबी प्राचार्य डॉ. संजय कुमार चौधरी द्वारा प्रभारी कुलपति रहते हुए की गई गड़बड़ी से राजभवन को अवगत कराया है। श्री झा को राजभवन ने टीएनबी कॉलेज के 14 कर्मियों को गलत तरीके से वेतन भुगतान और टीएनबी प्राचार्य पर वित्तीय गड़बड़ी मामले में गलत रिपोर्ट देने के आरोप में हटाया था।

उत्तर प्रदेश सुन्नी वक्फ बोर्ड में अब चुनाव नहीं होगा, निर्विरोध होंगे सभी सदस्य

लखनऊ । उत्तर प्रदेश सुन्नी वक्फ बोर्ड का चुनाव अब नहीं होगा। निर्धारित संख्या से अधिक प्रत्याशी होने के कारण चुनाव की संभावना थी, लेकिन आज दो लोगों के नाम वापस लेने से चुनाव की सारी संभावना समाप्त हो गई है।

उत्तर प्रदेश सुन्नी वक्फ बोर्ड के चुनाव में नामांकन से पहले ही मतदान की सारी संभावना समाप्त हो गई है। सदस्य के प्रत्याश के रूप में संभल के विधायक इकबाल महमूद तथा एमएलसी परवेज अली ने आज नाम वापस ले लिया है। अब विधायक कोटे के दो पदों के लिए दो प्रत्याशी बचे हैं। इस तरह से सुल्तानपुर के विधायक अबरार अहमद तथा आजमगढ़ के विधायक नफीस अहमद का निर्विरोध निर्वाचन तय हो गया है। बोर्ड के चुनाव के लिए सांसद, मुतवल्ली व बार कौंसिल सदस्य कोटे के दो-दो पदों के लिए पहले ही दो-दो प्रत्याशियों ने नामांकन भरे थे।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर में 130 करोड़ की परियोजनाओं का किया शिलान्यास व लोकार्पण

गोरखपुर । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को रामगढ़ताल स्थित ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ पार्क में 130 करोड़ 59 लाख रुपये की परियोजनाओं की सौगात दी। उन्होंने 54.20 करोड़ रुपये लागत की 16 परियोजनाओं का शिलान्यास किया। साथ ही 76.39 करोड़ रुपये की लागत की नौ परियोजनाओं का लोकार्पण किया। इसके साथ ही शहर के पटरी व्यवसायियों को व्यवसाय के लिए तीन स्थानों पर वेंडिंग जोन भी समर्पित किया।

लगातार दूसरे दिन शुक्रवार सुबह ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ पार्क पहुंचे मुख्यमंत्री ने ट्रांसपोर्टनगर पुलिस चौकी के पीछे बने वेंडिंग जोन, हरिओमनगर एवं रुस्तमपुर में बने वेंडिंग जोन का लोकार्पण किया। वह पटरी व्यवसायियों को प्रमाण पत्र भी देंगे। इस दौरान महापौर सीताराम जायसवाल, सांसद कमलेश पासवान, नगर विधायक डा. राधा मोहनदास अग्रवाल, ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के विधायक विपिन सिंह, महेंद्र पाल सिंह, फतेहबहादुर सिंह, शीतल पांडेय, संगीता यादव, संत प्रसाद, विमलेश पासवान आदि मौजूद रहे।

इन परियोजनाओं का किया लोकार्पण

दो करोड़ 39 लाख 37 हजार रुपये की लागत से महेवा

ट्रांसपोर्टनगर पुलिस चौकी के पीछे माडल वेंडिंग जोन का निर्माण कार्य

एक करोड़ तीन लाख एक हजार रुपये की लागत से हरिओम तिराहा एवं रुस्तमपुर में वेंडिंग जोन का निर्माण कार्य

58 लाख रुपये की लागत से नगर क्षेत्र में मानसिक मंदित आश्रय गृह सह प्रशिक्षण केंद्र की बाउंड्री और टाइप दो आवास का निर्माण

14 करोड़ 16 लाख 11 हजार रुपये की लागत से जंगल कौडिया तुर्कवलिया होते हुए जसवल चौराहा तक मार्ग चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कार्य

दो करोड़ 51 लाख 28 हजार रुपये की लागत से देवरिया बाईपास मार्ग पर भगत चौराहा के गणपति मैरेज हाल से कजाकपुर तक सीसी रोड एवं नाली निर्माण कार्य

चार करोड़ 99 लाख 21 हजार रुपये की लागत से गोरखपुर-देवरिया उपमार्ग के अंतर्गत सतह सुधार का कार्य

16 करोड़ 12 लाख 95 हजार रुपये की लागत से कैंपियरगंज क्षेत्र में लोहरपुरवा ठाकुर नगर बीएमसीटी तक सड़क का चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कार्य

20 करोड़ 42 लाख की लागत से भटहट क्षेत्र में भटहट माधी बास स्थान मार्ग का चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण

13 करोड़ 76 लाख 66 हजार की लागत से ब्रह्मपुर ब्लाक मुख्यालय को जोडने के लिए चौरीचौरा नई बाजार-इटौवा घाट, गाबडौर मार्ग का चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण का कार्य

इन कार्यों का किया शिलान्यास

एक करोड़ 15 लाख रुपये की लागत से जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) के सुदृढ़ीकरण का कार्य

66.96 लाख रुपये की लागत से अघोरपीठ स्थल के पर्यटन विकास एवं सुंदरीकरण का कार्य

एक करोड़ 60 लाख दो हजार रुपये की लागत से बुढिया माई मंदिर स्थल का पर्यटन विकास एवं सुंदरीकरण कार्य

75.87 लाख रुपये की लागत से सरदारनगर क्षेत्र में शहीद बंधु सिंह स्मारक स्थल का पर्यटन विकास एवं सुंदरीकरण कार्य

एक करोड़ 39 लाख 14 हजार रुपये की लागत से पिपरौली क्षेत्र में ग्राम पंचायत ककराखोर से बरवल संपर्क मार्ग तक संपर्क मार्ग

एक नजर

आरडीयू में ह्रदय को स्वस्थ्य रखने व्याख्यानमाला

जबलपुर। रानी दुर्गावती यूनिवर्सिटी अधिष्ठाता छात्र कल्याण एवं शारीरिक शिक्षण विज्ञान के संयुक्त तत्वावधान में गुरुवार को हृदय स्वास्थ्य को लेकर व्याख्यान माला का आयोजन किया गया। इसमें हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. नितिन दास द्वारा स्वस्थ्य जीवन शैली से लेकर हृदय रोगों से बचाव की जानकारी प्रदान की। कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र ने लोगों को स्वस्थ्य जीवन शैली अपनाने हेतु प्रेरित किया। इस अवसर पर कुलसचिव प्रो. दीपेश मिश्रा, प्रो. आरके यादव, प्रो. अलका नायक, डॉ. राजेश्वरी राणा, डॉ. प्रवेश पाण्डेय, डॉ. हरीश यादव, डॉ. आशीष यादव सहित अन्य शिक्षक, अतिथि विद्वान, अधिकारी, कर्मचारी, विद्यार्थी मौजूद रहे। संचालन डीएसडब्ल्यू प्रो. विवेक मिश्रा एवं आभार प्रदर्शन डॉ. विशाल बन्ने ने किया।

महिला दिवस पर आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को किया जागरूक

जबलपुर। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में अजाक्स ट्रूकेयर फाउंडेशन द्वारा आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन गुरुवार को हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भाजयुमो महिला मोर्चा जिला महामंत्री श्रीमती रूपा राव ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को शपथ दिलाई गई। फाउंडेशन सचिव डॉ. अधिरा ए.नायर, विशेष अतिथि स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. अवनि अग्रवाल, डॉ. संजय कुमार श्रीवास्तव आदि ने जानकारी प्रदान की।

प्रज्ञाधाम में बटुकों का यज्ञोपवीत संस्कार संपन्न

जबलपुर। स. प्रज्ञा पीठ प्रज्ञा धाम कटंगी में नौ दिवसीय विराट राज सुय महायज्ञ एवं महाशिवरात्रि कुंभ मेला के द्वितीय दिवस बटुकों का उपनयन संस्कार संपन्न हुआ। आयोजन में प्रज्ञा पीठाधीश्वर डॉ. साध्वी विभानंद गिरी ने कहा कि यज्ञोपवीत ब्रह्म सूत्र है, यह त्रिपदा गायत्री है। बिना यज्ञोपवित के कोई भी धार्मिक अनुष्ठान संपन्न नहीं किया जा सकता, इसे जनेऊ भी कहते हैं। सनातन धर्म में इसका बड़ा महत्व है। नौ दिवसीय अनुष्ठान के तृतीय दिवस 5 मार्च को श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ होगा। इसी दिन से राज सूर्य महायज्ञ के कुंडों में विश्वकल्याण के लिए आहुतियां अर्पित की जायेगी। सभी भक्तों से स्थिति का आग्रह किया गया है।

क्षत्रिय महासभा ने दी स्व. सांसद नंदकुमार चौहान को श्रद्धांजलि

जबलपुर। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के मार्गदर्शक स्व. सांसद नंदकुमार चौहान को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। स्व. नंदकुमार चौहान की स्मृति में अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के प्रदेश कार्यालय में संगठन प्रदेश अध्यक्ष शैलेंद्र सिंह के नेतृत्व में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया इसमें मुख्य रूप से समस्त क्षत्रिय महासभा के सदस्य और महिला सदस्य मौजूद रहे।

सेवानिवृत्त प्रधान आरक्षक ने लिया देहदान का संकल्प

जबलपुर। पुलिस विभाग से रिटा. प्रधान आरक्षक ओमप्रकाश बेनबंशी ने मरणोपरांत देहदान करने का संकल्प लिया है, साथ ही किसी भी प्रकार के मृत्यु भोज नहीं करने की भी बात कही है। उनके बड़े भ्राता प्रभुदास बेन ने बताया कि जिला कलेक्टर कर्मवीर शर्मा द्वारा उन्हें प्रशस्ति पत्र भी प्रदान किया जाएगा।

आज हाईकोर्ट में नहीं होगी प्रकरणों की सुनवाई

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट की जबलपुर मुख्यपीठ सहित इंदौर व ग्वालियर खंडपीठ में आज 5 मार्च को प्रकरणों की सुनवाई नहीं होगी। इस संबंध में मप्र हाईकोर्ट ने आदेश जारी किये है। हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल राजेन्द्र कुमार वाणी की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि हाईकोर्ट की जबलपुर स्थित मुख्यपीठ सहित इंदौर व ग्वालियर की खंडपीठ में आज शुक्रवार 5 मार्च को प्रकरणों की सुनवाई नहीं होगी। इसके एवज में 25 सितम्बर दिन शनिवार को मुख्यपीठ सहित दोनों खंडपीठ में प्रकरणों की सुनवाई होगी।

पाटन में रोजगार मेला आज

जबलपुर। ग्रामीण क्षेत्र के बेरोजगार युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने हेतु जिला प्रशासन के निर्देशानुसार जिला रोजगार कार्यालय एवं राष्ट्रीय आजीविका मिशन के संयुक्त तत्वावधान में जिले के पांच जनपद पंचायतों में रोजगार मेला के आयोजन की तिथि व स्थल निर्धारित कर दिया गया है। जनपद पंचायत पाटन में रोजगार मेला 5 मार्च कोए जनपद पंचायत कुण्डम में 6 मार्च को तथा जनपद पंचायत जबलपुर के ग्राम पंचायत सालीवाड़ा गौर में 8 मार्च को रोजगार मेला आयोजित होगा। जबकि जनपद पंचायत मझौली में रोजगार मेला 9 मार्च को तथा जनपद पंचायत पनागर में रोजगार मेला 10 मार्च को लगेगा। रोजगार मेला में निजी क्षेत्र की कंपनियों द्वारा डायरेक्ट सेल्स मार्केटिंगए सिक्योरिटी गार्ड, मशीन ऑपरेटर, कस्टमर केयर एग्जिक्यूटिव सहित बीमा अभिकर्ता आदि पद पर साक्षात्कार लेकर चयन किया जायेगा।

संभागायुक्त ने ग्वारीघाट पहुंचकर लिया तैयारियों का जायजा

जबलपुर। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के प्रस्तावित जबलपुर प्रवास के दौरान शनिवार 6 मार्च की शाम को मां नर्मदा की महाआरती में शामिल होने के कार्यक्रम के मद्देनजर आरती स्थल उमाघाट ग्वारीघाट में सुरक्षा के चाक-चौबंद इंतजाम किये गये हैं। संभागायुक्त बी. चंद्रशेखर और आईजी भगवत सिंह चौहान ने भी गुरुवार शाम उमाघाट पहुंचकर यहां की तैयारियों और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान जिला पंचायत की सीईओ रिजु बाफ्ना, एसडीएम गोरखपुर मणीन्द्र सिंह एवं अन्य अधिकारी मौजूद थे। कोविड-19 के दिशा-निर्देश के तहत ऐतिहयातन आरती में शामिल होने वाले सभी आचार्यों एवं पुरोहितों का कोविड टेस्ट किया गया है।

सेंटर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियंस के कार्यकर्ता गुवाहाटी में खाना पकाने और ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी पर विरोध प्रदर्शन करते हुए।

राजस्थान के डूंगरपुर में लकड़ी तस्करों ने वन विभाग की टीम को कुचलने का किया प्रयास

उदयपुर । डूंगरपुर जिले में लकड़ी तस्करों ने वन विभाग के अधिकारियों को किया कुचलने की कोशिश की है। मामले का खुलासा घटना के तीन दिन बाद पुलिस केस दर्ज कराए जाने के बाद हुआ है। मिली जानकारी के अनुसार घटना डूंगरपुर जिले के पूंजपुर-काब्जा मार्ग की रात है। तीन दिन पहले रात बारह बजे वनकर्मियों ने नाकाबंदी के दौरान गीली लकड़ी लेकर जा रहे एक ट्रक को रोकने का प्रयास किया। ट्रक में आम की गीली लकड़ी थी तथा तस्करों ने वनकर्मियों की नाकाबंदी तोड़ी और भाग निकले। जिस पर क्षेत्रीय वन अधिकारी ने साथी कर्मचारियों के साथ विभागीय बोलेरो के साथ उसका पीछा किया तो लकड़ी ले जा रहे ट्रक को एस्कॉर्ट कर रहे वाहन ने वन अधिकारियों की गाड़ी को टक्कर मारी तथा वनकर्मियों ने मारपीट की।

बताया गया कि तस्करों के हमले में क्षेत्रीय वन अधिकारी बाल-बाल बच गए। देरी से रिपोर्ट दर्ज कराए जाने के मामले में क्षेत्रीय वन अधिकारी सेबूलाल निनामा का कहना है कि घटना के अगले दिन जयपुर में कार्यशाला में भाग लेने जाना था जिसके चलते जयपुर से लौटने के बाद रिपोर्ट दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि तस्करों की मारपीट में वन विभाग के हितेन्द्र सिंह तथा चंद्रवीरसिंह को चोटें आई हैं।

वन विभाग की टीम ने तस्करों के ट्रक को मलापा चौराहे पर खड़ा पाया, वहां पहुंचे तो पहले से हथियार लेकर खड़े तस्कारों ने वनकर्मियों की टीम पर हमला कर दिया था। उन्होंने बताया कि जिले के बोडीगामा, तालौरा और बनकोड़ा क्षेत्र के जंगल से लकड़ी की तस्करी को लेकर विभाग विशेष सतर्कता बरत रहा है।

क्षेत्रीय वन अधिकारी सेबूलाल निनामा ने मलापा गांव निवासी देवराम मीणा, उसके बेटे नरेश एवं दिलीप मीणा, अमृत मीणा, उसके भाई पूंजा, बेटा किशोर तथा भवेश के खिलाफ आसपुर थाने में मामला दर्ज कराया गया है।

उदयपुर में कोरोना ब्लास्ट, अंध विद्यालय के 28 बच्चे कोरोना पॉजीटिव निकले

उदयपुर । कोरोना महामारी के दौरान मिली राहत के बीच उदयपुर में कोरोना ब्लास्ट की जानकारी मिली है। यहां के सरकारी अंध विद्यालय के 28 बच्चे एक साथ कोरोना पॉजीटिव पाए गए हैं। इससे प्रशासन एवं चिकित्सा विभाग में हड़कम्प मच गया है। एक ही स्कूल के बच्चों के बड़ी संख्या में कोरोना पॉजीटिव पाए जाने पर स्कूल को सेनेटाइज कराया गया है। साथ ही बाकी बच्चों की जांच कराए जाने की व्यवस्था की गई है।

बताया गया कि कोरोना विस्फोट का मामला उदयपुर के अंबामाता स्थित राजकीय प्रज्ञा चक्षु उच्च माध्यमिक अंध विद्यालय का है। उदयपुर जिला कलेक्टर चेतनराम देवड़ा, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी प्रशासन एवं चिकित्सा दल के साथ स्कूल पहुंचे। इस स्कूल के स्टाफ तथा अन्य बच्चों की कोरोना जांच के लिए व्यवस्था संबंधी निर्देश दिए हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.दिनेश खराड़ी ने बताया कि दो दिन पहले इस स्कूल की एक शिक्षिका के कोरोना पॉजीटिव पाए जाने के बाद स्कूल प्राचार्य ने स्टाफ तथा बच्चों की कोरोना जांच कराने के लिए पत्र लिखा था। गुरुवार को 28 बच्चों के सैम्पल लिए गए थे और उनकी रिपोर्ट शुक्रवार सुबह मिली। सभी बच्चे कोरोना पॉजीटिव पाए गए हैं।

उन्होंने बताया कि इस विद्यालय के 11 बच्चे बाहर रहते हैं, जबकि अन्य होस्टल में रहते हैं। जिन बच्चों के सैम्पल गुरुवार को नहीं लिए गए, उनकी जांच शुक्रवार को जांच की जाएगी। पूरे स्कूल परिसर को सेनेटाइज करा दिया गया है। स्कूल के स्टाफ को भी कोरोना की जांच कराने के लिए कहा गया है।

जो बच्चे बाहर से स्कूल में पढ़ने आते हैं, उनके परिजनों को भी जांच की जाएगी और उनसे संपर्क कर अपील की गई है कि वह जब तक जांच रिपोर्ट नहीं मिले, तब तक सतर्कता बरतें तथा अपने घरों में ही होम क्वारेनटाइन रहें।

साबरमती नदी में कूदने वाली आयशा थी गर्भवती, पति का घिनौना चेहरा उजागर

अहमदाबाद । हंसते-हंसते मोबाइल पर वीडियो बनाने के बाद साबरमती नदी में कूदकर जान देने वाली आयशा गर्भवती थी। सुबह नौ बजे ऑफिस पहुंचकर वह पति से सुलह करना चाहती थी, लेकिन पति आरिफ ने उसे आत्महत्या के लिए उकसाया। इस मामले में आरोपित को नामर्द कहते हुए लताड़ने वाले एआइएमआइएम के सांसद असदुद्दीन औवेसी का वीडियो भी खूब वायरल हो रहा है। स्थानीय अदालत ने पत्नी आयशा को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में छह मार्च तक पुलिस रिमांड पर सौंप दिया है। रिवरफ्रंट थाना पुलिस ने बताया कि आयशा गर्भवती थी तथा वह पति आरिफ से बात करके सुलह करना चाहती थी, लेकिन आरिफ किसी अन्य युवती के साथ प्रेम संबंध में होने के चलते आयशा को प्रताड़ित करके उससे छुटकारा पाना चाहता था। आरिफ व उसके परिवार वाले आयशा के किसी ओर से गर्भवती होने का भी शक करने लगे थे।

पुलिस को यह भी पता चला है कि आरिफ अपनी इस प्रेमिका से आयशा के कमरे में रहते वीडियो कॉल करता था तथा आयशा को मानसिक रूप भी प्रताड़ित करते हुए कहता था कि तुम मेरी जिंदगी में स्पेयर व्हील की तरह हो। आयशा ने अहमदाबाद के एफडी गर्ल्स कॉलेज से स्नातक किया था तथा वह आगे पढ़कर प्रोफेसर बनना चाहती थी। आयशा दसवीं, बारहवीं तथा स्नातक में हमेशा पढ़ाई में अव्वल रही थी। आरिफ राजस्थान के जालोर में तीन आलीशान मकान व चार दुकान का मालिक है तथा मासिक 50 हजार की आय होने पर भी आयशा को दहेज के लिए प्रताड़ित करता था। गत रविवार को आयशा ने पति के कहने पर ही हंसते हुए एक वीडियो बनाया तथा अपनी मर्जी से आत्महत्या की बात कहते हुए नदी में कूद गई थी। आरिफ उसी वीडियो को वायरल कर खुद के बेकसूर होने का दावा कर रहा था, लेकिन अहमदाबाद पुलिस उसे राजस्थान के पाली से गिरफ्तार कर लाई है। आयशा के पिता लियाकत अली का कहना है कि उसने आरिफ को अपनी जमा पूंजी में से एक लाख 50 हजार रुपये दिए उसके बाद फिर भी वह दहेज की मांग करता रहा। एआइएमआइएम के सांसद असदुद्दीन औवेसी ने हैदराबाद में एक सभा में आरोपी आरिफ व उसके परिवार वालों को नामर्द बताते हुए कहा कि एक महिला पर जुल्म करना कहां की मर्दानगी है। औवेसी ने इस तरह के अपराध करने वालों को अल्लाह से डरने की नसीहत देते हुए कहा कि तुम इंसान कहलाने के लायक नहीं हो। औवेसी के इस बयान की खूब तारीफ भी हो रही है। गौरतलब है कि औवेसी की पार्टी ने हाल ही गुजरात के स्थानीय चुनाव में हिस्सा लिया है तथा उसे कई जगह पर सफलता भी मिली है। गुजरात में उनकी पार्टी खासी रुचि दिखा रही है।

मुंबई में कोरोना का कहर, राधा कृष्ण रेस्तरां के 10 कर्मचारी हुए संक्रमित

मुंबई । कोरोनोवायरस के बढ़ते मामलों के बीच, मुंबई के राधा कृष्ण रेस्तरां के 10 कर्मचारी कोरोना पॉजिटिव पाये गए हैं। बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) से मिली जानकारी के अनुसार इन सभी 10 को इलाज के लिए बीकेसी जंबो कोविड सेंटर में भेज दिया गया है। ये नामी रेस्तरां एसवी रोड, अंधेरी (पश्चिम) मुंबई में स्थित है। बता दें कि मीरा भयंदर नगर निगम ने अपने स्टाफ के 21 लोगों कोरोना संक्रमित होने के बाद घातक वायरस का पता लगाने के बाद सील कर दिया गया था। मीरा भयंदर नगर निगम ने होटल एक्सप्रेस इन के स्टाफ के 21 लोगों के कोरोना संक्रमित होने पर उसे सील कर दिया था।

महाराष्ट्र में वीरवार को कोरोना संक्रमण के 8,998 नए मामले दर्ज किए गए जिसके बाद राज्य में कुल संक्रमित मरीजों की संख्या बढ़कर 21,88,183 तक पहुंच गई। 60 मरीजों की मृत्यु के बाद मौत का आंकड़ा बढ़कर 52,340 तक पहुंच गया। लगातार बढ़ रहे मामलों को देखते हुए पालघर जिला कलेक्टर माणिक गुरसल ने जिले में तीन साप्ताहिक बाजार बंद करने का आदेश दिया था।

पिछले 24 घंटों में राज्य में कुल 86,794 लोगों को कोरोना टेस्ट किया गया है। बता दें कि राज्य में अब तक कुल 1,65,96,300 लोगों का कोरोना टेस्ट किया जा चुका है। वर्तमान समय में कुल 3,91,288 लोग होम क्वारंटाइन में हैं और 4,109 अन्य लोग संस्थागत संगरोध में हैं। महाराष्ट्र उन राज्यों में से एक है जहां पिछले कुछ हफ्तों में कोरोना संक्रमण के मामलों में भारी वृद्धि दर्ज की गई है। भारत ने पिछले 24 घंटों में 12,800 रोगी ठीक हुए और कोरोना संक्रमण के 16,800 नए मामले दर्ज किए गए। बता दें कि भारत में सक्रिय मामलों की संख्या 1.75 लाख से अधिक हो चुकी है।

'राष्ट्रवाद और युवा सरोकार' पर विचार रखेंगे देश के ख्यातिलब्ध विद्धान

जबलपुर। राष्ट्रनायक नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 125 वीं जयंती के उपलक्ष्य में 5 मार्च प्रातः 10 बजे केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान के मुख्य आतिथ्य में नेताजी सुभाषचंद्र बोस: राष्ट्रवाद व युवा सरोकार विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन होगा। शहीद स्मारक सभा भवन, गोलबाजार में आयोजित इस कार्यक्रम की अध्यक्षता केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार प्रहलाद सिंह पटेल करेंगे। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के न्यासी जबलपुर निवासी आलोक जैन ने बताया कि आयोजन में आमंत्रित अतिथि व वक्ता के रूप में नेताजी सुभाष चंद्र बोस के भतीजे चंद्र कुमार बोस, कोलकाता के अलावा मेजर जनरल जीडी बख्शी, प्रो. कपिल कुमार दिल्ली, डॉ. राघव शरण शर्मा बनारस, एस प्रेमानंद शर्मा मणिपुर व देवेंद्र शर्मा जयपुर व रवींद्र बाजपेयी जबलपुर की उपस्थिति उल्लेखनीय होगी। इसके अलावा सिंगापुर से मनीष त्रिपाठी ऑनलाइन जुड़कर अपने विचार रखेंगे।

नेताजी के व्यक्तित्व-कृतित्व पर केंद्रित प्रदर्शनी: विभागाध्यक्ष संरक्षण विभाग एवं प्रभारी स्मरणोत्सव अचल पंड्या ने बताया कि प्रथम सत्र में युवाओं के प्रेरणास्रोत नेताजी विषय पर 11.30 से 12.30 तक विषय विशेषज्ञों के व्याख्यान होंगे। इसके बाद दोपहर दो से तीन बजे तक नेताजी का राष्ट्रवाद विषय पर देश के प्रतिष्ठित वक्ता अपने विचार रखेंगे। दो वैचारिक सत्रों के बाद समापन सत्र दोपहर साढ़े तीन से साढ़े चार बजे तक आयोजित होगा। राष्ट्रीय संगोष्ठी के अलावा प्रो.कपिल कुमार के निर्देशन में नेताजी सुभाष चंद्र बोस के के व्यक्तित्व-कृतित्व पर केंद्रित प्रदर्शनी का भी आयोजन किया जाएगा।

पेट्रोल-डीजल और रसोई गैस के दाम बढ़ाने के विरोध में प्रदर्शन

जबलपुर। पेट्रोल, डीजल, रसोई गैस मूल्य वृद्धि के विरोध में गुरुवार को युवा कांग्रेस द्वारा गौतम मढ़िया में एकत्रित होकर रैली निकाल जमकर नारेबाजी प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन के पश्चात मदन महल दशमेश द्वार चौराहे पर युकां कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री के पुतले का दहन कर अपना विरोध जताया।

विरोध प्रदर्शन के दौरान युकां नेता सचिन बाजपेई ने बताया कि भाजपा सरकार द्वारा लगातार प्रतिदिन पेट्रोल, डीजल व रसोई गैस के दामों में वृद्धि की जा रही है, जिससे आम जनों का जीवन यापन करना दूभर हो रहा है। वहीं मप्र की भाजपा सरकार द्वारा भी पेट्रोल, डीजल, रसोई गैस में टैक्स के रूप में भारी रकम आम जनता की जेब से ली जा रही है। विरोध प्रदर्शन के दौरान युवा कांग्रेस के सलिल चौकसे, प्रमोद पटेल, मिंटू मिश्रा, नितिन सिंह, श्रेष्ठ ठाकुर, विवेक जैन, शादाब मंसूरी, आशू अली, उमेश अवस्थी, लकी ठाकुर, शरद मेहरा, आदित्य महोबिया, पप्पन गुप्ता, राहुल लोधी, पप्पू ठाकुर, रॉबिन तिवारी, विक्रम सिंह ठाकुर, अमित विश्वकर्मा, गौरव मिश्रा, नेकराम पटेल, सुधीर विश्वकर्मा, करण तामशेतवार, लकी गुप्ता, मोहित प्यासी, रिक्की ठाकुर, सरजू चक्रवर्ती, सुल्तान चक्रवर्ती, शैंकी ठाकुर, फहीम खान, स्वप्निल राजपूत, इशांक भोजक, राहुल ठाकुर, राजू रघुवंशी, नीलेश सेन, घनश्याम महोबिया, रोहित, धीरज असाटी, अभिषेक नायक सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

श्रीलक्ष्मी नृसिंह महायज्ञ में हुआ अरणि मंथन

सिहोरा। श्री नृसिंह टेकरी खितौला में श्रीलक्ष्मी नरसिंह महायज्ञ का शुभ आयोजन किया गया है। श्री श्री 1008 ब्रम्हलीन स्वामी द्वारका दास महाराज के आशीर्वाद से 76 वां आयोजन चल रहा है। यज्ञाचार्य पं.के शव तिवारी, पंडित विष्णु मिश्रा, पंडित रमन मिश्रा, पं नारायण प्रसाद दुबे, पं.अमित तिवारी, पं.अभय तिवारी, पं.राजा दुबे, पं. अनिकेत उपाध्याय,पंडित बलराम दुबे आदि शामिल हैं। महंत गोविंद दास महाराज, पुजारी बांके बिहारी दास के सानिध्य में यज्ञ के क्रम में गुरुवार को अरणि मंथन का अनुष्ठान संपादित होने के साथ हवनकुंड में आहुतियां पड़नी शुरू हुईं। सरपत और बांस से निर्मित यज्ञ मंडप, आचार्यों सहित पारंपरिक भारतीय परिधान में संवरे यजमान, राम महामंत्र का सस्वर उच्चारण एवं हवन कुंड में पड़ती आहुतियां ऋषियों के दौर का परिवेश उपस्थित कर रही थीं। पूजन, मंत्रोच्चार एवं हवन यज्ञाचार्य व विद्वान पंडितों द्वारा किया गया।

कोरोना के 21 नए मरीज मिले, स्वस्थ होने पर 20 लोग डिस्चार्ज

जबलपुर। कोरोना से स्वस्थ होने पर गुरुवार चार मार्च को 20 व्यक्तियों को डिस्चार्ज किया गया है। वहीं बीते चौबीस घण्टे के दौरान मिली 557 सेम्पल की परीक्षण रिपोर्ट्स में कोरोना के 21 नये मरीज सामने आये हैं। डिस्चार्ज हुये 20 को व्यक्तियों को मिलाकर जबलपुर में कोरोना संक्रमण से मुक्त होने वाले मरीजों की संख्या 16 हजार 343 हो गई है। वहीं रिकवरी रेट 97.68 प्रतिशत हो गया है। बुधवार की शाम 6 बजे से गुरुवार की शाम 6 बजे तक पिछले चौबीस घण्टे के दौरान मिले 21 कोरोना संक्रमितों को मिलाकर कोरोना पॉजिटिव व्यक्तियों की संख्या 16 हजार 730 हो गई है। पिछले चौबीस घण्टे में कोरोना से किसी भी व्यक्ति की मृत्यु की रिपोर्ट प्राप्त नहीं हुई है । जबलपुर में कोरोना से जान गंवाने वाले मरीजों की संख्या 252 ही है । कोरोना के एक्टिव केस अब 135 हो गये हैं। कोरोना टेस्ट हेतु 4 मार्च को 920 व्यक्तियों के सेम्पल लिये गये हैं।

पाटन में दिन में भी रोशन रहती हैं स्ट्रीट लाइट्स

पाटन। नगर परिषद पाटन में स्ट्रीट लाइटों की जगमग रात के साथ दिन में भी दिखाई दे रही है। दिन में सड़क की स्ट्रीट लाइट जलती रहती है और कोई भी नगर परिषद या विधुत विभाग का कर्मचारी इस ओर ध्यान नही दे रहे है। जहां एक ओर नगर की सड़कों पर बिजली वेस्ट हो रही है वहीं दूसरी ओर किसानों को बिजली नाप तौल कर दी जाती है। क्षेत्रीयजनों के अनुसार किसानों को अतिरिक्त 3 घंटे बिजली अतिरिक्त प्रदाय की जानी चाहिए।

मंहगाई पर क्यों मौन हैं केंद्र और राज्य सरकार?

कांग्रेस ने किया आमसभा का आयोजन

जबलपुर (एजेंसी)। आम जनता लगातार बढ़ती महंगाई, पेट्रोल, डीजल,गैस सिलेंडर, खाद्य पदार्थों की कीमतों से परेशान है। लेकिन सरकार एवं सरकार के जनप्रतिनिधि इसपर मौन हैं। अब मंहगाई के विरोध में आम जनता को ही घरों से बाहर निकलकर अपनी आवाज बुलंद करनी होगी। उपरोक्त आव्हान कांग्रेस नेताओं केंट विधानसभा अंतर्गत रांझी महर्षि सुदर्शन वार्ड के बजरंग नगर, झंडा चौक में आयोजित आमसभा के दौरान व्यक्त किए।

बेहताशा बढ़ती महंगाई के विरोध में कांग्रेस कमेटी के प्रदेश महामंत्री रामदास यादव के संयोजन में ब्लॉक अध्यक्ष जगत मणि चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में सेवादल के संजय सिंह मरावी द्वारा आयोजित आम सभा में शहर कांग्रेस अध्यक्ष दिनेश यादव ने बताया देश के राष्ट्रपति का जबलपुर आगमन हो रहा है। कांग्रेस प्रतिनिधिमण्डल ने राष्ट्रपति से मिलने का समय कलेक्टर से मांगा है, इसमें राष्ट्रपति से किसानों के तीनों काले कानून वापस लेने एवं केंद्रीय कर्मचारियों की पुनः पेंशन लागू करने सहित अन्य मांगों को लेकर प्रतिवेदन भी सौंपा जाएगा। आमसभा को वरिष्ठ कांग्रेस नेता डॉ. आलोक मिश्रा, डॉ.आलोक चंसोरिया ने भी सम्बोधित किया। आमसभा में प्रदेश महामंत्री रामदास यादव ने कहा कि केंट विधानसभा में भारतीय जनता पार्टी के जन प्रतिनिधि लगभग 25 वर्षों से सांसद, विधायक, पार्षद निर्वाचित हो रहे हैं लेकिन रांझी के वार्डों के आम नागरिक अभी भी मूलभूत सुविधाओं के लिए परेशान हैं। इस अवसर पर वार्ड प्रभारी नेम सिंह, पीपी पटेल, अनिल शर्मा, राज कुमार सोनकर, रमेश बोहित, लक्ष्मण समुद्रे, निर्मल जैन, मामूर गुडडू, तेजी लाल वंशकार, राजाराम देशवाड़ी, आलोक भट्ट, राजा राणे, वार्ड अध्यक्ष बंटी मारुति, राजेंद्र बैरागी, बलराम चौधरी, सरबजीत सिंह, संजय शान सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसी एवं आम नागरिक उपस्थित रहे।

पति को कराएं
बच्चे की जिम्मेदारी का अहसास

एक मां ही यह बता सकती हैं कि पेरेंटिंग का अनुभव कितना आनंददायक होता है। अक्सर पुरूष इसे बहुत भारी जिम्मेदारी के तौर पर देखते हैं और शुरू से उन्हें यह लगता है कि बच्चे का पालन-पोषण मां की जिम्मेदारी होती है।

बच्चे को सही परवरिश देना मां और पिता दोनों का काम होता है, पर बच्चे की परवरिश का जिम्मा मां पर ही आता है। अगर आप चाहती हैं कि आपके पति को भी बच्चे की जिम्मेदारी का अहसास हो तो इन बातों का ध्यान रखें।

बताएं आप उनकी मदद लेना चाहती हैं

बच्चा होने के बाद कुछ पुरूष यह चाहते हैं कि वो बच्चे की देखभाल करें, पर महिलाएं अक्सर इस संकोच में कि बच्चे का काम पति सही ढंग से कर पाएंगे या नहीं, सोच उनको मना कर देती हैं। अगर आपके पति बच्चे के पालन-पोषण में आपकी मदद करना चाहते हैं तो उनका यह प्रस्ताव सहर्ष स्वीकार कर लें। उन्हें अपने तरीके से बच्चों की केयर करने दें, हर समय टोकें न, अगर वो कहीं गलत है, तो उन्हें प्यार से बताएं।

भूमिका आनंददायक है

एक मां ही यह बता सकती हैं कि पेरेंटिंग का अनुभव कितना आनंददायक होता है। अक्सर पुरूष इसे बहुत भारी जिम्मेदारी के तौर पर देखते हैं और शुरू से उन्हें यह लगता है कि बच्चे का पालन-पोषण मां की जिम्मेदारी होती है। आप उन्हें बताएं कि एक बच्चे की देखभाल करने में जिम्मेदारी तो है, पर इसमें आनंद भी खूब है। बच्चा जब छोटी-छोटी हरकतें करता है तो उन्हें देखने में कितना मजा आता है। इस तरह की बातें जब आप उनसे शेयर करेंगी तो वो खुद ब खुद इसमें रूचि दिखाने लगेंगे।

ग्रुप बनाएं पिता भी

पुरूष अक्सर बच्चों के बारे में बात करने से बचते हैं। महिलाएं तो कई बार ग्रुप में जाकर बच्चों की परेशानियां, आदतें आदि के बारे में चर्चा कर लेती हैं, पर पिता को ऐसा नहीं करते। आप पति को प्रोत्साहित करें कि वो फेसबुक, ब्लॉग, फ्रेंड सर्कल में पिताओं के ग्रुप में शामिल हों। इससे वो सारी समस्याओं का समाधान पा सकते हैं, साथ ही अन्य पुरूषों से अपने अनुभव साझा कर सकते हैं और उनके अनुभव से सीख सकते हैं।

प्राथमिकता निर्धारित कर उनसे सहयोग मांगें

मां होने के नाते आप प्राथमिकता तय कर लें कि किन-किन बातों में आपको अपने पति की जरूरत पड़ सकती है। यह निर्धारित करने के बाद आप उन्हें बताएं कि आपको उनके सहयोग की कितनी जरूरत है। ऐसा करने से आप एक अच्छा वक्त एक-दूसरे के साथ बिता सकते हैं।

यादों को रखें सहेज कर

आप अपने पति से पूछें कि फादरहुड के दौरान वो कौन-सी पांच बातें थीं, जिनसे उन्हें बेहद खुशी मिली। आप उन सारी बातों को एक छोटी-सी नोटबुक में नोट करें। अगर उससे जुड़ी फोटो आपको पास है तो उसे भी चिपकाएं, ऐसा करने से आप इन छोटी-छोटी और प्यारी बातों को ताउम्र सहेज कर रख सकेंगी।

चमकाएं बाल और त्वचा

अगर आप चमकदार त्वचा और हैल्दी हेयर चाहते हैं तो अपनी फूड लिस्ट मे इन चीजों को शामिल कर सकते हैं। ये चीजें आपको खूबसूरती के साथ-साथ बढ़िया सेहत से भी नवाजेंगी।

विटामिन ए से भरपूर चीजें

क्या लें: गाजर, पालक, ब्रोकली, पपीता, आम, आलू व टमाटर

फायदा: इन चीजों में कैरोटीन होता है, जो सनस्क्रीन का काम करता है और त्वचा को धूप से बचाता है। टमाटर में लाइकोपीन भी सनस्क्रीन का काम करता है, लेकिन जरूरी है कि टमाटर अच्छे से पका हो।

सूखे मेवे

फायदा: इनमें ओमेगा थ्री फैटी एसिड होता है जो त्वचा में नमी बनाए रखता है। अखरोट में बायोटीन होता है जो बालों को बढ़ाता है, झड़ने और दो मुंहे होने से रोकता है।

विटामिन सी वाली चीजें

फायदा: नींबू, आंवले, संतरे का खट्टापन शरीर में जाकर कोलेजन बनाता है, जो त्वचा की कोशिकाओं को जवां रखता है, इससे झुर्रियां नहीं पड़तीं और त्वचा के घाव भी जल्दी भरते हैं। विटामिन-सी वाली चीजें आसानी से पच जाती हैं और अधिक मात्रा होने पर यूरिन के रास्ते निकल जाती हैं।

अलसी के बीज

फायदा: खाने को कुरकुरा बनाते हैं। इनमें मौजूद फाइबर, ओमेगा थ्री फैटी एसिड व विटामिन ई से त्वचा की नमी बनी रहती है, मुंहासे नहीं होते। रोजाना एक चम्मच प्रयोग करें।

विटामिन बी और कॉपर

पुरूषों के बालों में सफेदी की शुरूआत दाढ़ी से होती है, जबकि महिलाओं में कनपटी की तरफ से। इसके प्रमुख कारण हैं: चिंता करना, विटामिन बी, आयरन, कॉपर और आयोडीन की कमी। इसके लिए धूम्रपान न करें, मटर, ब्रोकली, ब्राउन राइस, गांठ गोभी खाएं व ग्रीन टी पीएं।

तौर-तरीके बदलकर

खुश रहना सीखें

मन खुश हो, तो तन दुरूस्त रहता है। इसलिए खुश रहने के लिए इन सुझावों को आजमा कर देखें -

खुद को एक्सप्रेस करें: अमरीका की वेक फॉरेस्ट यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों के अनुसार खुद को खुलकर अभिव्यक्त करने से मन में खुशी के भाव आते हैं।

दूसरों के लिए कुछ करें : फोर्ब्स डॉट कॉम के शोध के मुताबिक दूसरों के लिए कुछ करने से खुशी मिलती है। जब हम किसी की मदद करते हैं, अपनों को उपहार देते हैं या उन पर खर्च करते हैं, तो मन को सुकून मिलता है।

सकारात्मक सोचें: अपनी सोच सकारात्मक रखें और ऐसे लोगों के साथ रहें, जिनसे आपको प्रेरणा मिल सके।

दोस्तों व रिश्तेदारों से अच्छा व्यवहार रखें। यूनिवर्सिटी ऑफ इलिनॉयस के वैज्ञानिकों ने 30 साल तक एक लाख लोगों पर शोध के बाद पाया कि शिक्षा, राजनीति,सैलरी और संबंधों में से सबसे ज्यादा खुशी लोगों को अच्छे संबंधों से होती है। पर्याप्त मात्रा में पानी पीएं क्योंकि डिहाइड्रेशन होने से कई बार मूड चिड़चिड़ा हो जाता है।

खुद से करें प्यार का वादा

खूबसूरती बाहरी नहीं, बल्कि आंतरिक होती है, इसलिए अब से आप अपने को हमेशा खूबसूरत मानेंगी। आपके अंदर जो भी खासियत है, उसे और भी निखारेंगी और जो चीजें आपको शर्मिंदा महसूस करवाती है, उन्हें कम करने की कोशिश करेंगी।

नया साल हमें जिंदगी को एक बार फिर नए तरीके से जीने के लिए कहता है। नए साल पर आप अपने से यह वादा करें कि हमेशा अपने आप से प्यार करेंगी।

अब से आपने चाहे कोई हेयरस्टाइल करवाई हो या फिर कोई नई ड्रेस पहनी हो तो उसमें खुद को अच्छा महसूस करेंगी। अपने अंदर यह आत्मविश्वास लाएंगी कि आप जो भी पहन रही हैं, उसमें पूरी तरह परफेक्ट लग रही हैं।

खूबसूरती बाहरी नहीं, बल्कि आंतरिक होती है, इसलिए अब से आप अपने को हमेशा खूबसूरत मानेंगी। आपके अंदर जो भी खासियत है, उसे और भी निखारेंगी और जो चीजें आपको शर्मिंदा महसूस करवाती है, उन्हें कम करने की कोशिश करेंगी।

कुछ महिलाएं अपनी त्वचा के रंग को लेकर हमेशा असंतुष्ट रहती हैं, पर आप बिल्कुल भी ऐसा न करेंगी। आप अपनी त्वचा के रंग पर परेशान होने के बजाय यह कोशिश करेंगी कि आपकी त्वचा हमेशा ग्लो करती रहे।

अगर आपके साथ कुछ बुरा होता है या फिर आपके लुक को लेकर आपका कोई करीबी नकारात्मक कमेंट करता है तो उससे अपना मूड खराब करने की बजाय आप उस पर ज्यादा ध्यान नहीं देंगी, बल्कि अब से आप अपने दिमाग में इस बात को रखेंगी कि दूसरों को भले आप पसंद न आएं, पर आप अपने को पसंद करती हैं और करती रहेंगी।

अपने शरीर को पसंद और नापसंद करना आपके हाथों में हैं। वर्तमान में आपकी बॉडी किसी भी शेप में हो, अब से आप उस पर फख्र करेंगी। यह अलग बात है कि अगर आपका वजन कुछ ज्यादा है तो उसे कम करने की कोशिश करेंगी, पर अपने शरीर को लेकर सकारात्मक सोच को खत्म बिल्कुल नहीं करेंगी और उसे अच्छा ही मानेंगी।

आप हमेशा यह मानेंगी कि आप दिल, दिमाग और शरीर तीनों से बेहद खूबसूरत हैं। भले ही आपके बारे में कोई कुछ भी कहे, आप उसकी बात का बुरा नहीं मानेंगी। अगर आप ऐसा सोचेंगी तो सच मानिए, आप गॉर्जियस दिखेंगी।

एक प्यारी मुस्कुराहट लोगों का ध्यान हमेशा आकर्षित करती है और चेहरे पर भी नूर लाती है। इसलिए अब से चेहरे पर हमेशा तनाव लाने की बजाय मुस्कुराहट बनाए रखेंगी। एक प्यारी मुस्कुराहट आपके चेहरे पर चार चांद लगा देगी।

अगर आपके बाल हेल्दी या फिर त्वचा का टोन अच्छा है तो उस पर नाज करेंगी। अपनी कमी को देकर दुखी नहीं होंगी। बाल सफेद हो रहे हैं, उनमें रूसी है तो उन्हें देख-देखकर चिढ़ेंगी नहीं, इन्हें दूर करने के उपाय खुशी-खुशी करेंगी।

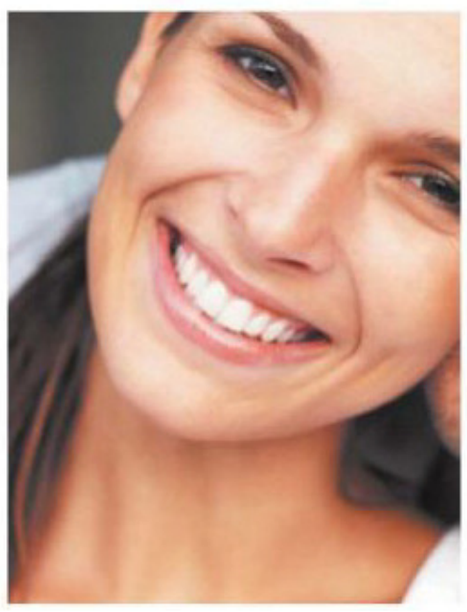

आप संवरिए
लेकिन जरा संभलकर

खास मौकों पर सज-संवरकर चेहरे की सुंदरता बढ़ाना वैसे तो कोई बुरी बात नहीं, लेकिन कई बार रोजाना भारी-भरकम मेकअप करने की आदत और पुराने या कम गुणवत्ता वाले ब्यूटी उत्पाद कुछ देर की सुंदरता और लंबे समय की बीमारी लेकर आते हैं।

ब्लीच

लोग स्किन की टेनिंग कम करने के लिए या चेहरे के बालों को छिपाने के लिए ब्लीच करते हैं, लेकिन इससे कई बार स्किन एलर्जी हो जाती है।

उपाय: ब्लीच को 24 घंटे पहले कान के पीछे लगाकर टेस्ट कर लें, अगर कोई एलर्जी न हो तभी ब्लीच करें। टेनिंग दूर करने के लिए ब्लीच कर रहे हैं तो संतरे, पपीते का पल्प या चंदन पाउडर लगा सकते हैं।

डियो और परफ्यूम

डियोड्रेंट का ज्यादा प्रयोग अंडरआर्म्स की त्वचा को नुकसान पहुंचाता है। खुजली की समस्या हो, परफ्यूम से छींकें आती हों या सांस के रोगी हों तो इनका प्रयोग न करें।

उपाय: डियो या परफ्यूम में कैमिकल्स होते हैं, इन्हें सीधे बॉडी पर न लगाकर कपड़ों पर लगाएं।

आई मेकअप के नुकसान

अगर आप आई मेकअप करने के बाद आंखों में कॉन्टेक्ट लैंस लगाते हैं तो ऐसे में बैक्टीरिया कॉर्निया तक पहुंच जाता है जिससे कॉर्नियल इंफेक्शन का खतरा रहता है। कई बार मेकअप करने से बैक्टीरिया का मैंब्रेन (झिल्ली) से संपर्क होता है।

नेलपॉलिश

नेलपॉलिश लगाने के बाद हमें नाखूनों की मैल नहीं दिखती जिससे पेट में इंफेक्शन हो सकता है।

उपाय: नाखूनों की सफाई का ध्यान रखें और खाना बनाने या खाने से पहले नेलपॉलिश को सुखा लें।

फाउंडेशन और ब्लशर

इनके रोजाना प्रयोग से चेहरे के रोमछिद्र बंद हो जाते हैं। त्वचा के अंदर जमी गंदगी और तेल बाहर नहीं आ पाते, जिससे छिद्रों में मवाद जमने से कील-मुहांसे होने लगते हैं।

उपाय: ब्यूटी प्रोडक्ट की क्वालिटी का ख्याल रखें। त्वचा ऑयली है तो वॉटर बेस प्रोडक्ट और रूखी है तो ऑयल बेस स्किन प्रोडक्ट का प्रयोग करें।

पिच नहीं गुलाबी गेंद की वजह से बल्लेबाजों को हुई थी मोटेरा में दिक्कत

नई दिल्ली, (संवाददाता)। अहमदाबाद में खेले गए तीसरे टेस्ट में आखिर भारत और इंग्लैंड की मजबूत टीमों के बल्लेबाज विकेट पर क्यों नहीं टिक सके, इस सवाल का जवाब चौथे टेस्ट के पहले दिन मिल गया है। मोटेरा में खेले गया तीसरा टेस्ट महज 2 दिन में खत्म हो गया था, जिसकी वजह से इस मैदान की पिच को लेकर सवाल उठाए गए थे। चौथे टेस्ट के दौरान सामने आया कि बल्लेबाजों को दिक्कत पिच की वजह से नहीं बल्कि गुलाबी गेंद की वजह से हुई थी।

तीसरे टेस्ट में इंग्लैंड पहली पारी में 112 और दूसरी पारी में 81 पर सिमट गया था। वहीं भारत की पहली पारी भी सिर्फ 145 रनों पर ढेर हो गई थी। इसके बाद इंग्लैंड के पूर्व कप्तानों ने पिच पर सवाल खड़े किये हालांकि इंग्लैंड की टीम के खिलाड़ियों ने पिच को दोष नहीं दिया। वहीं भारतीय खिलाड़ियों ने भी कहा कि पिच में कोई दिक्कत नहीं थी। अब खुलासा हुआ है कि तीसरे टेस्ट के दौरान एसजी की गुलाबी गेंद कुछ खास हरकत कर रही थी जिसने बल्लेबाजों को मुश्किल में डाल दिया।

अहमदाबाद में खेले जा रहे चौथे टेस्ट के पहले दिन खुलासा किया गया कि तीसरे टेस्ट में इस्तेमाल गुलाबी गेंद की रफ्तार लाल गेंद से 8 किमी. प्रति घंटा ज्यादा तेज थी। गुलाबी गेंद पिच पर टप्पा खाने के बाद लाल गेंद से ज्यादा तेजी से निकली। उदाहरण के तौर पर अगर गुलाबी गेंद से 100 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से गेंद फेंकी गई तो पिच पर पड़ने के बाद उसकी रफ्तार में 15 फीसदी की कमी आई। यानी रफ्तार 85 रही. वहीं लाल गेंद से 23 फीसदी की कमी आई। यानी रफ्तार 77 की रही।

गुलाबी गेंद की इसी खासियत का फायदा भारतीय स्पिनर्स खासतौर पर अक्षर पटेल ने उठाया, जिन्होंने पहली पारी में 6 और दूसरी पारी में 5 विकेट अपने नाम किए। जो रूट ने भी मैच गंवाने के बाद कहा था कि गुलाबी गेंद में अलग सी चमकती हुई सीम थी, जिसपर पड़कर गेंद ज्यादा तेज निकल रही थी. अक्षर पटेल की रफ्तार ने इंग्लैंड के बल्लेबाजों पर कहर ढाया और उसने मैच 10 विकेट से गंवा दिया।

अहमदाबाद में भारत और इंग्लैंड के बीच खेले जा रहे अंतिम टेस्ट मैच के दूसरे दिन स्वीप शॉट खेलेने का प्रयास करते रोहित शर्मा।

18 नंबर जर्सी पहन कर स्टेडियम में पहुंचा विराट कोहली का हमशक्ल

नई दिल्ली, (संवाददाता)। भारत और इंग्लैंड के बीच आखिरी मुकाबला अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में जारी है। इंग्लैंड को पहली पारी में 205 रन पर समेटने के बाद दूसरे दिन लंच ब्रेक तक टीम इंडिया ने चार विकेट खोकर 80 रन बना लिए हैं। भारत पहली पारी के आधार पर इंग्लैंड से 125 रनों से पीछे है। इस मैच को देखने भारतीय कप्तान विराट कोहली का हमशक्ल भी पहुंचा जिसकी तस्वीर सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही है। कोहली के इस हमशक्ल को देखकर अक्सर फैंस भी धोखा खा जाते हैं।

दूसरी ओर चौथे टेस्ट में एक बार फिर विराट कोहली का बल्ला खामोश रहा। दूसरे दिन कोहली बिना खाता खोले ही बेन स्टोक्स की गेंद पर विकेट के पीछे बेन फोक्स को कैच दे बैठे। इस सीरीज में कोहली दूसरी पारी में शून्य पर आउट हुए हैं। बेन स्टोक्स ने अपने करियर में सबसे ज्यादा बार विराट का ही शिकार किया है। स्टोक्स ने पांचवीं बार कोहली का विकेट झटका है। कोहली नवंबर 2019 से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शतक बनाने के लिए जूझ रहे हैं।

भारत चार मैचों की श्रृंखला में अभी 2-1 से आगे है। अगर विराट कोहली की टीम अंतिम टेस्ट ड्रॉ भी करा लेती है तो जून में लार्ड्स में होने वाले फाइनल में जगह बना लेगी जहां उसका सामना न्यूजीलैंड से होगा। इंग्लैंड की टीम फाइनल की दौड़ से बाहर हो गई है, लेकिन अगर अंतिम टेस्ट में जीत दर्ज करती है तो फिर भारत को भी खिताबी मुकाबले से बाहर कर देगी और टिम पेन की अगुआई वाली ऑस्ट्रेलिया की टीम को इस मुकाबले में खेलने का मौका मिलेगा।

वसीम जाफर ने इंग्लैंड के बल्लेबाजों को बताया अक्षर-अश्विन से निपटने का तरीका

नई दिल्ली, (संवाददाता)। इंग्लैंड के खिलाफ चार टेस्ट मैचों की सीरीज में भारत का दबदबा बना हुआ है। इंग्लैंड ने शानदार शुरूआत करते हुए पहले टेस्ट में 227 रनों से भारत को चेन्नई में हराया था, लेकिन वह इस गति को जारी नहीं रख पाया। भारत ने दूसरे टेस्ट में 317 रन से जीत दर्ज करके वापसी की। तीसरा टेस्ट मैच अहमदाबाद के मोटेरा में खेला गया, जिसमें भारत ने 10 विकेट से जीत हासिल की। यह मैच महज दो ही दिन में खत्म हो गया था।

भारत फिलहाल सीरीज में 2-1 से आगे चल रहा है। सीरीज का चौथा मैच भी अहमदाबाद में ही खेला जा रहा है। मैच के पहले दिन एक बार फिर से भारतीय गेंदबाजों ने इंग्लिश बल्लेबाजों पर अपना दबाव बनाया। इंग्लैंड की टीम पर भारत के इस दबदबे का एक बड़ा कारण रहा कि रविचंद्रन अश्विन और अक्षर पटेल की शानदार गेंदबाजी। इन दोनों ने पूरी सीरीज में बढ़िया गेंदबाजी की। इंग्लैंड के बल्लेबाजों के लिए इन्हें खेलना मुश्किल हो गया। पिंक बॉल टेस्ट में अक्षर पटेल ने 11 विकेट लेकर मैन ऑफ द मैच का अवार्ड जीता। भारतीय स्पिन के खिलाफ इंग्लैंड की परेशानी को देखते हुए पूर्व भारतीय क्रिकेटर और पंजाब किंग्स के बल्लेबाजी कोच वसीम जाफर ने मेहमान टीम को यह बताया कि उन्हें स्पिन को कैसे खेलना चाहिए।

पूर्व क्रिकेटर मार्क निकोलस ने एक ट्वीट का जवाब देते हुए वसीम जाफर ने बताया कि रविचंद्रन अश्विन और अक्षर पटेल के खिलाफ इंग्लैंड के बल्लेबाजों को कैसे बल्लेबाजी करनी चाहिए। जाफर ने कहा कि इसका सबसे अच्छा तरीका है कि इंग्लैंड के बल्लेबाज नॉन स्ट्राइकिंग एंड पर खड़े रहें, लेकिन इसके साथ ही उन्होंने मांकडिंग का जिक्र करते हुए कहा कि जब अश्विन गेंदबाजी कर रहे हों तो नॉन स्ट्राइकिंग बल्लेबाज के लिए वह भी सुरक्षित नहीं है।

शुभमन गिल को जीरो पर आउट कर एंडरसन ने की ग्लेन मैक्ग्रा की बराबरी

अहमदाबाद, (एजेंसी)। भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ चौथे और अंतिम टेस्ट के पहले दिन मेहमान टीम पर शिकंजा कस दिया है। भारत ने अपनी पहली पारी में एक विकेट गंवाकर 24 रन बना लिए हैं। सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा आठ और चेतेश्वर पुजारा 15 रन बनाकर क्रीज पर हैं। टीम ने एकमात्र विकेट सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल के रूप में खोया जो खाता भी नहीं खोल सके और जेम्स एंडरसन की गेंद पर पगबाधा आउट हो गए।

इससे पहले भारत ने इंग्लैंड को पहली पारी में 205 रन पर समेट दिया था, जिसमें अक्षर पटेल ने चार और रविचंद्रन अश्विन ने तीन विकेट हासिल किए। मोहम्मद सिराज को दो और वॉशिंगटन सुंदर को भी एक विकेट मिला।

पहला दिन इंग्लैंड के लिए बेहद खराब रहा, लेकिन 38 वर्षीय तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन ने एक खास रिकॉर्ड बनाया। भारत की पारी की तीसरी गेंद पर ही गिल बिना खाता खोले एंडरसन की गेंद पर पगबाधा आउट हो गए। अब एंडरसन के नाम टेस्ट क्रिकेट में संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा बार बल्लेबाजों को शून्य पर आउट करने का रिकॉर्ड दर्ज हो गया है। उन्होंने और ऑस्ट्रेलिया के महान गेंदबाज ग्लेन मैक्ग्रा ने 104 बार बल्लेबाजों को शून्य पर अपना शिकार बनाया है। इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया के महान स्पिनर शेन वॉर्न का नाम दर्ज है, जिन्होंने 102 बार ऐसा करके दिखाया है।

टेस्ट क्रिकेट इतिहास में 600 से ज्यादा विकेट लेने वाले एंडरसन एक मात्र तेज गेंदबाज हैं। उनसे ज्यादा विकेट सिर्फ मुथैया मुरलीधरन (800), शेन वॉर्न (708) और अनिल कुंबले (619) ने लिए हैं। एंडरसन के नाम टेस्ट क्रिकेट में 160 मैचों में 612 विकेट है। उन्होंने 30 बार पारी में पांच या उससे ज्यादा विकेट लिए हैं। इसके अलावा सर्वाधिक टेस्ट मैच खेलने वालों की सूची में एंडरसन 8वें नंबर पर हैं। उनसे ज्यादा मैच सचिन तेंदुलकर (200), रिकी पोंटिंग (168), स्टीव वॉ (168), जैक कैलिस (166), राहुल द्रविड़ (164), शिवनारायण चंद्रपॉल (164) और एलिस्टर कुक (161) ने खेले हैं।

भज्जी की गुगली में उलझे लक्ष्मण, जॉनी बेयरेस्टो को लेकर स्पिनर ने पूछा कठिन सवाल

नई दिल्ली, (संवाददाता)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) ने भारतीय और विदेशी क्रिकेटरों के बीच खासा याराना देखा गया हैं। पूर्व भारतीय क्रिकेटर, जो अलग-अलग फ्रेंचाइजी के साथ जुड़े रहे, विदेशी क्रिकेटरों के साथ उनका एक दोस्ताना रिश्ता बना है। इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट के पहले दिन नरेंद्र मोदी स्टेडियम पर दिग्गज ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह ने साथी कमेंटेटर वीवीएस लक्ष्मण की ओर एक मजेदार गुगली फेंकी। दरअसल, हरभजन सिंह ने इंग्लैंड के बल्लेबाज जॉनी बेयरेस्टो को लेकर वीवीएस लक्ष्मण से एक ऐसा सवाल पूछा, जिसमें वह फंसते हुए नजर आए। वीवीएस लक्ष्मण आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद के साथ लंबे समय से जुड़े हुए हैं और जॉनी बेयरेस्टो भी इसी टीम के लिए खेलते हैं। भारत में इंग्लैंड के खिलाफ बेयरेस्टो के खराब फॉर्म को लेकर एक शो के दौरान हरभजन सिंह ने लक्ष्मण से एक मुश्किल सवाल पूछा। बेयरेस्टो सनराइजर्स हैदराबाद के लिए डेविड वॉर्नर के साथ ओपनिंग करते हैं। हरभजन सिंह ने पूछा, क्या जॉनी बेयरेस्टो के आउट ऑफ फॉर्म होने की वजह से नर्वस हैं भज्जी के इस सवाल का जवाब देते हुए लक्ष्मण ने कहा, मैं उन्हें फॉर्म में चाहता हूं। हालांकि, इससे पहले उन्होंने कहा कि मुझे इससे फर्क नहीं पड़ता कि वह रन बना रहे हैं या नहीं। लेकिन हरभजन सिंह ने पूर्व क्रिकेटर और कमेंटेटर आकाश चोपड़ा के साथ मिलकर इस पर लक्ष्मण की खिंचाई करते रहे। हरभजन ने यहां तक कहा कि उन्हें सनराइजर्स हैदराबाद टीम का प्रबंधन संभालना चाहिए, लेकिन लक्ष्मण इसके खिलाफ नजर आए। इसके बाद लक्ष्मण ने मजाकिया अंदाज में कहा, फैन्स आकाश चोपड़ा को आईपीएल कमेंटरी बॉक्स में चाहते हैं। बता दें कि जॉनी बेयरेस्टो तीसरे टेस्ट की दोनों पारियों में अपना खाता भी नहीं खोल पाए थे। तीसरा टेस्ट भारत ने दो दिन में 10 विकेट से जीत लिया। हरभजन ने लक्ष्मण से यह बताने के लिए भी कहा कि बेयरेस्टो चौथे टेस्ट की पहली पारी में कितने रन बनाएंगे।

कोरोना संक्रमण : पीसीबी ने दिए जांच के आदेश

करांची, (एजेंसी)। कोरोना संक्रमण के तीन और मामले सामने आने के बाद पाकिस्तान सुपर लीग तुरंत प्रभाव से स्थगित कर दी गई है। इसके साथ ही कुल मामलों की संख्या बढकर सात हो गई है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने इसकी जांच की घोषणा है।

इन सात मामलों में से छह खिलाड़ी और एक सहयोगी स्टाफ है। पीसीबी ने एक बयान में बताया कि टीम मालिकों के साथ बैठक और सभी प्रतिभागियों की सेहत और स्वास्थ्य को ध्यान में रखकर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने एचबीएल पाकिस्तान सुपर लीग छह को तुरंत प्रभाव से स्थगित करने का फैसला किया है। 20 फरवरी से शुरू हुई प्रतियोगिता में कोरोना संक्रमण के सात मामले आने के बाद यह फैसला लिया गया। पीसीबी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी वसीम खान ने कहा कि क्या चीज गलत हुई, इसे समझने के लिए जांच की जाएगी।

उन्होंने कहा कि यह हमारे लिए काफी निराशाजनक है और हम ऐसी स्थिति में पड़ गए हैं जिसमें हम सवाल कर रहे हैं कि हम खिलाड़ियों को पूर्ण सुरक्षा प्रदान कर सकते हैं या नहीं क्योंकि उनका स्वास्थ्य सर्वोपरि है।

खान ने कहा हमने कुछ दिन के लिए मैचों को रोकने के विकल्प को भी देखा, लेकिन पिछले कुछ दिनों में फ्रेंचाइजी और खिलाड़ियों के बीच काफी चिंता बढ़ गयी थी। उन्होंने कहा कि हम काफी चीजों को बेहतर तरीके से कर सकते थे, यह कोई दोषारोपण का खेल नहीं है, लेकिन हमें देखना होगा कि क्या गलत हुआ और हमें भविष्य में दौरा करने वाली टीमों और खिलाड़ियों को भरोसा और आश्वासन देना होगा। खान ने कहा कि इस समय बोर्ड की प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि खिलाड़ी अपने गंतव्यों पर सुरक्षित पहुंच सकें। अभी तक 34 मैचों के टूनार्मेंट के 14 मैच ही हो सके हैं।

पीसीबी ने कहा हम सभी प्रतिभागियों के सुरक्षित रूप से रवाना होने पर फोकस करेंगे जिसमें रिपीट पीसीआर टेस्ट, टीके और पृथकवास शामिल है। इससे पहले पीसीबी ने एक बयान में कहा था कि दो टीमों के तीन और खिलाड़ी पॉजिटिव पाए गए हैं और वे दस दिन तक पृथकवास में रहेंगे। बोर्ड ने कहा था ये तीन खिलाड़ी बुधवार को हुए पीएसएल के दो मैचों का हिस्सा नहीं थे। इन्हें लक्षण पाए जाने के बाद जांच के लिए भेजा गया था।

पीसीबी को मजबूरन यह फैसला लेना पड़ा क्योंकि कुछ विदेशी खिलाड़ियों और स्थानीय टीम अधिकारियों ने मौजूदा हालात पर चिंता जताई थी। आस्ट्रेलियाई हरफनमौला डैन क्रिस्टियन ने तुरंत स्वदेश लौटने का फैसला किया। रिपोर्ट है कि कुछ अन्य विदेशी खिलाड़ी भी तुरंत रवाना होना चाहते हैं, जबकि पाकिस्तान के एक पूर्व कप्तान ने टीम होटल में बायो बबल छोड़कर अपने घर लौटने का फैसला किया। बोर्ड ने बुधवार को सभी प्रतिभागियों को कोरोना वायरस के टीके लगाने की पेशकश की थी। इससे पहले इंग्लैंड के बल्लेबाज टॉम बेंटोन ने दावा किया था कि पीएसएल में कोरोना पॉजिटिव पाए गए दो विदेशी खिलाड़ियों में से एक वह हैं।

पीसीबी के मीडिया निदेशक सामी उल हसन बर्नी ने मंगलवार को कहा था कि दो विदेशी खिलाड़ी और एक सहयोगी स्टाफ संक्रमित पाया गया है।

भारोत्तोलन राष्ट्रीय स्पर्धा अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

नई दिल्ली। तमिलनाडु में महामारी कोरोना के बढ़ते मामलों के बाद इस महीने नागरकोइल में होने वाली पुरुष और महिला सीनियर राष्ट्रीय भारोत्तोलन चैंपियनशिप स्पर्धा को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया। राष्ट्रीय चैंपियनशिप का आयोजन 14 से 17 मार्च तक होना था। भारतीय भारोत्तोलन महासंघ (आईडब्ल्यूएलएफ) के महासचिव सहदेव यादव ने बताया, कोविड-19 मामलों में अचानक इजाफे के बाद, कार्यकारी बोर्ड ने आज राष्ट्रीय चैंपियनशिप को स्थगित करने का फैसला किया। यह टूनार्मेंट इसी स्थल पर होगा लेकिन नई तारीखों का फैसला अगले महीने किया जाएगा। यादव ने कहा, राष्ट्रीय चैंपियनशिप समान स्थल पर होगी।

वेलिंगटन में न्यूजीलैंड और इंग्लैंड की महिला टीमों के बीच खेले गए दूसरे टी-20 मैच में सौफी का विकेट लेने के बाद खुशी जताती इंग्लैंड की खिलाड़ी।

नीदरलैंड में वर्ल्ड टेनिस टूर्नामेंट में पुरुषों के एकल मैच के दौरान शॉट मारने से चूकते अमेरिका के टॉमी पॉल।

7 साल बाद सीरीज में दो बार शून्य पर आउट हुए विराट

अहमदाबाद, (एजेंसी)। भारतीय कप्तान विराट कोहली एक बार फिर बल्ले से फ्लॉप रहे हैं। इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट के दूसरे दिन कोहली से बड़ी पारी की उम्मीद थी, लेकिन कोहली बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए। कोहली को बेन स्टोक्स ने विकेटकीपर बेन फोक्स के हाथों कैच कराया। कोहली दूसरी बार इस टेस्ट सीरीज में खाता खोले बगैर आउट हुए हैं। वह चेन्नई में खेले गए दूसरे टेस्ट की पहली पारी में शून्य पर आउट हुए थे।

विराट कोहली को मोईन अली ने शानदार गेंद पर बोल्ड किया था। मोईन की उस गेंद को ड्रीम बॉल कहा गया था। कोहली के टेस्ट करियर में ऐसा दूसरी बार हुआ है, जब वह किसी सीरीज में दो बार शून्य पर आउट हुए हों। इससे पहले कोहली 2014 में इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में दो बार शून्य पर आउट हुए थे। उस सीरीज में कोहली को लियाम प्लंकेट और जेम्स एंडरसन ने शून्य पर आउट किया था।

कोहली अपने टेस्ट करियर में 12वीं बार शून्य पर आउट हुए हैं। साथ ही बेन स्टोक्स ने कोहली को पांचवीं बार टेस्ट क्रिकेट में आउट किया है। वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप में कोहली चौथी बार शून्य (2019-2021) पर आउट हुए हैं। भारतीय क्रिकेटरों में उन्होंने जसप्रीत बुमराह की बराबरी की है। मोहम्मद शमी और चेतेश्वर पुजारा भी इस चैम्पियनशिप में अब तक 3-3 बार शून्य पर आउट हुए हैं।

टेस्ट में इन गेंदबाजों ने कोहली को शून्य पर लौटाया उनमें रवि रामपॉल (वेस्टइंडीज), बेन हिल्फेनहॉस (ऑस्ट्रेलिया), लियाम प्लंकेट (इंग्लैंड), जेम्स एंडरसन (इंग्लैंड), मिशेल स्टार्क (ऑस्ट्रेलिया), सुरंगा लकमल (श्रीलंका), स्टुअर्ट ब्रॉड (इंग्लैंड), पैट कमिंस (ऑस्ट्रेलिया), केमार रोच (वेस्टइंडीज), अबु जाएद चौधरी (बांग्लादेश), मोईन अली (इंग्लैंड), बेन स्टोक्स (इंग्लैंड) आदि।

नवंबर 2019 में बांग्लादेश के खिलाफ कोलकाता टेस्ट में 136 रनों की पारी खेलने के बाद से कोहली इंटरनेशनल क्रिकेट में अब तक एक भी शतक नहीं बना पाए हैं। इसके बाद कोहली की 12 टेस्ट पारियां ऐसी रहीं- 2, 19, 3, 14, 74, 4, 11, 72, 0, 62, 27 और 0। बतौर टेस्ट कप्तान कोहली का यह 8वां शून्य रहा। उन्होंने महेंद्र सिंह धोनी की बराबरी की, जिन्होंने टेस्ट कप्तान के तौर पर 8 शून्य बनाए थे।

आईपीएल-2021 की तैयारी में जुटे रैना, धोनी, रायडू समेत कई खिलाड़ियों ने चेन्नई में डाला डेरा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। आईपीएल के पिछले सीजन निजी कारणों के चलते यूएई में अपनी टीम चेन्नई सुपर किंग्स का साथ छोड़कर भारत लौटने वाले स्टार खिलाड़ी सुरेश रैना आईपीएल 2021 की तैयारियों में जुट गए हैं। दरअसल पिछले साल रैना कोरोना से प्रभावित आईपीएल 2020 के लिए टीम के साथ यूएई गए थे, मगर इसके बाद टीम में कोरोना संक्रमण फैलने के बाद वह भारत लौट आए थे। इस पर काफी विवाद भी हुआ था। माना तो यह भी जा रहा था कि आईपीएल 2021 के लिए सीएसके रैना को बाहर भी कर सकती है, मगर फ्रेंचाइजी ने नीलामी से पहले उन्हें रिलीज न करके इस सीजन के लिए भी अपने साथ बनाए रखा है और अब रैना एक बार फिर सबकी उम्मीदों पर खरे उतरने के लिए तैयारियों में जुट गए हैं।

आईपीएल 2021 की तैयारियों के लिए 9 मार्च से चेन्नई सुपर किंग्स का कैंप शुरू हो सकता है और इसके लिए कप्तान एमएस धोनी, अंबाती रायडू सहित कई खिलाड़ी चेन्नई पहुंच चुके हैं। रैना भी ट्रेनिंग कैंप शुरू होने से पहले जिम में जमकर पसीना बहा रहे हैं। उन्होंने जिम सेशन के अपने कुछ वीडियो इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर भी किया। वहीं रवींद्र जडेजा ने भी एक वीडियो शेयर करके बताया कि वह भी बेंगलुरु में नेशनल क्रिकेट एकेडमी में अपनी फिटनेस पर काम कर रहे हैं। वीडियो में जडेजा फिंगर पर काम करते हुए नजर आ रहे हैं। धोनी ने भी चेन्नई पहुंचकर यह साफ कर दिया है कि वह आईपीएल 2021 से नहीं हटेंगे और चेन्नई की अगुआई करेंगे। उनके चेन्नई पहुंचते ही सोशल मीडिया पर डेफिनेटली नाट ट्रेंड करने लगा।